सुप्रभात
रांची, सोमवार
03.07.2023
* नगर संस्करण । पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net आषाढ़, शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा संवत 2080 मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 10 । अंक : 348 12

अंतरा के घर आया नन्हा मेहमान

SURJABASHA

न्यूज डायरी

श्रावणी मेला का आज उद्घाटन करेंगे मंत्री

देवघर। राज्य के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख तीन जुलाई को प्रसिद्ध राजकीय श्रावणी मेला का उद्घाटन झारखंड के प्रवेश द्वार दुम्मा बॉर्डर पर करेंगे। देवघर उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन ने कांवरियों की सुविधा के लिए कई सेल काउंटर बनाया गया है।

श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, एक की मौत

हजारीबाग। चौपारण जीटी रोड के पिपरा के पास रविवार तड़के 3.30 बजे बिहार के जहानाबाद से श्रद्धालुओं को लेकर रजरप्पा मंदिर जा रही थी बस पलट गयी, जिसमें एक की मौत हो गयी। जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गये। इनमें तीन की हालत गंभीर है।

राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ रहे ऋतेश

लंदन। इंग्लैंड में आयोजित राष्ट्रमंडल भारोत्तोलन चैंपियनशिप में भारत के ऋतेश डोगरा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन के नेतृत्व में प्रशिक्षण पाने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने इसमें आठ स्वर्ण सहित 12 पदक जीते। ऋतेश ने 90 किग्रा भार वर्ग की रॉ डेडलिफ्ट में 300 किग्रा भार उठाकर अपना नया रिकॉर्ड बनाया।

गहना आभूषण
सोना (बिक्री) : 55,400 रु./10 ग्राम
चांदी : 72,000 रु./प्रति किलो

जगरनाथ महतो की पत्नी आज लेंगी मंत्री पद की शपथ, कहा

पति के अधूरे सपने को पूरा करूंगी

- राजभवन के दरबार हाल में होगा 12:30 बजे शपथ ग्रहण समारोह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के दिवंगत शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी महतो सोमवार को हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली यूपीए गंठबंधन सरकार में मंत्री के तौर पर शपथ लेंगी। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन के दरबार हाल में साढ़े बारह बजे होगा। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन सीएम हेमंत सोरेन और अन्य मंत्रियों की उपस्थिति में बेबी देवी महतो को शपथ दिलायेंगे। राजभवन प्रवक्ता ने बताया कि शपथ ग्रहण का कार्यक्रम सोमवार को साढ़े बारह बजे होना है। शिक्षामंत्री जगरनाथ महतो के निधन के बाद से हेमंत सोरेन सरकार की कैबिनेट में मंत्री का एक पद खाली है। महतो के पास स्कूल शिक्षा के अलावा साक्षरता एवं आबकारी विभाग था। वहीं बेबी देवी ने कहा कि वह सरकार के साथ मिलकर अपने स्व पति जगरनाथ महतो के सपने को पूरा करेंगी।

(शेष पेज 11 पर)

डुमरी सीट से लड़ेंगी चुनाव

झारखंड मुक्ति मोर्चा के मुख्य प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य के अनुसार दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के स्थान पर पार्टी ने उनकी पत्नी बेबी देवी महतो को राज्य मंत्रिमंडल में शामिल करने का फैसला लिया है। उन्होंने बताया कि इस शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनके मंत्रिमंडल सहयोगी तथा पार्टी नेता राजभवन में उपस्थित रहेंगे। पार्टी नेता ने बताया कि बेबी देवी बाद में प्रदेश के डुमरी विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव पार्टी के टिकट पर लड़ने की संभावना हैं। इस बीच, बता दें कि दिवंगत जगरनाथ महतो के निधन के बाद से झारखंड की डुमरी विधानसभा सीट खाली है। जगरनाथ महतो डुमरी विधानसभा क्षेत्र से लगातार झामुमो के चार बार विधायक रहे थे। 6 अप्रैल को उनका निधन हो गया था। तब से यह सीट रिक्त है। छह अक्तूबर से पहले उपचुनाव होना है। ऐसा माना जा रहा है कि बेबी देवी झामुमो उम्मीदवार के तौर पर चुनाव मैदान में उतरेंगी।

एनसीपी को तोड़ भतीजे ने पवार को दिया जोर का झटका

शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बने अजित पवार

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में रविवार को एक और बड़ा भूचाल आया। एनसीपी आंतरिक विद्रोह की वजह से दो फाड़ हो गयी। चाचा शरद पवार को तगड़ा झटका देते हुए भतीजा अजित पवार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के 40 विधायकों के साथ एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गये। शिव सेना-भाजपा गठबंधन सरकार में उन्होंने दोपहर बाद उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं एनसीपी नेता छगन भुजबल ने मंत्री पद की शपथ ली। एनसीपी के कुल नौ नेता मंत्री बन गये। इनमें दिलीप पाटिल, हसन मुशरिफ, धनंजय मुंडे, अदिति तटकरे, धर्माराव, अनिल पाटिल, संजय बनसोडे शामिल हैं।

(शेष पेज 11 पर)

ये गुगली नहीं लूट है : शरद पवार

अजित पवार के महाराष्ट्र की एनडीए सरकार में शामिल होने को लेकर एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ये गुगली नहीं लूट है। शरद पवार ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि दो दिन पहले पीएम मोदी ने कहा था कि एनसीपी खत्म हो चुकी पार्टी है। उन्होंने भ्रष्टाचार के आरोपों का जिक्र किया। मुझे खुशी है कि मेरे कुछ साथियों ने आज शपथ ली है। शरद पवार ने छह जुलाई को पार्टी की बैठक बुलायी थी। जिसमें पार्टी अध्यक्ष का नाम तय होना था। इसकी भनक लगते ही अजित पवार पहले ही चौकन्ने हो गये और पार्टी से विद्रोह कर दिया।

गजवा-ए-हिंद आतंकी मॉड्यूल की जांच का मामला

तीन राज्यों में चार ठिकानों पर एनआइए की छापामारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) गजवा-ए-हिंद आतंकी मॉड्यूल की जांच के तहत तीन राज्यों में चार स्थानों पर छापेमारी कर रही है। इस आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ पिछले साल बिहार में हुआ था। गजवा प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआइ) से संबंधित है। इस मामले में हिंसक आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रभावशाली युवाओं को कट्टरपंथी बनाना शामिल है। बिहार एटीएस और अन्य राज्य पुलिस भी इस मामले में एनआइए की मदद कर रही है। एनआइए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बिहार में दरभंगा और पटना, यूपी में बरेली और गुजरात के सूरत में छापेमारी चल रही है।

इस मामले में एनआइए ने 6 जनवरी को बिहार की एक विशेष एनआईए अदालत के समक्ष मरगूब अहमद दानिश के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। पहले पटना के फुलवारी शरीफ पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज हुआ था।

(शेष पेज 11 पर)

झारखंड में दो दिन भारी वर्षा को लेकर अलर्ट जारी

आठ जिलों में बारिश-वज्रपात की आशंका

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को को पूरे झारखंड में भारी बारिश के साथ अलर्ट जारी किया गया है। भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) ने रविवार को यह चेतावनी जारी की। आईएमडी के रांची स्थित मौसम केंद्र ने भारी बारिश का येलो अलर्ट भी जारी कर दिया है। विभाग के अनुसार झारखंड के उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं भारी वर्षा के आसार हैं। जिन आठ जिलों में भारी वर्षा और वज्रपात का अलर्ट जारी किया है, उनमें देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज के अलावा धनबाद और गिरिडीह जिला शामिल है। श्रावण मास के पहले दिन संताल परगना में भारी बारिश होगी। रांची में अगले 5 दिनों तक आसमान में बादल छाये रहेंगे। गरज के साथ छींटे भी पड़ सकते हैं। 5 और 6 जुलाई को भी रांची में एक-दो बार हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होगी। इधर रांची का उच्चतम तापमान पिछले 24 घंटे के दौरान 1 डिग्री सेंटीग्रेड बढ़कर 34.4 डिग्री सेल्सियस हो गया। यह सामान्य से 3.4 डिग्री सेंटीग्रेड अधिक है।

वज्रपात से दो बच्चों ने दम तोड़ा

कोडरमा। सतगांवा थाना क्षेत्र में रविवार को हुए वज्रपात में दो बच्चों की मौत हो गयी। दो बच्चों सहित चार लोग घायल हो गये। मीरगंज पंचायत के झरगांव में दोपहर बाद करीब तीन बारिश के पूर्व वज्रपात से 2 बच्चों की मौत हो गयी। मृतकों की पहचान थाली थाना क्षेत्र के बुधवारा गांव निवासी फंटूश भुइयां की आठ वर्षीया पुत्री ऋतु कुमारी व झरगांव निवासी कुलेश्वर भुइयां के पांच वर्षीय पुत्र बालवीर कुमार के रूप में हुई है। मृतक ऋतु व गंभीर रूप से घायल सितम सहोदर भाई-बहन हैं।

जेल में ही दिनेश गोप से पूछताछ करेगी इडी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। टेरर फंडिंग मामले में गिरफ्तार पीएलएफआई के सुप्रीमो दिनेश गोप की मुश्किलें अब और बढ़ने वाली है। अभी तक एनआइए दिनेश गोप से पूछताछ कर चुकी है लेकिन अब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इडी भी उनसे पूछताछ करेगी। मिली जानकारी के अनुसार ईडी के अधिकारी बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा में बंद दिनेश गोप से आज पूछताछ होगी। इडी उससे रुपयों के लेनदेन से लेकर नेताओं और पुलिसवालों के उसकी साठगांठ पर भी पूछताछ कर सकती है। इससे पहले इडी दिनेश गोप को विदेशी हथियार बेचने के नाम पर ठगी करने वाले निवेश पूछताछ की जा चुकी है। वह अभी जेल में है।

टेरर फंडिंग, मनी लॉन्ड्रिंग मामला

21 मई को एनआइए ने दबोचा था : टेरर फंडिंग के मामले में एनआईए ने पीएफआई चीफ दिनेश गोप को बीते 21 मई को गिरफ्तार किया था। नेपाल से गिरफ्तार करने के बाद उसे दिल्ली लाया गया था। जहां से एनआईए की टीम उसे दिल्ली से रांच लेकर पहुंची थी।

(शेष पेज 11 पर)

झारखण्ड सरकार GOVERNMENT OF JHARKHAND

झारखण्ड ऊर्जा संचरण निगम लिमिटेड JUSNL JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LIMITED

132/33 के०वी० ग्रिड सब-स्टेशन, जरमुण्डी
एवं
132 के०वी० द्विपथ लिलो संचरण लाइन
का उद्घाटन

ग्रिड की क्षमता 2x50MVA (100MVA)

लाभान्वित क्षेत्र
- बासुकीनाथ तीर्थ स्थल
- तालझारी
- घोरमारा
- जरमुण्डी
- सोनारायथाडी
- मोहनपुर एवं
- दुमका के क्षेत्र

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
श्री बादल पत्रलेख
माननीय मंत्री, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग

सम्मानित अतिथि
श्री शिबू सोरेन, माननीय सांसद (राज्यसभा)
डॉ निशिकांत दुबे, माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा क्षेत्र
श्री सुनील सोरेन, माननीय सांसद, दुमका लोकसभा क्षेत्र
श्रीमती सीता सोरेन, माननीय विधायक, जामा
श्री बसंत सोरेन, माननीय विधायक, दुमका

दिनांक : 03 जुलाई, 2023 | समय : अपराह्न 03:00 बजे
स्थान : ग्रिड सब-स्टेशन, जरमुण्डी, दुमका

PRNO 301198 (Energy) IPRD 23-24

ऊर्जा विभाग, झारखण्ड सरकार

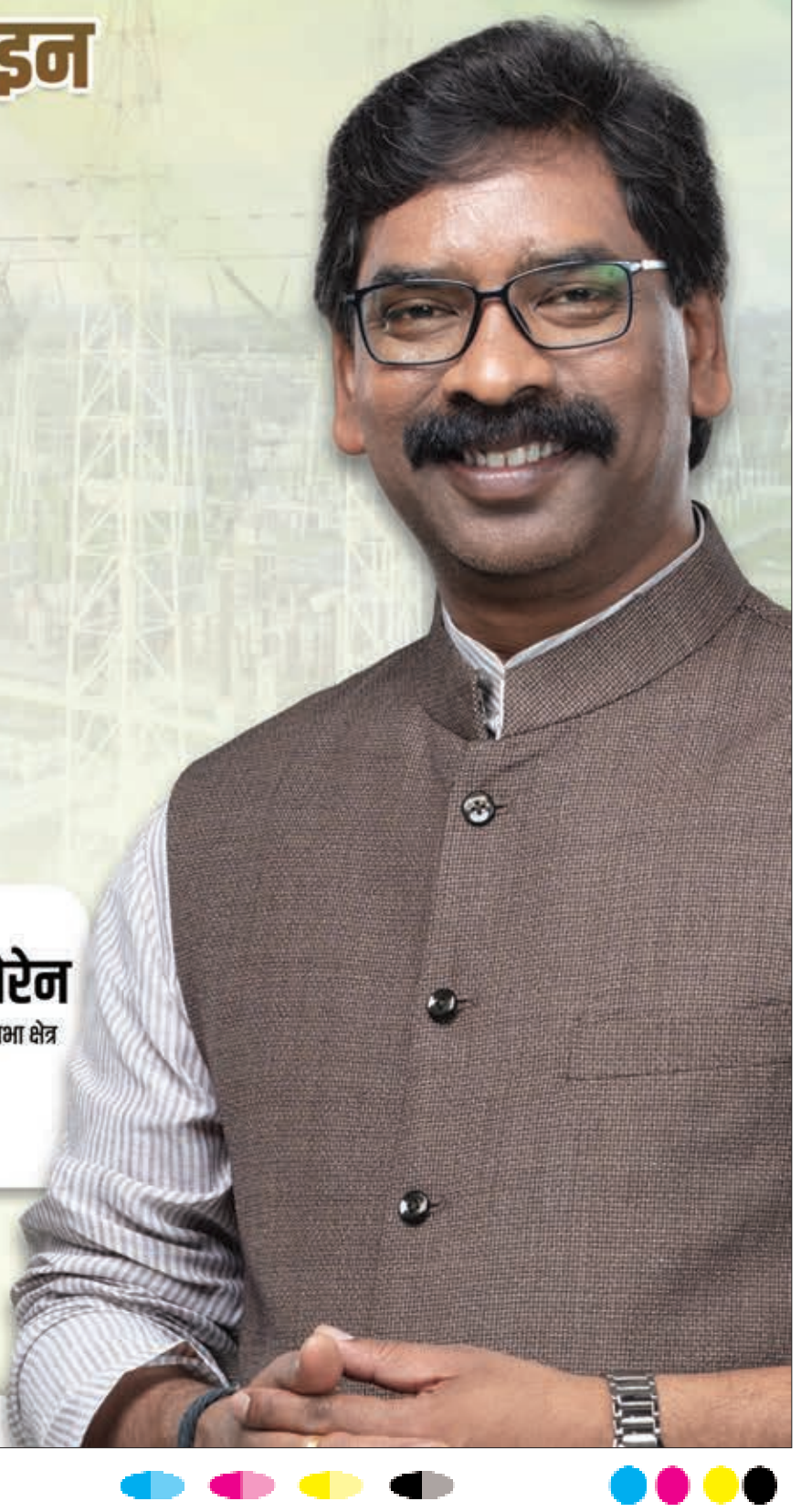

जेलर ने माना- रात के अंधेरे में प्रेम प्रकाश और छवि रंजन को मिलवाया था

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) की पूछताछ में दिन पर दिन नये खुलासे हो रहे हैं। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के जेलर नसीम खान ने ईडी की पूछताछ में कई खुलासे किये हैं। जेलर ने अपनी गलती को स्वीकार किया है। जेलर नसीम खान ने कहा है कि रात के अंधेरे में प्रेम प्रकाश और निलंबित आईएएस छवि रंजन को चोरी छिपे मिलवाया था।

जेल मैन्युअल का उल्लंघन कर दोनों को मिलवाने की गलती को स्वीकार किया है। इसके अलावा जेलर ने ईडी के अधिकारियों को कई जानकारी दी है। निलंबित आईएएस छवि रंजन भूमि घोटाला मामले में पांच मई को होटवार स्थित केंद्रीय कारा भेजे गए थे। उन्हें ईडी ने चार मई की रात पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था। जेल में प्रेम प्रकाश पहले से बंद है। उसे ईडी ने अवैध खनन मामले में जेल भेजा था।

जब छवि रंजन पांच मई की शाम जेल पहुंचे तो जेल प्रशासन से उन्होंने प्रेम

प्रकाश से मुलाकात की इच्छा जताई। इसके बाद जेलर नसीम खान ने ही रात के अंधेरे में प्रेम प्रकाश का सेल खुलवाया, उसके चेहरे पर गमछा

बंधवाया और उसके बाद उसे लेकर छवि रंजन के अपर डिविजन सेल में पहुंचाया। वहां 40 मिनट तक दोनों की बंद कमरे में बातचीत हुई है।

सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध नहीं कराया तो होगी कार्रवाई

बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा के काराधीक्षक हामिद अख्तर को ईडी ने शुक्रवार को पूछताछ के बाद हिदायत के साथ छोड़ा था कि वे पूजा सिंघल की गिरफ्तारी के बाद का सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराएं। काराधीक्षक को नेताओं और नौकरशाहों के करीबी प्रेम प्रकाश की गिरफ्तारी के बाद का भी सीसीटीवी फुटेज देने के लिए कहा गया है। ईडी ने काराधीक्षक को यह हिदायत दी है कि अगर वे सीसीटीवी फुटेज नहीं देते हैं तो उन्हें आरोपितों से मिलीभगत का दोषी माना जाएगा। यह भी माना जाएगा कि उन्होंने जानबूझकर साक्ष्य मिटाया। ईडी उनपर एक सजिश के तहत साक्ष्य मिटाने का आरोपित मानकर उसके अनुसार जेल अधीक्षक के विरुद्ध कार्रवाई करेगी।

खूंटी के अड़की में भाजपा युवा मोर्चा के युवा सम्मेलन में शामिल हुए दीपक

भगवान बिरसा की धरती से राज्य सरकार के खिलाफ हो उलगुलान : दीपक प्रकाश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा की धरती से राज्य सरकार के खिलाफ उलगुलान की जरूरत है। श्री प्रकाश रविवार को खूंटी जिलांतर्गत अड़की प्रखंड के सिंदरी में युवा मोर्चा की ओर से आयोजित सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं के प्रेरणा स्रोत भगवान बिरसा मुंडा की पावन धरती से उगलुगान जरूरी हो गया है। भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी

युवा अवस्था में अन्याय, अत्याचार और शोषण के खिलाफ उलगुलान का बिगुल फूंका था। उन्होंने कहा कि झारखंड की युवा शक्ति गठबंधन सरकार से सबसे ज्यादा शोषित और पीड़ित है। राज्य सरकार ने युवाओं के सपनो को चकनाचूर कर दिया है।

उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष पांच लाख लोगों को नौकरी, नही तो बेरोजगारी भत्ता सब मुंगेरी लाल के हसीन सपने हो गये। यह सरकार केवल झूठे वादे और घोषणाओं से लोगों को बहला रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकास योजनाओं को धरातल पर उतारने की कोशिश कर रही है। गांव, गरीब की योजनाओं को भ्रष्टाचार मुक्त किया गया। आज डिबिटी के माध्यम से पूरे पैसे लाभुक के खाते में जा रहे हैं। इधर, गठबंधन सरकार झारखंड के खान खनिज,जमीन जंगल को लूटने में लगी है। उन्होंने युवाओं से 2024में तीसरी बार मोदी सरकार बनाने का संकल्प दोहराने की अपील की।

आय में हिस्सेदारी नहीं देने वाले मंदिरों के खिलाफ होगी कार्रवाई

राज्य के मंदिरों का ऑडिट करायेगा धार्मिक न्यास बोर्ड : राकेश सिन्हा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के गठन के बाद न्यास बोर्ड अब एक्शन में आ गया है। न्यास बोर्ड ने एलान किया है कि वैसे सभी मंदिर, जो निबंधित होने के बावजूद अपनी आय का 4 प्रतिशत न्यास बोर्ड को जमा नहीं करते हैं उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जायेगी। झारखंड राज्य हिंदू धार्मिक न्यास बोर्ड के सदस्य राकेश सिन्हा ने कहा कि बोर्ड वर्ष 2000 से लेकर अब तक मंदिरों द्वारा किये गये आय-व्यय का ऑडिट करायेगा। उन्होंने कहा कि बोर्ड की ओर से पूर्व में भी राज्य के 667 मंदिरों को नोटिस जारी कर कहा गया था कि जो निबंधित नहीं हैं वे तत्काल निबंधन करा लें लेकिन किसी ने भी निबंधन कराने में रूचि नहीं दिखायी। इसके बाद बोर्ड ने यह निर्णय लिया है।

जिलों में वॉलेंटियर टीम का होगा गठन

प्रत्येक जिले में बोर्ड की ओर से वोलेंटियर टीम का गठन किया जायेगा। यह टीम अपने क्षेत्र में वैसे मंदिरों की सूची तैयार करेगा जो निबंधित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के वैसे 544 मंदिर जिनकी सूची झारखंड राज्य हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के पास है और वह धार्मिक न्यास बोर्ड से निबंधित नहीं है, उन सभी को जल्द से जल्द निबंधन करा लेने का नोटिस भेजा गया है।

667 में 123 मंदिरों का ही निबंधित

धार्मिक न्यास बोर्ड के अनुसार राज्य में 667 मंदिरों की सूची न्यास बोर्ड के पास है। इसमें से सिर्फ 123 मंदिरों का ही निबंधन धार्मिक न्यास बोर्ड से हुआ है. बाकी 544 मंदिर प्रबंधन ने अपने अपने मंदिरों का निबंधन न्यास बोर्ड से नहीं कराया है। इसमें रांची के पहाड़ी मंदिर, देउड़ी मंदिर, मेन रोड स्थित हनुमान मंदिर, साई मंदिर पुंदाग, साई मंदिर लापुंग, भद्रकाली मंदिर चतरा व राधाकृष्ण मंदिर गढ़वा शामिल हैं।

राजनीति में मन नहीं लग रहा तो नीतीश कुमार सन्यास ले लें : बाबूलाल मरांडी

बाबूलाल मरांडी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार को दी सलाह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार पर चुटकी ली है। श्री मरांडी ने कहा कि नीतीश कुमार एक सम्मानीय नेता हैं लेकिन वो भ्रष्ट और परिवारवाद वाले दलों के नेताओं के साथ एकजुट क्यों हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि मन नहीं लग रहा तो नीतीश कुमार राजनीति से सन्यास ले लें।

दरअसल, पिछले दिनों पटना में नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी एकता की कोशिश को लेकर किये जा रहे प्रयासों पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मैं हैरान हूं कि वे भ्रष्टाचारियों को एकत्रित करने में लगे हैं। अगर मन नहीं लग रहा है

तो राजनीति से सन्यास से ले लें। रविवार को दुमका परिसदन में श्री मरांडी पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने पं. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कोई भी चुनाव बिना हिंसा के नहीं हो रहा है। चाहे वह नगर निकाय का चुनाव हो या फिर पंचायत चुनाव। हर जगह स्थिति यह है कि तृणमूल के खिलाफ कैंडिडेट को खड़ा होने नहीं दिया जा रहा है। ममता बनर्जी किस मुंह से पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर विपक्षी दलों की एकजुटता में अपने को शामिल कर रही हैं।

एनोस एक्का झारखंड पार्टी के अध्यक्ष और अशोक भगत चुने गए महासचिव

भाजपा और झामुमो महागठबंधन से जनता का टूट चुका है भरोसा : एनोस

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व मंत्री एनोस एक्का झारखंड पार्टी के दोबारा अध्यक्ष चुने गए हैं। कार्यकारी अध्यक्ष के पद पर पूर्व महाधिवक्ता अजीत कुमार के अलावा पूर्व सांसद चित्रसेन सिंकू, किरण आइंद और रिजवान अहमद को चुना गया है। झापा केंद्रीय समिति का चुनाव रविवार को डिवडीह स्थित बैक्वेट हॉल में किया गया। इसके साथ ही पार्टी का दो दिवसीय केंद्रीय महाधिवेशन संपन्न हो गया।

मौके पर एनोस ने कहा कि भाजपा और झामुमो गठबंधन से जनता का भरोसा टूट चुका है,

इसलिए अब झापा से जुड़े लोग पुराने तेवर और नई सोच के साथ क्षेत्र में जाएंगे और जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे। अशोक भगत ने कहा कि कई राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों के नामी हस्तियों ने झापा का दामन थामा है। अंतिम दिन 21 केंद्रीय समिति का चयन किया गया और 10 नेताओं, बुद्धिजीवियों व सक्रिय सदस्यों का भी मनोनयन सामूहिक निर्णय के आधार पर किया गया।

ये पदाधिकारी भी हुए निर्वाचित

उपाध्यक्ष के पद पर ऐनुल हक अंसारी, अर्पणा हंस, ओमप्रकाश अग्रवाल, महासचिव उमेश कुमार पांडेय, ललित समद, सचिव सह प्रवक्ता अंशु लकड़ा, आनंद पॉल तिर्की, महेंद्र जामुदा, संतोष महतो के अलावा प्रवक्ता के पद पर कुमार कामेश को चुना गया। संगठन सचिव के पद पर रोस प्रतिमा सोरेंग, अतीश सिंह, लेवनार्ड खलखो, शेखावत अंसारी। कार्यकारिणी सदस्य में मनदीप मल्लाह, अधिवक्ता खुर्शीद आलम, गजाधर ओहदार, राजा मदिंलार, भवानी प्रसाद गुप्ता, विष्णु उरांव, राहुल भारती को निर्वाचित किया गया। विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में पूर्व सांसद दुर्गा प्रसाद जामुदा, संदेश एक्का को चुना गया।

खबर एक नजर में

अजय कुमार तिर्की पर होगी कार्रवाई

रांची। पतरातू के अंचल अधिकारी के पद पर रहे अजय कुमार तिर्की पर विभागीय कार्यवाही चलेगी। राज्य सरकार ने उनके उपर लगे एक दर्जन से अधिक आरोपों की जांच के लिए विभागीय कार्यवाही चलाने का फैसला लिया है। रिटायर आईएएस अधिकारी अरविंद कुमार को जांच संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है। उपायुक्त रामगढ़ की अनुशंसा पर राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जांच करायी थी।

पांच जुलाई को राजद का स्थापना दिवस

रांची। राष्ट्रीय जनता दल का 27वां स्थापना दिवस 5 जुलाई को प्रदेश राजद कार्यालय सहित झारखंड के सभी जिला मुख्यालयों में मनाया जाएगा। प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव के निर्देश पर कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि सभी नेता-कार्यकर्ता अपने-अपने जिलों में स्थापना दिवस मनाएंगे।

बिहार सरकार का विरोध क्यों: राजेन्द्र प्रसाद

रांची। मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि आज बिहार सरकार के द्वारा बाहरी अभ्यार्थियों को भी मौका देने की बात कही जा रही है, तो फिर विरोध क्यों? प्रसाद ने कहा यही बात हम झारखंडी कह रहे हैं तो कुछ लोग के पेट में दर्द हो रहा है। प्रसाद ने कहा कि हर राज्यों में अपने मूल निवासियों को तृतीय और चतुर्थ वर्ग की नौकरी शत प्रतिशत मिले यह राज्य सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए। झारखंड में जो लोग स्थानीय नीति और नियोजन नीति का विरोध कर रहे हैं वे वास्तव में अपने मूल राज्यों में भी स्थानीय का लाभ लेना चाहते हैं और झारखंड में भी, जो असंवैधानिक है।

राजद जिला कमिटी के पदाधिकारियों की पहली सूची जारी, 22 नामों का हुआ ऐलान

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड में लालू प्रसाद यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल लगातार संगठन की मजबूती और जनता के बीच मजबूत पकड़ बनाने का प्रयास कर रही है। इसी क्रम में रविवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल की बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र महतो, प्रदेश उपाध्यक्ष अनीता यादव, पूर्व वरीय प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव सहित कई नेताओं ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि माना कि राज्य में लालू यादव की नीति और सिद्धांत को मानने वाले लोगों की बड़ी संख्या होने के बावजूद पार्टी कमजोर हुई है। पार्टी नेताओं ने कहा कि संगठन की मजबूती पार्टी की पहली प्राथमिकता है। जब पार्टी संगठन मजबूत होगा तब हम सब भी मजबूत होंगे। बैठक के बाद जिलाध्यक्ष ने रांची जिला कमिटी के पदाधिकारियों की पहली सूची जारी की, जिन्हें नई जिम्मेदारी मिली है उनका स्वागत किया। जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र महतो ने कहा कि लालू प्रसाद की नीति और सिद्धांतों को घर घर पहुंचाने के लिए 09 जुलाई से प्रखंड स्तरीय दौरा शुरू होगा। उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर रांची जिला के अभी 18 प्रखंडों में प्रखंड अध्यक्षों के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

इन्हें मिली है जिम्मेदारी :

रांची जिला राजद के पदाधिकारियों के मनोनयन की पहली सूची में कई नाम शामिल हैं। इनमें मुख्तार अंसारी, योगेंद्र यादव, निरंजन महतो, रामप्यारे यादव उपाध्यक्ष बनाये गये हैं। वहीं जिला कमेटी का प्रधान महासचिव रामभजन सिंह को बनाया गया है। इसी प्रकार जिला महासचिव की जिम्मेदारी रामापति महतो, सज्जाद अंसारी, रामभगत, सहरीव मिस्तफा को दी गयी है। वहीं जिला सचिव की जिम्मेदारी उदय ठाकुर, अजय कुमार महतो, पप्पू पासवान, अंजनी कुमार सिंह को मिली है। चंचल कुमार सोशल मीडिया प्रभारी बनाये गये हैं। इसके अलावा जिला कार्यसमिति सदस्यों में रमेश कुमार यादव, विद्या विनोद सिंह, नवीन कुमार यादव, संजीव कुमार महतो, सुनील कुमार यादव, हरेंद्र कुमार और मनोज पंजारी शामिल हैं।

लालू प्रसाद की नीति सिद्धांत को घर-घर पहुंचाना है है उद्देश्य : अनिता यादव

झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष अनिता यादव ने कहा कि आज जिन लोगों को रांची जिला राष्ट्रीय जनता दल के पदाधिकारी के रूप में जिम्मेदारी दी गयी है वह काफी अहम है। उन्होंने कहा कि यह सही है कि रांची जिले में पार्टी संगठन कमजोर हुई है। लेकिन आने वाले दिनों में राष्ट्रीय जनता दल एक मजबूत संगठन वाला दल बनेगा। आज राजद और उनके नेताओं की भूमिका बढ़ी है। पहले हम सामंती लोगों से लड़ते थे। आज हमें देश की एकता और अखंडता को बनाये रखने के लिए राजद के हर कार्यकर्ता को तैयार रहना होगा। अनिता यादव ने कहा कि हमें लालू प्रसाद के नीति और सिद्धांत को लेकर हर घर पहुंचाना है।

अन्याय देख चुप नहीं बैठें राजद कार्यकर्ता : राजेश यादव

पूर्व झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश यादव ने नव मनोनीत पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि बड़ी जिम्मेदारी के साथ जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र महतो के साथ मिलकर निभानी है क्योंकि आज हमारे सामने चुनौती काफी बड़ी है। राजेश यादव ने कहा कि जब 09 जुलाई से प्रखंड स्तर पर कार्यक्रम शुरू होगा, तब सभी को मिलकर ब्लॉक लेवल तक पार्टी को मजबूत करना होगा। उन्होंने कहा कि जब दल मजबूत होता है तो कार्यकर्ता-पदाधिकारी भी मजबूत होता है। उन्होंने नव मनोनीत पदाधिकारियों से कहा कि जहां भी किसी के साथ अन्याय हो रहा हो वहां राजद की आवाज पीड़ित परिवार के पक्ष में बुलंद होना चाहिए।

प्रभारियों से समन्वय बनाकर बूथ तक की कमेटी का सत्यापन करें : राजेश

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। संगठन शक्तिकरण अभियान के तहत प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने रविवार को जिला अध्यक्षों, महासचिव, प्रभारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। इसमें प्रखंड, पंचायत और बूथ स्तर की गठित कमेटी की समीक्षा की गयी। सभी महासचिव प्रभारियों एवं जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया कि प्रखंड अध्यक्षों एवं विधानसभा प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पंचायत एवं बूथ स्तर तक की कमेटी का सत्यापन करें। क्योंकि पंचायत एवं बूथ कमेटी के जरिये हम आने वाले लोकसभा के चुनावों में मजबूती के साथ चुनाव लड़ने का काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई, लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश है। देश में बढ़ती नफरत के वातावरण को हम तभी खत्म कर सकते हैं, जब हम बूथ स्तर के एक-एक व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे। बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, शहजादा अनवर, अमूल्य नीरज खलखो, गजेंद्र सिंह, कुमार राजा, राकेश किरण महतो,आनंद बिहारी दुबे, जयेश पाठक, भागीरथ पासवान, दिनेश गुप्ता, सुरेश बैठा, विनय सिन्हा दीपू , मुन्ना पासवान, संतोष सिंह , विजय खान आदि उपस्थित थे।

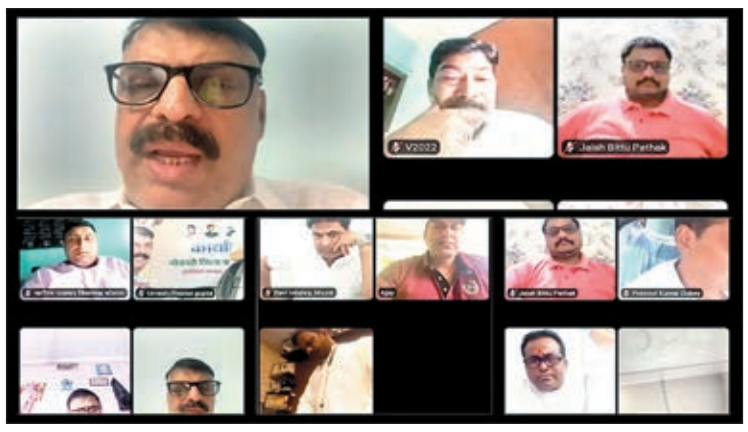

स्व. जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी के मंत्री बनने से सत्ताधारी दल को उपचुनाव में मिल सकती है बढ़त

हेमंत सोरेन ने बेबी देवी के बहाने चली शतरंजी घोड़े की चाल

उदय चौहान

रांची। सत्ता में शतरंज की चाल का बड़ा महत्व है। इस बार सीएम हेमंत सोरेन ने बेबी देवी के बहाने शतरंजी घोड़े की चाल चल दी है। इसका असर डुमरी उपचुनाव में होना तय है। दरअसल, दिवंगत शिक्षा मंत्री जगरन्नाथ महतो की बेवा को मंत्री बनाने से क्षेत्र में झामुमो को सहानुभूति की लहर पर सवार किया जा सकेगा। सीएम के इस बड़े दांव से विपक्षी दल बेचैन हो गये हैं। 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद दूसरी बार ऐसा होने जा रहा है, जब किसी ऐसे शख्स को मंत्री बनाया जा रहा है, जिसने विधानसभा चुनाव नहीं जीता है। इससे पहले मंत्री हाजी हुसैन अंसारी के निधन पर उनके पुत्र हफीजुल हसन को चुनाव से पहले ही मंत्री बना दिया गया था। हालांकि डुमरी में जगरनाथ महतो का लंबे समय से दबदबा रहा है। इसके बावजूद उनकी पत्नी को चुनाव की तारीख के ऐलान के पहले ही कैबिनेट में शामिल कर हेमंत सोरेन ने राजनीति का मास्टर स्ट्रोक ठोंक दिया है।

सीएम की बेबी देवी को मंत्री बनाने की घोषणा के बाद से ही बोकारो में उनके समर्थकों में उत्साह नजर आ रहा है। वहीं, मंत्री बनाने की घोषणा पर बेबी देवी ने कहा है कि वो अपने पति जगरनाथ महतो के अधूरे सपने को पूरा करेंगी। कहा जाता है कि जगरनाथ महतो के निधन के दो महीने बीत जाने के बाद भी राज्य सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिये जाने से समर्थकों के बीच निराशा व्याप्त थी। लेकिन, डुमरी के लोग और जगरनाथ महतो के समर्थकों को उम्मीद थी कि उनके पुत्र या पत्नी को मंत्रिमंडल में स्थान मिलेगा। आखिरकार सीएम ने बेबी देवी को मंत्री बनाने की घोषणा कर दी है।

डुमरी विधानसभा उपचुनाव में झामुमो को मिल सकता है लाभ

कई तरह की अटकलों पर विराम लगाते हुये अंततः राज्य के भूतपूर्व शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी को मंत्री बनाने की घोषणा हो गई है। वह हेमंत सरकार में 11वीं मंत्री होंगी। वहीं कुर्मी (महतो) जाति से वो राज्य की पहली महिला मंत्री बनेंगी। सूत्रों के अनुसार जगरनाथ महतो के निधन के बाद से ही उनकी पत्नी या पुत्र को मंत्री पद मिलने को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। मंत्री रहे स्वर्गीय मंत्री हाजी हुसैन अंसारी के निधन के बाद उनके पुत्र हफीजुल हसन अंसारी को मंत्री पद मिलने के बाद लोग सरकार से इसी प्रकार की उम्मीद कर रहे थे। इधर, झामुमो ने डुमरी विधानसभा उपचुनाव की तैयारी भी शुरू कर दी है। चर्चा है कि डुमरी उपचुनाव में विपक्षी राजग को चित करने के लिये सत्ताधारी गठबंधन ने अग्रिम चाल चल दी है। इससे विपक्षी भाजपा-आजसू में खदबदाहट बढ़ गयी है। बेबी देवी को मंत्री बनाने की घोषणा के बाद आजसू के खेमे में बेचैनी बढ़ने की चर्चा है। जो हो! सीएम हेमंत सोरेन के इस चाल से सत्ता के शतरंज में रोमांचक मोड़ आ चुका है।

नामधारी की आत्मकथा एक सिख नेता की दास्तान का लोकार्पण बुधवार को

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। पंद्रहवीं लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर एवं बिहार के पूर्व मंत्री तथा झारखंड विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष सरदार इंदर सिंह नामधारी की आत्मकथा एक सिख नेता की दास्तान का लोकार्पण झारखंड की पावन धरती एवं देश की आर्थिक संप्रभुता की पहचान जमशेदपुर के स्वर्गीय मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल सभागार में बुधवार 5 जुलाई शाम चार बजे होगा। इसका लोकार्पण देश के राजनीतिक समीक्षक एवं चिंतक तथा राज्यसभा उपाध्यक्ष मुख्य अतिथि श्री हरिवंश करेंगे। इसकी अध्यक्षता सुचिता के पर्याय झारखंड के पूर्व मंत्री एवं जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा के माननीय सदस्य सरयू राय एवं समीक्षा बहरागोड़ा विधानसभा के पूर्व विधायक श्री कुणाल षाड़ंगी करेंगे। इस मौके पर समाज के लिए प्रभावशाली भूमिका निभाने वाले गणमान्य लोगों को सम्मानित किया जाएगा।

इस पुस्तक में भारत की प्राचीन विरासत वसुधैव कुटुंबकम एवं विभिन्नता में एकता की खूबियों का बखान है। वहीं देश के बहुसंख्यक वर्ग की दरियादिली का भी जिक्र है कि कैसे इस देश में 2 प्रतिशत

पुस्तक विमोचन समारोह की जानकारी देते गुरदीप सिंह पप्पू व अन्य सिख नेतागण।

आबादी के सिख पर भरोसा ही नहीं करते वरन उसे अपना प्रतिनिधित्व की महती जिम्मेदारी भी देते हैं। इस आत्मकथा में देश के बंटवारे की त्रासदी का दर्द है तो संयुक्त बिहार डालटेनगंज की दरियादिली और स्थापित होने के संघर्ष की साझेदारी है। जिसे नामधारी परिवार ने कर्मभूमि बनाया और उसने इन्हें बिहार झारखंड राज्य में प्रतिनिधित्व का मौका दिया और उन्होंने मंत्री तथा कालांतर में झारखंड विधानसभा का प्रथम स्पीकर पद को सुशोभित किया। चतरा लोकसभा क्षेत्र से वे 2009 में 15वीं लोकसभा के लिए चुने गए और प्रोटेम स्पीकर बने। बेबाक, ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ स्टेट्समैन की छवि रखने वाले इंदर सिंह नामधारी को उनकी पत्रकार बेटी ने आत्मकथा लिखने को प्रेरित किया और इसका शीर्षक उन्होंने गुरुवार रविंद्र नाथ टैगोर की पंक्ति, अकेला चलो रे रखा। परंतु वाणी प्रकाशन ने भारत के जीवन दर्शन को आधार बनाते हुए शीर्षक बदलकर एक सिख नेता की दास्तान रख दिया। इंदर सिंह नामधारी ने जमशेदजी टाटा द्वारा स्थापित जमशेदपुर जो देश के औद्योगिक नींव और आर्थिक संप्रभुता की पर्याय है। वे इसे भी अपनी कर्मभूमि बनाना चाहते थे और इससे उन्हें काफी लगाव है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने अपनी आत्मकथा का विमोचन लौहनगरी में करने का फैसला किया। उक्त जानकारी देते हुए महिवाल ट्रेवल्स के एमडी गुरदीप सिंह पप्पू, होटल क्रूज के एमडी हरजीत सिंह बिट्टू, ट्रक ट्रेलर एसोसिएशन के अध्यक्ष जसवीर सिंह छीरे, रामगढ़िया सभा के इंद्रपाल सिंह, जसवीर सिंह सोनी ने संयुक्त रूप से इस लोकार्पण समारोह में शहरवासियों से अपील की है। पप्पू के अनुसार बस्ती लीज प्रकरण और उनके इस्तीफा से संबंधित विभिन्न पहलू भी इस मौके पर उजागर होंगे।

एक नजर में

नयी जिंदगी की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में विधायक भी शामिल

रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते विधायक मंगल।

जमशेदपुर। जुगसलाई विधानसभा जमशेदपुर प्रखंड उत्तरी सरजमदा पंचायत अंतर्गत ड्रीमलैंड बाल निकेतन विद्यालय, जानेगोड़ा में वीर-बांटा सिदो-कान्हु हुल दिवस के अवसर पर नई ज़िन्दगी परिवार सरजमदा द्वारा एक दिवसीय महारक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए। झारखण्ड विधानसभा सत्तारूढ़ दल के सचेतक सह जुगसलाई विधायक मंगल कालिन्दी ने रक्तदाताओं को प्रोत्साहित किए और उन्हें प्रमाण पत्र प्रदान किए। मौके पर विधायक ने कहा कि लोगों के हित में रक्त दान करना पुण्य का काम है।

ओबीसी समुदाय को जाति प्रमाण पत्र बनाने में हो रही दिक्कतों को लेकर दिया मांग पत्र

मंत्री बन्ना गुप्ता को मांग पत्र सौंपते वरिष्ठ कांग्रेसी रामाश्रय प्रसाद।

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। रविवार को झारखंड ओबीसी एकता महासभा के अध्यक्ष माननीय रामाश्रय प्रसाद जी की अगुवाई में कोल्हान प्रमंडल के प्रतिनिधि मंडल झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के कार्यालय में जाकर जिसमें ओबीसी की समस्या के संबंधित मांग पत्र समर्पित किया जिसमें नियम के तहत जो सुविधाएं सरकार द्वारा उन्हें मिलनी चाहिए वह नहीं मिल पा रही है जैसे जाति प्रमाण पत्र बनाना आवासीय प्रमाण पत्र बनाना राज्य की सरकारी नौकरियों में 27% आरक्षण प्राइवेट कंपनियों में 27% आरक्षण पंचायत चुनाव एवं नगर निगम चुनाव में भी ओबीसी वर्ग के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण प्राइवेट विद्यालयों में बच्चों को नामांकन में प्राथमिकता दी जाए।

ग्रामीण युवाओं को तकनीकी शिक्षा देने से बढ़ेगी गांवों की समृद्धि : डा अमर चौधरी

नारायण आइटीआई में आधुनिक भारत के निर्माण में ग्रामीण नागरिकों की भूमिका पर सेमिनार संपन्न

खबर मन्त्र ब्यूरो

चांडिल। चांडिल के लुपुंगड़ीह स्थित नारायण आई टी आई संस्थान में व्यवसायिक शिक्षा के तहत आधुनिक भारत के निर्माण में ग्रामीण की भुमिका पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिसमे मुख्य अतिथि के रूप झारखंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के कुलसचिव डॉ अमर कुमार चौधरी उपस्थित थे। कुलसचिव डॉ अमर कुमार चौधरी ने कहा कि झारखंड राज्य खनिज से भरा हुआ है लेकिन झारखंड वासी एक चौथाई लोग आज भी गरीब हैं। उन्होंने कहा देश का 70 फीसदी आबादी गांव में निवास करते है। जब तक गांव का विकास नहीं होगा देश का विकास संभव नहीं है। इसका मुख्य कारण शिक्षा की कमी है। लोगों में मानवता और त्याग की भावना होनी चाहिए। कुलसचिव ने कहा इस सत्र से नारायण आई टी आई में सेफ्टी मैनेजमेंट के कोर्स में नामांकन चालु हो जाएगा। नारायण आई टी आई संस्थान के अध्यक्ष डॉ जटाशंकर पांडेय ने कहा कि गांव के परिवेश

डा अमर चौधरी का अभिनंदन करते डा जटाशंकर पांडेय।

में स्कील ,व्यवसायिक शिक्षा की पहल की गई। गांव के बच्चे को तकनीकी शिक्षा देकर बच्चों को विकास के मुख्य घारा में जोड़ने का प्रयास है। उन्होंने कहा गांव के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। इस मौके पर टाटा स्टील के सेफ्टी मैनेजमेंट विमल ओझा, अमित कुमार ठाकुर, एडवोकेट निखिल कुमार, सुदधिषट कुमार, पवन महतो, निखिल महतो, भोलानाथ सिंह सरदार, दुर्गा चरण गोप, धर्मु गोप, लक्ष्मण गोप, विश्वनाथ मंडल, अर्जुन सिंह सरदार, फणि भषूण सिंह सरदार, पंचायत समिति शम्भू नाथ सिंह सरदार सहित कई लोग उपस्थित थे।

डा एम एस सिंह मानस भारतीय तरुण संघ के निर्विरोध अध्यक्ष बनाए गए

जमशेदपुर। भारतीय तरुण संघ, कदमा, जमशेदपुर के द्वारा वरिष्ठ शिक्षाविद और समाजसेवी डा एम एस सिंह मानस को संघ का निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया है। भारतीय तरुण संघ के न्यासी मंडल, संरक्षक मंडल और कार्यकारिणी समिति के द्वारा डा मानस को सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। गत शनिवार को संघ के महामंत्री के पी सिंह और सचिव अजीत कुमार सिंह की उपस्थिति में डा मानस ने भारतीय तरूण संघ में अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया । भारतीय तरुण की स्थापना लगभग चार दशक पहले तत्कालीन शिक्षाविद स्व शिवाजी सिंह, डा बच्चन पाठक सलिल और अन्य ने मिलकर शैक्षणिक विकास के लिए की थी। बॉटनी में एमएससी, पर्सनल में एमबीए और इंडस्ट्रियल रिलेशंस विषय में पीएचडी की योग्यता रखने वाले डा एम एस सिंह मानस टाटा स्टील की टाटा वर्कर्स यूनियन के माइकल जॉन रिसर्च सेंटर में फैकल्टी हैं तथा कई डीम्ड यूनिवर्सिटी में भी गेस्ट प्रोफेसर के रुप में अपनी सेवाएं देते रहे हैं। टाटा स्टील और यहां के श्रम आंदोलन के इतिहास पर पांच पुस्तकें लिख चुके हैं।

विश्व पटल पर बढ़ी है भारत की प्रतिष्ठा : रघुवर

अपने सेवा क्षेत्र के बुर्जुगों से मिल कर खुशी व्यक्त करते पूर्व सीएम रघुवर दास।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पुर्वी विधानसभा के बमार्माइंस, टेल्को एवं बारीडीह मंडल में महा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। रविवार को बमार्माइंस मंडल अध्यक्ष दीपक झा, टेल्को मंडल अध्यक्ष हेमंत सिंह, बारीडीह मंडल अध्यक्ष संतोष ठाकुर एवं सीतारामडेरा मंडल अध्यक्ष सुरेश शर्मा के नेतृत्व में चलाए गए विशेष जन संपर्क अभियान में भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास, भाजपा जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष गुंजन यादव समेत बूथों के अध्यक्षगण एवं बड़ी संख्या में स्थानीय भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। इस दौरान बमार्माइंस मंडल अंतर्गत जेम्को में क्वार्टर क्षेत्र, मिश्रा बागान, टेल्को मंडल अंतर्गत कृष्णा नगर, जोजोबेड़ा, बारीडीह मंडल अंतर्गत बारीडीह बस्ती, प्रगति नगर, शक्ति नगर, शांति नगर, भोजपुर कॉलोनी, फ्रेंड्स कॉलोनी एवं सीतारामडेरा मंडल अंतर्गत ईस्ट बंगाल कॉलोनी व अन्य क्षेत्रों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जाकर केंद्र की मोदी सरकार की प्रमुख उपलब्धियों एवं योजनाओं की जानकारी दी। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कार्यकर्ताओं के संग स्थानीय निवासियों एवं दुकानदारों से मुलाकात कर उनका कुशल क्षेम जाना। वहीं, उन्होंने केंद्र की मोदी सरकार के नौ साल की जनहितैषी योजनाओं से से संबंधित पत्रकों का वितरण कर केंद्र सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा कर आगामी लोकसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी एवं भाजपा सरकार को समर्थन देने की अपील की।

टाटा मेन हॉस्पिटल में डॉक्टर्स डे मना

मुख्य अतिथि चाणक्य चौधरी डॉक्टर्स डे पर केक काटते हुए। साथ में मेडिकल सर्विसेज के जीएम डा सुधीर राय व अन्य।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा मेन हॉस्पिटल में डॉक्टरों के योगदान का सम्मान करते हुए, टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) के सभागार में डॉक्टर्स डे पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर चाणक्य चौधरी, वाईस प्रेसिडेंट, (कॉर्पोरेट सर्विसेज) टाटा स्टील मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुधीर राय, जेनरल मैनेजर (मेडिकल सर्विसेज), टाटा मेन हॉस्पिटल, जमशेदपुर के साथ उपस्थित थे। शाम की शुरूआत केक कटिंग समारोह के साथ हुई और उसके बाद टीएमएच में डॉक्टरों की जर्नी पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद एक लाइव ऑन द स्पॉट क्विज प्रतियोगिता हुई। पूरे सत्र के दौरान सभी रॉ मटेरियल (आरएम) डिवीजन के डॉक्टर जुड़े हुए थे। जमशेदपुर और आरएम डिवीजन के 300 से अधिक डॉक्टर प्रत्यक्ष और वर्चुअल रूप से लाइव वेबकास्ट के माध्यम से जुड़े हुए थे। टाटा मेन हॉस्पिटल के डॉक्टरों, नर्सों और कार्यरत कर्मचारियों ने अस्पताल के कचरे से निर्मित कलाकृति की एक प्रदर्शनी भी लगाई।

अपशिष्ट प्रबंधन और जीवन जीने के सस्टेनेबल तरीके पर जागरूकता बढ़ाने के लिए पोस्टर और स्लोगन भी बनाए गए। टीएमएच के सभी विभागों ने डॉक्टर्स डे पर एक अनोखी प्रदर्शनी में अपनी रचनाएँ प्रदर्शित कीं। विभिन्न प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को टाटा स्टील के वाईस प्रेसिडेंट (कॉर्पोरेट सर्विसेज) चाणक्य चौधरी, टाटा मेन हॉस्पिटल के जीएम (मेडिकल सर्विसेज) डॉ. सुधीर राय और चीफ ह्यूमन रिसोर्स बिजनेस पार्टनर (कॉर्पोरेट फंक्शन्स) दीपा वर्मा, टाटा स्टील के साथ पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन पामेला केरकेट्टा, सीनियर मैनेजर, एचआरबीपी (कॉर्पोरेट फंक्शन), मेडिकल सर्विसेज, टाटा मेन हॉस्पीटल द्वारा दिया गया।

मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में सम्मानित किए गए डा जुझार मांझी और डा सुनील कुमार

जमशेदपुर। हर योद्धा के पास कवच और तलवार नहीं होती। कुछ के पास सफेद कोट और स्टेथोस्कोप है..! जैसा कि सही कहा गया है,चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान, मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज ने 01 जुलाई, 2023 को खुशी-खुशी डॉक्टर दिवस मनाया। यह दिन डक्टरों के निस्वार्थ प्रयासों और स्वास्थ्य सेवा उद्योग में उनके महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने और उनकी सराहना करने के लिए समर्पित था।

डॉक्टर्स डे पर रोटरी दलमा ने स्कूलों में लगाये पौधे

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। डॉक्टर डे के उपलक्ष में रोटरी ग्रुप ऑफ जमशेदपुर दलमा की ओर से कई चिकित्सकों को सम्मानित किया गया। तत्पश्चात सीतारामडेरा स्थित आदिवासी प्लस टू हाई स्कूल में टाटा स्टील फाउंडेशन की टीम ने चिकित्सक व उनकी टीम के सहयोग से बच्चों को सी पी आर ट्रेनिंग दी। करीब 95 बच्चों ने ट्रेनिंग का लाभ उठाया। इस अवसर पर असिस्टेंट गवर्नर हेतल मौजूद थीं। इस क्रम में रोटरी दलमा के सदस्यों ने खुकराडीह स्कूल में भी पौधारोपण किया। मौके पर क्लब की अध्यक्ष सास्वती घोष, सचिव मनीष कुमार चौधरी, रूपसा दास, दिलीप घोष, शुभेंदु चक्रवर्ती, क्लब के सर्विस

प्रोजेक्ट्स हेड वी मुरली मनोहर एवं संयुक्त सचिव सुचिस्मिता चक्रवर्ती आदि उपस्थित थीं। स्कूल के प्रिंसिपल एवं शिक्षकों ने भी इस अवसर पर उपस्थित होकर ट्रेनिंग का लाभ उठाया।

गुडरुबासा आदिवासी जाहेरा पूजा स्थल का बोर्ड लगाया

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। अपनी आदिम सभ्यता और संस्कृति के संरक्षण एवं मजबूती को लेकरआज दिनांक 2 जुलाई 2023 दिन रविवार को, आदिवासी हो समाज - ग्राम सभा गुडरूबासा के तत्वाधान में वर्षों पुरानी आदिवासियों के पवित्र पूजा स्थल परिसर में पहुंचकर, आदिवासी हो समाज के पुजारी (दियूरी) रेंगों सुंडी और सदस्य संजय समद के नेतृत्व में पारंपरिक पूजा स्थल के संरक्षण और पहचान हेतु *आदिवासी जाहेरा पूजा स्थल* का *बोर्ड* लगाया गया और ग्राम वासियों को उसकी महत्ता के बारे में शिक्षित करते हुए जागरूक किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने हेतु हमारे युवाओं को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिक्षित एवं जागरूक हो कर आगे आना होगा ताकि आने वाली पीढ़ी को हमारी पुरानी सभ्यता संस्कृति की सही जानकारी मिल सके।

52 लोगों को नेत्रदान के लिए सहमत किया गया

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। अध्यक्ष आरटीआर अमित कुमार के नेतृत्व में और आरटीआर शेखर कुमार की पहल पर रोटेटैक्ट क्लब ऑफ स्टील सिटी ने रोटा वर्ष 2022-24 के अंतिम दिन को नेत्र प्रतिज्ञा दान अभियान के साथ मनाया, जहां जमशेदपुर के 52 निवासियों ने अपने आनंदमय जीवन के पूरा होने के बाद अपनी आंखें दान करने का संकल्प लिया। क्लब मॉडरेटर आरटीएन सिमरन सग्गू के साथ-साथ वर्तमान अध्यक्ष आरटीआर अमित कुमार, क्लब ट्रेनर आरटीआर रिशु रंजन, सचिव-चुनाव प्रथमा बोस, आरटीआर लक्ष्मी कुमारी के पूरे परिवार ने उनके आनंदमय जीवन के पूरा होने के बाद नेत्रदान करने का संकल्प लिया। मोची बस्ती, बारीडीह के 30 लोगों ने भी अपने आनंदमय जीवन की समाप्ति के बाद नेत्रदान करने का संकल्प लिया। इस अभियान का पूरा उद्देश्य अंग दान, विशेषकर आंख दान के बारे में जागरूकता बढ़ाना था क्योंकि भारत को अक्सर अंधी राजधानी भी कहा जाता है। और ये स्वस्थ आंख दो लोगों को रोशनी दे सकती है. रोटारैक्ट क्लब ऑफ स्टील सिटी के सिग्नेचर प्रोजेक्ट जीवनदान की यह पहल अंग दान पर केंद्रित है और अब तीन वर्षों में 200 से अधिक लोग अपनी आंखें दान कर चुके हैं। इस नेत्रदान अभियान में 18 वर्ष की युवा लड़की से लेकर *गुरुमा मुंडा, जिनकी उम्र 90 वर्ष* तक थी, ने अपनी आंखें दान करने का संकल्प लिया और इसे एक सफल दान अभियान बनाया।

केंद्र सरकार की जन विरोधी नीतियों के विरुद्ध श्रम संगठनों का संयुक्त कार्यक्रम का आह्वान

श्रमिकों के कोल्हान स्तरीय कन्वेंशन संबंधित

ट्रेड यूनियनों की संयुक्त बैठक में उपस्थित राकेश्वर पांडेय व अन्य मजदूर नेता।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। केंद्र सरकार की जनविरोधी राष्ट्रविरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूर वर्ग के राष्ट्रव्यापी अभियान के क्रम में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कन्वेंशन के बाद आज 02 जुलाई-2023 को, टिनप्लेट वर्कर्स यूनियन गोलमुरी सभागार में , श्रम संगठनों का कोल्हान स्तरीय संयुक्त कन्वेंशन का आयोजन किया गया , जिसमें इंटक, एटक, सीटू, ऐक्टू, एचएमएस, एआईयूटीयूसी आदि केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के साथ - साथ अराजपत्रित कर्मचारी, बैंक, बीमा, डाक, बीएसएनएल, सेल्स प्रमोशन, डीवीसी और रेलवे कर्मचारियों के फेडरेशनों एवं झारखंड वर्कर्स यूनियन के कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। झारखंड इंटक के अध्यक्ष राकेश्वर पांडेय , सीटू के के के त्रिपाठी एवं एटक के कॉ0 बी एन सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित आज की कन्वेंशन में रखा गया घोषणा पत्र में बताया गया कि, आज जनता के साथ-साथ हमारे देश की स्थिति चिंताजनक ही नहीं बल्कि संकटग्रस्त बना हुआ है और इसके लिए केंद्र सरकार की मौजूदा नीतियां ही जिम्मेदार है ; जो न केवल मजदूर विरोधी किसान विरोधी और जनविरोधी हैं, बल्कि राष्ट्रविरोधी भी हैं। ये नीतियां न केवल हमारी राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था बल्कि, हमारे देश की एकता और अखंडता के लिए भी विनाशकारी साबित हुई है। घोषणापत्र का समर्थन में, वक्ताओं ने गहरा असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अभूतपूर्व बेरोजगारी के साथ- साथ रोजगार की स्थिति और गुणवत्ता में लगातार गिरावट , महंगाई पर काबू पाने में विफलता, मौजूदा श्रम कानूनों का घोर उल्लंघन, कॉरपोरेट हित में नया कानून बनाने की प्रक्रिया , सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में लगातार कटौती आदि के कारण आम जनजीवन गहरे संकट में है। वक्ताओं ने अति अमीरों और कॉरपोरेटों को लाभ पहुंचाने की उन नीतियों पर भी रोष व्यक्त किया जो राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के मौजूदा संकट को और गहरा कर रही हैं, जिसमें राष्ट्रीय संपत्तियों और उद्यमों का निजीकरण, कॉरपोरेट्स को छूट और राहतें शामिल हैं। एक तरफ कारपोरेट और अति अमीरों के पक्ष में नीतियां लगातार बदली जा रही हैं, तो दूसरी तरफ आय की बढ़ती असमानता, भोजन, दवाओं पर जीएसटी लगाना, पेट्रोलियम उत्पादों पर उच्च उत्पाद शुल्क, स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणाली के निजीकरण ने सत्तारूढ़ दल के जनविरोधी चरित्र को उजागर किया है।घोषणा पत्र में यह उल्लेख किया गया कि, इन तमाम विनाशकारी नीतियों को लागू करने के क्रम में संवैधानिक और लोकतांत्रिक मानदंडों का उल्लंघन या उन्हें कमजोर किया जा रहा है; जनवादी आन्दोलनों को कमजोर करने की मंशा से नफरत की राजनीति एवं बहुसंख्यक सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के तहत विभाजनकारी नीति अपनाया जा रहा है तथा विरोध की आवाजों का गला घोंटने के लिए कानूनी और प्रशासनिक उपायों का इस्तेमाल सत्तावादी शासन शैली में किया जा रहा है।

झामुमो ने धूमधाम से मनाया हुल माहा

खबर मन्त्र संवाददाता

जमशेदपुर। गत 30 जून 2023 को झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला समिति पुर्वी सिंहभूम के द्वारा जिला सम्पर्क कार्यालय में 30 जून हुल माहा बड़े धूमधाम से मनाया गया सबसे पहले उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया और दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष सागेन पूर्ति ने कहा कि सिदो कान्हु ने अंग्रेजों से लोहा लेने का काम किया जिसके चलते संताल परगना कस्तकारी अधिनियम बना जो आदिवासीयों की जमीन को गैर आदिवासी नहीं ले सकते हैं।

स्पीड न्यूज

मालगाड़ी की चपेट में आने से एक महिला की मौत

हुसैनाबाद पलामू। डीडीयू रेल के जपला सोन नगर रेलखंड के कजरात नावाडीह रेलवे स्टेशन के पोल नंबर 327/25के समीप मालगाड़ी की चपेट मे आने से महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचाना हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के अलीनगर गांव निवासी नंदलाल राम की 35वर्षीय पत्नी सुनीता देवी के रूप में की गई है। यह घटना रविवार दोपहर 12बजे की बताई जाती है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि महिला अपने पूत्र के साथ बाइक से उतर कर रेलवे क्रॉसिंग पार कर रही थी, इसी बीच अचानक डाउन लाइन में मालगाड़ी की चपेट में आ गई और उसकी मौत घटनास्थल पर ही हो गई। इसकी सूचना जीआरपी सोन नगर को दी गई। पुलिस उक्त स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिय अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया है।

डीलर पर लगाया गया आरोप निराधार

पाटन पलामू। पाटन प्रखंड के सगुनी के पीडीएसस डीलर मानती कुंवर एवं लाभुकों ने सगुना पंचायत के मुखिया मंजु देवी द्वारा डीलर पर लगाया गया आरोप को निराधार एवं आपसी द्वेष का मामला बताया है। सगुनी के पीडीस डीलर मानती कुंवर ने बताया कि मुखिया मंजू देवी द्वारा लगाये गये आरोप में कोई सच्चाई नहीं है । उन्होंने कहा कि लाभुकों को मेरे द्वारा हर माह समय पर निर्धारित मात्रा में राशन का वितरण किया जाता है। लाभुकों के द्वारा डीलर के प्रति कोई शिकवा शिकायत नहीं है । मुखिया मंजु देवी के द्वारा अपने स्वार्थ के लिए यह आरोप लगाया गया है। जो सत्य से परे है।

पलामू में जिला भू अर्जन पदाधिकारी शैलश का कार्यकाल स्वर्णिम : रुद्र शुक्ला

मेदिनीनगर। पलामू जिला में पदस्थापित जिला भू अर्जन पदाधिकारी सह एनडीसी पलामू के पद पर पदास्थापित शैलश कुमार सिंह का स्थानांतरण देवघर जिला में किया गया है। पूर्व विधायक प्रत्याशी पांकी विधानसभा प्रदेश कोऑर्डिनेटर प्रोफेशनल विंग कांग्रेस रूद्र शुक्ला ने शैलेश से मुलाकात कर उन्हें शॉल व पुष्पगुच्छ सम्मानित किया। मौके पर श्री शुक्ला ने कहा कि जिले में शैलेश बेहतर कार्य के लिए सदैव याद किये जाते रहेंगे। कोरोना काल में भी इन्होंने जो कार्य किया वह काबिले तारीफ है। इनके कार्यकाल में आम जनता बड़ी सुलभता के साथ अपनी बातों को रखते थे और इन के माध्यम से उन कार्य का निवारण होता था।

हुसैनाबाद में अज्ञात टेंपो के धक्के से युवती घायल

हुसैनाबाद पलामू। जपला छतरपुर मुख्य रोड में शनिवार की देर रात अज्ञात टेंपो के धक्के से जपला निवासी चंदन कुमार की पुत्री ममता कुमारी (18) वर्ष गंभीर रूप से जख्मी हो गई। बताया जाता हैं कि उक्त युवती सड़क पार कर रही थी, उसी क्रम में अज्ञात टेंपो ने धक्का मारकर भाग निकला। स्थानीय लोगों के सहयोग से इलाज के लिए हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सक के अनुसार स्थिति खतरे से बाहर है, उसे सिर व चेहरे में चोट लगी है।

पुलिस ने 36 घंटे के अंदर ही चोरी गयी बाईक बरामद कर ली

हैदरनगर पलामू। मुख्य पथ स्थित भाई बिगहा रेलवे क्रॉसिंग के पास कुर्बान अंसारी के घर के सामने खड़ी पैशन प्रो बाइक जेएच 03 वाई 3737 शुक्रवार के दोपहर चोरी हुई बाइक शनिवार की रात बरामद हो गई है। कुर्बान अंसारी के पुत्र सुहैल अंसारी ने हैदरनगर थाना में लिखित आवेदन देकर बाइक चोरी की घटना की जानकारी दी थी। थाना प्रभारी आजाद अंसारी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए हैदरनगर के सीसीटीवी कैमरों को शनिवार को खंघालना शुरू किया। शनिवार की रात्रि गस्ती के दौरान थाना प्रभारी के गस्ती वाहन को देख बाइक चोर सड़क किनारे बाइक छोड़ कर फरार हो गए। थाना प्रभारी आजाद अंसारी ने बताया कि रात्रि गस्ती के दौरा चोरी की पैशन प्रो बाइक जेएच 03 वाई 3737 शोरघटिया नदी के पुल के पास से बरामद की। उन्होंने बताया कि बाइक चोर का पुलिस पता कर रही है।

भाजपा नेता कुलबुल और अभिषेक निलंबित

मेदिनीनगर। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर भाजपा के पलामू जिला कार्यसमिति सदस्य धनंजय दूबे उर्फ कुलबूल दूबे व भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक पार्टी से निलंबित किया गया है। इस संबंध में भाजपा के प्रदेश महामंत्री सह मुख्यालय प्रभारी डा प्रदीप वर्मा ने पत्र के द्वारा इसकी जानकारी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, झारखंड प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, क्षेत्रीय महामंत्री नागेंद्रनाथ त्रिपाठी, भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी, प्रदेश महामंत्री कर्मवीर सिंह व भाजपा जिलाध्यक्ष विजयानंद पाठक को दी है। पत्र में कहा गया है कि उक्त भाजपा नेताओं द्वारा एक महीने से सोशल मीडिया पर पार्टी के विरोधी गतिविधियां चलाई जा रही है जिससे भाजपा की छवि धूमिल हो रही है। भाजपा जिलाध्यक्ष द्वारा गत पांच जून को दोनों से कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा था लेकिन अब तक पार्टी को स्पष्टीकरण नहीं प्राप्त हुआ है। इसके बाद कुलबुल दूबे व अभिषेक शुक्ला को पार्टी से निलंबित कर दिया गया है।

भाजपा में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि : विजयानंद

मेदिनीनगर। मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल कार्यक्रम के तहत 30 दिवसीय महा जनसंपर्क अभियान की समीक्षा बैठक रविवार को जिला के पदाधिकारियों के साथ की गई। भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित बैठक की अध्यक्षता भाजपा पलामू जिला अध्यक्ष विजया नंद पाठक ने की। भाजपा पलामू जिला अध्यक्ष विजय नंद पाठक ने कहा कि भाजपा संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि है। बैठक में जिला उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, सुनील पासवान, धर्मेंद्र उपाध्याय ,जिला महामंत्री श्याम बाबू ,जिला मंत्री मनोज दुबे, रेनू देवी ,मंजू देवी व अन्य मौजूद थें।

चेंबर की मांगों को सरकार तक पहुंचायेंगे : किशोर मंत्री

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की संयुक्त बैठक रविवार को होटल ज्योति लोक के सभागार में चेंबर अध्यक्ष आनंद शंकर की अध्यक्षता में हुयी। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष किशोर मंत्री, रीजनल वाइस प्रेसिडेंट संजय शांडिल्य एवं झारखंड चेंबर के सेक्रेटरी जेनरल डॉ अभिषेक रामाधीन, उपाध्यक्ष अमित शर्मा, आदित्य मल्होत्रा, कोषाध्यक्ष सुनील केडिया, शैलेश अग्रवाल, रोहित पोद्दार, पी आरओ ज्योति कुमारी, पूर्व अध्यक्ष मनोज नरेड़ी तथा रांची मुक्ति संस्थान के अध्यक्ष सह झारखंड चेंबर के एक्सक्यूटिव सदस्य प्रवीण लोहिया एवं स्थानीय व्यवसायिक संगठन के अध्यक्ष प्रभात अग्रवाल, डालटनगंज

चेंबर के अध्यक्ष विनोद उदयपुरिया, शहर के प्रसिद्ध व्यवसाई नवल तुलस्यान, लातेहार चेंबर के अध्यक्ष सुशील अग्रवाल, बंसीधर चेंबर, लेस्लीगंज चेंबर, मझियाव चेंबर, पांकी चेंबर तथा पलामू चेंबर महिला विंग की अध्यक्षा शर्मिला वर्मा समेत काफी संख्या में सदस्य उपस्थित हुए और अपनी बातों को रखा। चेंबर की बैठक में पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल द्वारा प्रस्तावित प्रथम एजेंडा शहरी जलापूर्ति योजना के संबंध में निर्णय लिया गया कि एक बार झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एवं पलामू चेंबर ऑफ कॉमर्स की एक प्रतिनिधिमंडल पीएचडी मिनिस्टर से मिलकर वार्ता करेंगे और वार्ता संतोषजनक नहीं होने पर पलामू चेंबर पीआईएल करेगा। पलामू चेंबर कोषाध्यक्ष अनवर हुसैन ने टूरिज्म पर बात रखते हुए कहा यह वर्ष टाइगर प्रोजेक्ट का 50 वर्ष है। बेतला से नेतरहाट तक के रोड को टूरिस्ट जोन बनाने हेतु सरकार पहल करें ताकि हमारे प्रमंडल का विकास हो सके। इसमें निर्णय लिया गया कि एक कमिटी महामहिम राज्यपाल से भी मिलेगा। बैठक में स्क्यूटिव सदस्य फिरोज उद्दीन अंसारी ने उप राजधानी का मुद्दा भी उठा भी उठाया और कहा कि सरकार के मेनिफेस्टो में डालटेनगंज, चाईबासा, हजारीबाग को उपराजधानी बनाने का संकल्प लिया गया था जिसे सरकार पूरा करें। खासकर पलामू जो चार राज्यों का संगम है बिहार ,उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड मेदनीनगर पलामू का मुख्यालय उपराजधानी का सभी अहर्ता पूरा करता है। इस पर किशोर मंत्री ने सरकार से बात कर पहल करने का भरोसा दिलाया। बैठक में रंजीत मिश्रा द्वारा बताया गया खासमहाल का दर अब तक अब तक निर्धारित नहीं किए जाने पर निंदा प्रस्ताव लाया जाए। साथ ही किशोर मंत्री को जवाबदेही दिया गया कि पुनः सरकार से बात कर इसका निदान निकालेंगे। बैठक में राजदेव उपाध्याय ने वंदे भारत ट्रेन का परिचालन पर विस्तृत चर्चा की और निर्णय लिया गया कि बनारस रांची भाया डालटनगंज ट्रेन का परिचालन कराया जाए। बैठक में निलेश चंद्रा ने पलामू प्रमंडल मुख्यालय में हवाई सेवा शुरू करने पर बल दिया और कहा कि आज अगर हम तैयारी शुरू करेंगे तो कम से कम 3 से 4 साल सरकार को इस योजना को मूर्त रूप देने को लगेगा। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया चेंबर के कमेटी केंद्रीय मंत्री ज्योति राजे सिंधिया से मिलकर मांग रखेगा। बैठक में राकेश कुमार ने इंडस्ट्रियल एस्टेट की भी मांग उठाया। कहा कि युवा पीढ़ी कार्य करना चाहते हैं पर जमीन नहीं इसे प्राथमिकता में पहल कर 100 एकड़ का इंडस्ट्रियल जोन मेदिनीनगर शहर के आसपास विकसित कराया जाए। बैठक में सहमति बनी झारखंड चेंबर एवं पलामू चेंबर का कमिटी जयाडा से मिलकर इस पर पहल करेगा। बैठक में चेंबर महिला विंग की अध्यक्षा शर्मिला वर्मा ने जोरदार ढंग से बैंक की मनमानी एवं महिला हित में महिला वेंडर जोन की मांग उठाई। सभा का संचालन महामंत्री इंदरजीत सिंह डिंपल ने की। बैठक में विशेष रूप से महिला चेंबर विंग की ममता सिन्हा, राखी सोनी, कंचन गुप्ता, सचिव प्रियंका सिंघानिया, उपसचिव फरहा खान, कोषाध्यक्ष प्रियंका साहू सहित कई महिलाएं उद्यमी ने अपनी बातें रखें। झारखंड चेंबर के अध्यक्ष ने कहा कि पलामू चेंबर हमारा मजबूत अंग है इनके सभी मांगों को गंभीरता से लिया जाएगा और यथा शीघ्र निदान कराया जाएगा। सभा में काफी संख्या में व्यवसाई उपस्थित थे। बैठक में रीजनल उपाध्यक्ष संजय शांडिल्य ने सभी अतिथियों का स्वागत बुके एवं मोमेंटो देकर किया तथा रंजीत मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी व्यवसायिक संस्थान को बैठक में आने के लिए धन्यवाद।

पानी नहीं तो होगा पीआईएल : आनंद शंकर

बैठक में आनंद शंकर ने कहा कि पानी के चलते गर्मी में पलायन होने लगता है अगर सरकार शहरी जलापूर्ति योजना एक माह के अंदर शुरू नहीं कराएगी तो पलामू चेंबर पीआईएल करेगा।

इन मुद्दों पर हुयी चर्चा

- बेतला से नेतरहाट तक के रोड को टूरिस्ट जोन बनाना।
- डालटेनगंज को उप राजधानी बनाने हेतु मुद्दा उठा ।
- बनारस रांची भाया डालटनगंज वंदे भारत ट्रेन के परिचालन हेतु चर्चा हुयी।
- हवाई सेवा शुरू करने पर बल बल दिया गया।
- इंडस्ट्रियल एस्टेट की भी मांग उठाया।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में ग्रेजुएशन सेरेमनी सह दादा-दादी सम्मान समारोह आयोजित

बच्चे-बुजुर्गों के आज्ञा का पालन कर उनके आदर्श जीवन से सीखें : डॉ शशिभूषण

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल द्वारा ग्रेजुएशन सेरेमनी सह दादा-दादी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की पारंपरिक प्रथानुसार कक्षा प्रेप से प्रथम में पदोन्नत छात्रों को गाउन पहनाकर, पदक तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है। बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए इस समारोह का आयोजन किया जाता है। इस समारोह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य है कि इस समारोह में बच्चों के दादा-दादी तथा नाना-नानी अभिभावक स्वरूप आते हैं, जिनका सम्मान ही मुख्य ध्येय है। बच्चों के जीवन में उनकी भी महती भूमिका होती है। इस अवसर पर ऑक्सफोर्ड ग्रुप के निदेशक सह पॉकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता एवं विद्यालय प्राचार्य डॉ. ए. के.

सिंह के द्वारा संयुक्त रुप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के ग्रैंड पैरेंट्स का अभिवादन करते हुए विद्यालय के प्राचार्य डॉ ए॰ के॰ सिंह ने कहा कि ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल डालटनगंज में चौथी बार इस सेरेमनी का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम बच्चों को प्रोत्साहित करने के साथ ही दो पीढ़ियों के बीच सेतु बनाता है। जो रिश्ता बिना किसी शर्त के होता है वह अनंत होता है तथा उनका अनुभव और नजरिया बच्चों को जीवन की हर परिस्थितियों से जूझने की शक्ति देता है। कार्यक्रम के आरंभ में बच्चों ने मनमोहक गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति द्वारा स्वागत किया। कनिष्ठ छात्रों द्वारा सामूहिक नृत्य की अनुपम छटा प्रस्तुत की गई। छात्रों के द्वारा बुजुर्गों के सम्मान पर आधारित लघु नाटिका का मंचन किया गया। कक्षा एक में पदोन्नत 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले 102 मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। ऑक्सफोर्ड ग्रुप के निदेशक सह पॉकी विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता ने कहा कि - राँची विद्यालय की पुरातन परंपरा अनुसार आयोजित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल डालटनगंज की चौथी

ग्रेजुएशन सेरेमनी है। यह कार्यक्रम दोनों पीढ़ियों के मध्य नजदीकियाँ बढ़ाती है। उन्होने विद्यालय द्वारा चौथी ग्रेजुएशन सेरेमनी के आयोजन की बहुत सराहना की। उन्होने आगे कहा कि हमें बुजुर्गों की आज्ञा का पालन करना चाहिए एवं उनके आदर्श जीवन से हमें सीख लेनी चाहिए। जीवन में अनेक कठिनाईयों का सामना करते हुए अविचलित रहकर अपने तथा अपने परिवार की उन्नति के लिए निरंतर परिश्रम करते रहना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका शिवांगी आनन्द तथा मीनू सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षिका शिल्पी कुमारी ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाएँ उपस्थित थे।

नैतिक शिक्षा का ज्ञान बच्चे बुजुर्गों से ही प्राप्त करते है : प्राचार्य

प्राचार्य ने कहा कि दादा- दादी एवं नाना-नानी के गुणों का समावेश बच्चों में होता है। इनके द्वारा ही बच्चों को घर में अनुशासन, शिष्टाचार और सुसंस्कार की शिक्षा दिया जाता है। वे सूर्योदय के साथ जग जाना, उठकर बड़ों का पैर छूकर प्रणाम करना, माता-पिता की आज्ञा पालन करना, बड़ों की आज्ञा मानना एवं बुजुर्गों की सेवा करना सीखाते हैं। नैतिक शिक्षा का ज्ञान बच्चे बुजुर्गों से ही प्राप्त करते हैं। भविष्य में चरित्रवान तथा आदर्श मनुष्य बनने की शिक्षा देते हैं। हमें आजीवन दादा-दादी, नाना-नानी की सेवा करनी चाहिए।

झारखंड के प्रथम स्पीकर नामधारी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भेजा पत्र

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड के प्रथम विधानसभा अध्यक्ष इंदर सिंह नामधारी ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र भेजकर जेईई मेंस की कट ऑफ संख्या बढ़ाने पर छात्रों के छंटने की जानकारी से अवगत कराया है। श्री नामधारी का मुख्यमंत्री के नाम भेजा गया पत्र का हू-ब-हू अंश प्रस्तुत है।

प्रिय हेमंत जी,
आशा है आप सानंद होंगे। झारखंड के सर्वांगीण विकास के लिए आप सतत प्रयत्नशील हैं लेकिन जेईई मेंस की कट ऑफ संख्या 383 कर दिये जाने के कारण झारखंड के लगभग 150 छात्र छंटने जा रहे हैं। यह ज्ञातव्य है कि बिहार ने अपने राज्य के कट ऑफ संख्या 318 रखी है तथा यूपी जैसे अन्य राज्यों ने भी कोरोना महामारी के चलते अपने-अपने राज्यों में कट ऑफ रेख को कम करके रखा है। इसे दुर्भाग्य ही कहेंगे कि उँची कट ऑफ रेखा से कई अच्छे-अच्छे विद्यार्थी भी छंटने जा रहे हैं। आशा है आप इस बिन्दु पर शीघ्रता के साथ ठोस कार्रवाई करेंगे ताकि अच्छे विद्यार्थी नामांकन पाने में सफल हो सकें।
सस्नेह,

भवदीय
इंदर सिंह नामधारी

नवंबर में होगा स्वर्गीय दुर्गा सोरेन स्मृति अंतर्राज्यीय फुटबॉल टूनार्मेंटः लाली

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय परिसदन में रविवार को फुटबॉल प्रेमियों के द्वारा एक व्यापक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का संचालन मनोहर कुमार लाली एवं धन्यवाद ज्ञापन अजीत कुमार पाठक ने किया। उक्त बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि स्वर्गीय दुर्गा सोरेन के नाम पर एक अंतर्राज्यीय फुटबॉल टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा जो कि ऐतिहासिक होगा। बैठक में झामुमो जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा उर्फ गुड्डू सिन्हा ने बताया कि टूनार्मेंट से पहले सरकार की ओर से 5 करोड की लागत से स्थानीय पुलिस लाइन का पुनर्निर्माण सुव्यवस्थित तरीके से करा लिया जाएगा उसके पश्चात ही एक भव्य टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए समाजसेवी आलोक कुमार वर्मा ने बताया कि टूनार्मेंट पूर्णतः राजनीति से परे होगा और इसमें किसी भी राजनीतिक दल का नाम प्रयोग नहीं किया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी सुनील तिवारी ने आयोजन समिति के लिए तत्काल 50000 देने की घोषणा की एवं बताया कि जब भी खेल के प्रति युवाओं को उनके सात की आवश्यकता होगी वह कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। बैठक में राजेंद्र कुमार सिन्हा, सुनील तिवारी, सानू सिद्दीकी, मनोहर कुमार लाली, आलोक कुमार वर्मा, अजीत कुमार पाठक, अविनाश देव, अभिषेक कुमार सिंह, राजकुमार गुप्ता, नरेंद्र कुमार सिंह, संदीप कुमार राम, मानिकचंद व अन्य मौजूद थें।

पंचायत और शहरी वार्ड तक विहिप करेगा समिति गठित

मेदिनीनगर। शहर के वार्ड नंबर 23 स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला मंत्री दामोदर मिश्र और संचालन बलोपासना प्रमुख विकास कश्यप ने किया। बैठक के दौरान वार्ड नंबर 23 में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के समिति का पुनर्गठन किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से मुन्ना चंद्रवंशी को विश्व हिंदू परिषद के वार्ड नंबर 23 के मंत्री और आकाश कुमार को बजरंग दल के संयोजक मनोनीत किया गया। मिथुन कुमार और पंकज चंद्रवंशी को बजरंग दल के सह संयोजक, प्रिंस कुमार को बलोपासना प्रमुख, बिट्टू कुमार उर्फ निशांत को सत्संग प्रमुख और सुजीत कुमार को गौ रक्षा प्रमुख मनोनित किया गया। बैठक में बजरंग दल संयोजक संदीप प्रसाद गुप्ता, जिला बलोपासना प्रमुख विकास कुमार कश्यप, निखिल कुमार प्रिंस कुमार, पंकज कुमार, निशांत कुमार, छोटू कुमार, मिथुन कुमार, आकाश कुमार, कृष्णा कांत, कमलेश्वर कुमार, सुजीत कुमार और अमित कुमार शामिल थे।

सुदना से 125 सदस्यीय सेवादारों का जत्था देवघर के दुम्मा के लिए रवाना

देवघर में कांवरियों को मिलेगी सुविधा : सांसद

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के पुलिस लाइन रोड स्थित सुदना से रविवार को 125 सदस्यीय सेवादारों का जत्था देवघर के दुम्मा के लिए रवाना हुआ। आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बीडी राम, विशिष्ट अतिथि राज्य के प्रथम स्पीकर इंदर सिंह नामधारी,पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी,नगर परिषद के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र सिंह,पूर्व सांसद बृजमोहन राम सहित कई अतिथियों ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर जत्था को रवाना किया। माता हीरामनी देवी सेवा समिति एवं अग्रवाल क्लब के लोगों ने अतिथियों को गुलदस्ता, शॉल एवं अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद बीडी राम ने संस्था के सेवा कार्यों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि इस तरह के रचनात्मक कार्यों से बाबा धाम की यात्रा करने वाले कांवरियों को सुविधा मिलेगा। राज्य के प्रथम स्पीकर इंदर सिंह नामधारी ने कहा कि कांवरियों की सेवा करना महादेव की पूजा से बढ़कर है। पूर्व मंत्री श्री त्रिपाठी ने कहा कि मानव सेवा ही सही मायने में ईश्वर की पूजा है। इस वर्ष समिति के संयोजन में अखिल भारतीय नारनौलिया अग्रवाल महासभा के द्वारा 4 जुलाई से सेवा शिविर लगेगा। शिविर में भक्ति जागरण के अलावा कांवरियों की सुविधा के लिए चाय, बिसकिट्स, पूड़ी, सब्जी, हलवा, बुंदिया, फल, मेडिकल उपचार, एम्बुलेंस की व्यवस्था रहेगा। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष विजयानंद पाठक, विजय ओझा, अविनाश देव,दुर्गा जौहरी, रुद्र शुक्ला, बबलू गुप्ता, राजकुमार गुप्ता उर्फ ट्विंकल, मनोज पहाड़ीया, समिति एवं अग्रवाल अमरीश अग्रवाल, प्रदीप, प्रमोद, मनीष, नवीन अग्रवाल, आलोक, सुमन, देवेंद्र, पुरुषोत्तम अग्रवाल, विनोद, रूपेश, पवन, सूरज, अजय, संतोष सहित कई लोग शामिल थे।

क्षेत्र के विकास का प्रतीक है बेहतर पथ : रामचंद्र

मनिका विधायक ने किया बकोरिया पंचायत में दो योजनाओं का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

सतबरवा पलामू। मनिका विधायक रामचंद्र सिंह ने रविवार को सतबरवा के बकोरिया पंचायत में दो योजनाओं का शिलान्यास पूजा अर्चना तथा नारियल फोड़ कर किया। कमारु गांव में 10 लाख रुपए की लागत राशि से जिला परिषद पीसीसी सड़क तथा बकोरिया गांव के हडही टोला में घुमकुड़िया भवन कल्याण विभाग से करीब 24 लाख रुपए की लागत से नवनिर्माण होना हैं। कमारु गांव में रामयाद साव के घर से उरांव टोला तक पीसीसी पथ का निर्माण होना है। मौके पर विधायक रामचंद्र सिंह ने कहा कि सड़क को विकास का प्रतीक माना जाता है। घुमकुड़िया भवन बन जाने से आदिवासी समाज के लोगों के लिए वरदान साबित होगा। इस भवन का उपयोग आदिवासी समाज के लोग उत्सव तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम, शादी विवाह और बैठक के रूप में कर सकते हैं। वही विधायक रामचंद्र सिंह ने बीजेपी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि धर्म के नाम पर लोगों को ज्यादा दिनों तक ठगा नही जा सकता है। कांग्रेस पार्टी काम करने में विश्वास रखती है। आज इसी का परिणाम है कि इस साल हिमाचल और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार बनी। वर्तमान केंद्र सरकार के कार्यकाल में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। 2024 में केंद्र में यूपीए गठबंधन की सरकार बनेगी। मौके पर कनीय अभियंता विवेक सिंह विधायक प्रतिनिधि प्रमोद यादव, प्रमुख प्रतिनिधि युगल किशोर राम, उपप्रमुख कामाख्या नारायण यादव, मुखिया संतोष उरांव, अमित साहू, पिंटू अंसारी उमेश यादव, इंद्रदेव उरांव तथा रबदा पंचायत के उपमुखिया उमेश सिंह, दिलीप ठाकुर, सुक्खु साह, बचन साहू, अरुण साहू, गुरनाम ठाकुर , जुबेर अंसारी, हकीम अंसारी समेत कई लोग मौजूद थे।

गुरु पांडेय ने किया मंदिर के गुंबद निर्माण का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

मेदिनीनगर। राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी धार्मिक स्थलों के संरक्षण व निर्माण पर लगातार कार्य कर रहा है। उक्त बातें राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के संरक्षक अर्जुन पांडेय (गुरु पांडेय) ने कही। पांडेय रविवार को गढ़वा जिला के ग्राम करुआ खुर्द के बिचला टोला में निमार्णाधीन मंदिर के गुंबद निर्माण के शिलान्यास समारोह में बोल रहे थे । पंच मुखी मंदिर में पांच गुबंद बनाया जा रहा है जिसमें एक गुंबद निमार्णाधीन है बाकी बचे हुए चार गुंबद का निर्माण राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के द्वारा कराने का घोषणा किया गया। मंदिर निर्माण कमेटी ने अतिथियों का

स्वागत किया। इस दौरान युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेन्द्र तिवारी ने कहा कि युवा वाहिनी सनातन संस्कृति को आगे लेकर चलने में विश्वास रखता है इसी के तहत आने वाले समय में पलामू के साथ साथ गढ़वा में भी युवा वाहिनी के तत्वाधान में बडा धार्मिक आयोजन किया जाएगा। इसके पूर्व करुआ ग्राम के ग्रामिणों के द्वारा राष्ट्रीय परशुराम सेना युवा वाहिनी के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। गुंबद निर्माण के शिलान्यास समारोह में प्रदेश कोर कमेटी सदस्य नवीन तिवारी ,संजय मिश्रा, शैलेश तिवारी, रवि शर्मा, सुनील ओझा, प्रमंडलीय संरक्षक राकेश पांडेय, पुलस्त तिवारी, चंदन तिवारी, पलामू प्रभारी मनीष तिवारी(रिंकू), जिलाध्यक्ष विकास दूबे, गढ़वा जिलाध्यक्ष हरिदत्त दुबे, आनंद दूबे, ज्ञानेश तिवारी, विक्रांत त्रिपाठी, दिलीप तिवारी, राज पांडेय व सौरभ दूबे सहित काफी संख्या में करुआ पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थे।

महिला से छेड़खानी, फिर किया समझौता

गौशाला ओपी क्षेत्र के हेड कांड्रा का है मामला

खबर मन्त्र संवाददाता

सिंदरी। गौशाला ओपी अंतर्गत हेड कांड्रा निवासी गोविंद महतो के 25 वर्षीय पुत्र शंकर महतो की पत्नी ज्योति ने अपने पति के मौसा हेड कांड्रा निवासी रणवीर महतो पर छेड़खानी की लिखित शिकायत रविवार को वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद से की है। शंकर महतो तमिलनाडु में कार्य करते हैं और इसे लेकर आपसी सहमति पत्र गौशाला ओपी में जमा किया गया है। घटना के संबंध में शंकर महतो ने बताया कि शनिवार की रात अपने मौसा मौसी को अपने घर पर खाना खाने के लिए आमंत्रित किया था। परंतु खाने के दौरान कुछ बहस होने के कारण उसके साथ मारपीट की गई। शंकर की पत्नी ज्योति ने बताया कि रणवीर महतो ने पति के साथ मारपीट की और मेरे साथ छेड़खानी की है। इसकी शिकायत वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय में की गई है। घरवालों के दबाव और पति के अक्सर बाहर रहने के कारण समझौता किया गया है। गौशाला ओपी प्रभारी विकास कुमार महतो ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति पत्र दिया है।

महिला समिति अध्यक्ष को जान मारने की धमकी

पुटकी। नशा उन्मूलन महिला समिति की अध्यक्ष सुंदरी देवी को बावला महतो उर्फ दिनबंधु महतो और पांच अन्यलोगों ने गाड़ी रुकवा कर जान मारने की धमकी दी । प्राप्त जानकारी के अनुसारसुंदरी देवी बलिहारी रोड स्थित अपने आवास से शुक्रवार को ग्रामीणों के बुलावे पर अपने चार पहिया वाहन (जेएच 10 बीजी 4271) से भागाबांध बस्ती जा रही थीं तभी उनलोगों ने उनकी गाड़ी रुकवा दी और गाली-गलौज करते हुए गोली मारने की धमकी दी। घटना को लेकर सुंदरी देवी ने शनिवार को भागाबांध ओपी में बावला महतो और पांच अन्य के खिलाफ शिकायत कर सुरक्षा की गुहार लगाई है उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है उक्त लोगों ने जबरन गाड़ी रोककर दरवाजा खोलवाया और कहा भागाबांध बस्ती नहीं घुसने देंगे। यहां से वापस जाओ नहीं तो गोली मार देंगे। भागाबांध ओपी प्रभारी राजीव कुमार तुरी ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है। जांच के बाद विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

डीवीसी से सेवानिवृत्त कर्मियों को दी गई विदाई

बोकारो/चंद्रपुरा। डीवीसी के तेजस भवन के सम्मेलन कक्ष में सेवानिवृत्त कर्मी सुरेश कुमार दास, धीरेंद्र कुमार सिन्हा, विजय बहादुर सिंह और अवधेश तिवारी के सम्मान में आयोजित विदाई सह सम्मान समारोह कार्यक्रम में वरीय महाप्रबंधक और परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने कहा कि दामोदर घाटी निगम एक ऐसी संस्था है, जो सेवानिवृत्ति के बाद भी मां के समान हमें पालन पोषण करती है। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के कार्यकुशलता की प्रशंसा की और उनके जीवन सुखमय होने की कामना की। महाप्रबंधक परिचालन देवव्रत दास एवं महाप्रबंधक पवन कुमार मिश्रा ने सेवानिवृत्त कर्मियों की कार्यकुशलता की प्रशंसा की।

झरिया विधायक से मिले उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधि

झरिया। विधानसभा क्षेत्र में पानी से जुड़ी समस्याओं पर पानी-बिजली उपभोक्ता मंच की ओर से झरिया विधायक पूर्णिमा नीरज सिंह से मिलकर निदान की मांग की गई। मंच के किशोर कुमार व शुभाशीष रॉय ने विधायक से कहा कि जलापूर्ति की जिम्मेवारी संभालने वाली एजेंसी झमाडा महीने में पंद्रह दिन भी ठीक से पानी नहीं देती लेकिन बिल पूरा महीने का भेजती है। दूसरी ओर, झमाडा दो वर्षों से नहीं भेजे गए बिल को एक साथ जोड़कर भेजते हुए उपभोक्ताओं पर बोझ डाल दिया है। गरीब उपभोक्ता 10 से 25 हजार की बिल एक साथ जमा करने में असमर्थ है। इसके साथ ही बिजली की तरह पानी के बिल में भी सब्सिडी देने, ब्याज माफ करने, बिल भुगतान की ऑनलाइन सेवा प्रारंभ करने तथा बनियाहिर स्थित नगर निगम कार्यालय में विशेष जल-कर वसूली कैम्प लगाने की मांग की। मंच की मांग पर विधायक ने कहा कि मोटी रकम की बिल से उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सरकार विचार कर रही है। जल्द ही इसपर निर्णय लेते हुए विशेष कैम्प लगाकर समस्या का निदान किया जाएगा। बिलिंग प्रक्रिया में त्रुटियों पर उन्होंने कहा कि इसपर भी जोरो से कम हो रहा है और जल्द ही सबकुछ कंप्यूटराइज्ड हो जाएगा। अन्य मांगों पर भी विचार करने का आश्वासन दिया गया।

स्पीड न्यूज

नैनिहालों को पिलायी गयी पोलियो की दो बूंद

बेरमो। जरीडीह बाजार स्थित पोलियो केंद्र संख्या 38 में 0 से 5 वर्ष के नौनिहालों को 2 बूंद पोलियो की खुराक पिलाकर केंद्र का शुभारंभ झामुमो नेता सह अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने किया इस मौके पर उन्होंने कहा कि पोलियो की दवा जीरो से पांच वर्ष के बच्चे को अवश्य पिलाए तभी शत .प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया जा सकता है झारखंड ही नहीं पूरे देश को पोलियो मुक्त बनाने के लिए सभी का योगदान जरूरी है मौके पर पिंकी देवी बबिता देवी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

धनबाद मारवाड़ी महिला समिति आनंद मेला में लेगी हिस्सा

झरिया। मारवाड़ी महिला समिति धनबाद शाखा का आनंद मेला 8 व 9 जुलाई को धनसार के एक होटल आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय 2 जुलाई को समिति की बैठक में लिया गया। समिति की अध्यक्ष संजू डालमिया ने बताया कि दो दिवसीय आनंद मेले में धनबाद के अलावा रांची, आसनसोल, मुंबई, दिल्ली, बनारस, बेंगलुरु, कोलकाता, जयपुर, रायपुर, रानीगंज के स्टॉल लगेंगे, जहां घरेलू उपयोग की सभी वस्तुएं उपलब्ध होंगी. समिति की महिलाएं आयोजन की तैयारी में जुटी है। उन्होंने बताया कि मारवाड़ी महिला समिति ने पिछले साल भी आनंद मेले का सफल आयोजन किया था। मौके पर समिति की सचिव प्रीति अग्रवाल, निर्मला तुलस्यान, उर्मिला गुटगुटिया, अरुणा भगानिया, अनीता मिश्रा, विमला बंसल, अंजू गुप्ता, मैना भोजगड़िया, सिनी गुप्ता, सुषमा, ऋद्धि शर्मा, सुनीता झुनझुनवाला, बबीता चौधरी, मोनिका अग्रवाल, कमलेश अग्रवाल, ममता गुप्ता, मितु, चंदा, किरण आदि उपस्थित थी।

बीजीएच में रक्तदान शिविर का आयोजन

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल के ब्लड बैंक में इंटरनेशनल डॉक्टर्स डे के उपलक्ष में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रोटरी क्लब के सदस्यों सहित अन्य लोगों ने भी अपनी स्वेच्छा से रक्तदान किए। रीता सिंह ने रक्त देकर शिविर की शुरूआत की और रक्तदान शिविर का उद्घाटन बोकारो जनरल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ विभूति करुणामय ने किया। उन्होंने कहा कि यह एक बहुत ही सराहनीय कार्य है और लोगों को बढ़ .चढ़कर रक्तदान करना चाहिए। ब्लड बैंक के इंचार्ज डॉ सरवन ने कहा कि रक्तदान एक महादान है तथा रक्त देने से किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है। शिविर के आयोजन में ब्लड बैंक के कर्मचारी के साथ-साथ डॉ सुरेंद्र का विशेष योगदान रहा।

वार्ड-16 में मतदाताओं का नाम दर्ज कराने की मांग

चिरकुंडा। चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 16 स्थित 200 से अधिक मतदाताओं का नाम अन्य वार्डो मे दर्ज हो जाने तथा पूर्व में दर्ज मतदाताओं का नाम बड़ी संख्या मे हट जाने को लेकर वार्ड के निवर्तमान पार्षद विजय यादव ने एग्यारकुंड प्रखंड के अंचलाधिकारी सह उप निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र देकर इस वार्ड के मतदाताओं का नाम पुनः वार्ड संख्या 16 में दर्ज करवाने की मांग की है। यादव ने कहा कि 2018 में हुए निर्वाचन में दर्ज मतदाताओं का नाम 2023 के मतदाता सूची में काफी बड़ी संख्या में गड़बड़ी देखने को मिला है।

पूर्व पार्षद की मनी तृतीय पुण्यतिथि

खबर मन्त्र संवाददाता

केंदुआ। मजदूरों के मसीहा वार्ड 13 के पूर्व पार्षद संजय कुमार की तृतीय पुण्यतिथि पर गोन्दुडीह सीएचपी काली मंदिर के समीप श्रद्धांजलि सभा का आयोजन रविवार को किया गया। सर्वप्रथम उनकी तस्वीर पर उनकी पत्नी गीता देवी, पुत्री गीतांजलि यादव ,पुत्र पप्पू यादव भाई टुनटुन यादव, शिवकुमार यादव,भुटाली यादव, राजेश यादव, संतोष यादव ने उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम का संचालन मोहन राम कर रहे थे। इस श्रद्धांजलि सभा में मासस के केंद्रीय सचिव हरिप्रसाद पप्पू,आजसू के जिला अध्यक्ष मंटू महतो,जीतू पासवान, संतोष पासवान, सुंदर यादव, गुड्डू चौहान, गीता सिंह, महेंद्र यादव गोंन्दुडीह कोलियरी के मैनेजर दिलीप कुमार के अलावे दर्जनों गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर स्व. संजय कुमार के तस्वीर पर फूल माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि स्वर्गीय संजय कुमार गरीब -गुरबो ,मजदूर ,शोषित वर्ग के लिए सदैव कार्य करते थे। क्षेत्र के लोग उनको अपना अभिवाहक के जैसा समझते थे.आज उनकी कमी खलती है। आज जिस तरह से लोग उनके पुण्यतिथि मे जुट कर उन्हे याद कर रहे है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होंगी।

मौके पर थे मौजूद

मौके पर सुभाष पासवान, संतोष महतो, जोगिंदर यादव, मो. इसराइल उर्फ लाला खान रामगोपाल भुवानिया,छोटू राम,बीरेंद्र यादव, भूषण महतो, राजा यादव, सीता राम यादव, सरोज सिंह, सुशील सिंह, रामाशीष यादव, सुरेश यादव, बमबम यादव, महेश यादव, भूषण महतो, उमेश यादव, अंकुश कुमार यादव, राजेश यादव, सौरभ कुमार यादव,शिवजी चौहान,मो. इजराइल, भोलू यादव, रोहित यादव, रंजीत यादव, श्रवन राय के अलावे दर्जनों गणमान्य लोग उपस्थित थे।

आइएएस प्रशिक्षुओं ने किया बोकारो इस्पात संयंत्र का भ्रमण

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। भारतीय प्रशासनिक सेवा 2022 बैच प्रथम चरण के छह परीक्ष्यमान पदाधिकारियों के औद्योगिक प्रतिष्ठान भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत बोकारो इस्पात संयंत्र के भ्रमण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सभी पदाधिकारियों को बोकारो इस्पात संयंत्र के कोक ओवन और सीआरएम -03 विभाग का भ्रमण कराया गया तथा उत्पादन प्रक्रिया के साथ इस्पात उत्पादन के बारे में जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान पदाधिकारियों ने बीएसएल के ईडी संकार्य बीके तिवारी के साथ एक शिष्टाचार मुलाकात भी की। जिला प्रशासन के आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार संपर्क अधिकारी भ्रमण के दौरान मौजूद थे। एजीएम एचआरडी अमित आनंद ने संयंत्र भ्रमण के कार्यक्रम का समन्वयन किया।

एक नजर में

सेवा कार्यों के लिए चास रोटरी को छह अवार्ड

बोकारो। रोटरी जिला 3250 के डिस्ट्रिक्ट अवॉर्ड फंक्शन में चास रोटरी क्लब ने विभिन्न क्षेत्रों में अपने उल्लेखनीय सेवा कार्यों के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में 6 अवार्ड प्राप्त किये। चास रोटरी की सचिव पूजा बैद को आउटस्टैंडिंग सेक्रेटरी अवार्ड से नवाजा गया। सचिव पूजा बैद ने इसका सारा श्रेय चास के अपने साथी रोटेरियन मित्रों को दिया। रोटरी जिला 3250 के मंडल अध्यक्ष रोटेरियन संजीव ठाकुर ने चास की उल्लेखनीय सफलता पर बधाई दी। चास रोटरी के संजय बैद, मुकेश अग्रवाल, डिंपल कौर, चनप्रीत सिंह, मनोज सिंह, डॉ सुमन कुमार, विपिन अग्रवाल, उषा कुमार, धनेश बंका, आरती पारख सहित अन्य सदस्यों ने 6 अवार्ड मिलने पर हर्ष व्यक्त किया।

चास रोटरी ने डॉक्टरों को किया सम्मानित

बोकारो। राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के अवसर पर चास रोटरी क्लब द्वारा अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सकों को स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके बहुमूल्य योगदान पर सम्मानित किया गया। चास रोटरी की अध्यक्ष पूजा बैद कहा कि जीवनदाता के रूप में समाज में चिकित्सकों का योगदान अमूल्य है। कार्यक्रम के संयोजक संजय बैद ने कहा की जिस तरह सीमा पर सैनिक हमारी रक्षा में लगे हैं, उसी तरह चिकित्सक भी समाज में मानव सेवा में लगे रहते हैं। मुख्य अतिथि चेंबर अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि चिकित्सक अथक मेहनत से रोगियों को नया जीवन प्रदान करते हैं। अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर विकास कुमार ने कहा कि वर्तमान में चिकित्सक बेहद कठिन परिस्थितियों में काम कर रहे हैं और समाज को इस पर चिंतन करना चाहिए। डॉ विद्या रानी ने चिकित्सकों का सम्मान करने पर चास रोटरी क्लब की प्रशंसा की। मौके पर डॉक्टर विकास कुमार, डॉ विद्या रानी, डॉ आभा इंदु तिर्की, डॉ रवि शेखर, डॉ सौरभ साव्यायान, डॉ रीना कुमारी, डॉ रश्मि मेघा, डॉ आयुषी सिंह, डॉ पुष्पा, डॉ संजीव, डॉ सुमन को शॉल ओढ़ाकर एवं प्रशस्ति मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। हरबंस सिंह सलूजा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मौके पर तमाम गणमान्य उपस्थित रहे।

मृतक के पिता के बयान पर हत्या का मामला दर्ज

गोविंदपुर। धनसार थाना अंतर्गत हरिपुर सेंटर धौड़ा निवासी प्रकाश पासवान के पुत्र प्रिंस पासवान के गोविंदपुर थाना अंतर्गत जीटी रोड मोहन पेट्रोल पंप पास विगत 23 जून को दुर्घटनाग्रस्त होने तथा इलाज के दौरान 30 जून को अशर्फी अस्पताल मे इलाज के दौरान हुई मौत के मामले में मृतक के पिता प्रकाश पासवान के फर्द बयान पर गोविंदपुर थाना में हत्या की प्राथमिकी दर्ज हुई है । इस मामले में प्रिंस के साथी गोपाल हाडी को अभियुक्त बनाया गया है। अशर्फी अस्पताल में गोविंदपुर थाना के एएसआई दिलीप कुमार सिंह के समक्ष दिए गए फर्द बयान में प्रकाश पासवान ने कहा है की वह खालसा भेजिज रतनपुर में गार्ड का काम करते हैं। उनका मृत पुत्र प्रिंस कुमार बजाज फाइनेंस कंपनी में काम करता था। दिनांक 23 जून को दिन 11:00 बजे अपनी मां और पत्नी को ऑफिस जाने की बात कह कर निकला था। कहा था कि वह गोपाल हाड़ी के साथ जा रहा है । इसके बाद दिन 1:30 बजे फोन कर बोला कि मां मैं खाना खाने नहीं आऊंगा । मैं निरसा आसनसोल काम से जा रहा हूं । इसके बाद शाम 5:00 बजे प्रिंस कुमार और गोपाल हाड़ी दोनों मोटरसाइकिल पर खालसा भेजिज होटल के पास आए । गोपाल मोटरसाइकिल पर बैठा हुआ था और प्रिंस मेरे पास आया और कुछ पैसा मांगा । इस पर प्रकाश पासवान ने अपने पुत्र को अपने पास से एक सौ रुपैया दिया। प्रिंस ने अपने पिता से कहा कि वह डेढ़ घंटे में निरसा से आ रहा है। इसके बाद प्रकाश पासवान ड्यूटी समाप्त कर शाम 6:00 बजे अपने घर धनसार चले गए । परिवार के लोग प्रिंस के आने का इंतजार कर रहे थे, परंतु देर रात तक वह घर नहीं लौटा और न ही उसका फोन आया। रात करीब 1:00 बजे प्रिंस ने अपनी पत्नी ज्योति को फोन किया कि खाना गरम करके रखो, मै डेढ घंटे में आ रहा हूं । इसके बाद रात 3:30 बजे फोन आया कि उनका पुत्र एसएन एमएमसीएच धनबाद में भर्ती है। एक्सीडेंट हुआ है । इसके बाद प्रिंस की मां सुमन देवी, पत्नी ज्योति देवी एवं अन्य लोग अस्पताल पहुंचे तो प्रिंस को अचेत अवस्था में अस्पताल के बेड पर पड़ा देखा। उसके बेड के बगल में गोपाल हाडी, पिता राजू हाडी, सेंट्रर धौड़ा भर्ती था । उसने घटना के संबंध में कुछ नहीं बताया।

जिप सदस्य ने छह मृतकों के आश्रितों को दी खाद्य सामग्री

बेरमो/उपरघाट। रविवार एंव बीते कल डुमरीक्षविधानसभा क्षेत्र के नावाडीह प्रखंड उपरघाट जिला परिषद सदस्य कुमारी खुशबू महतो ने श्राद्ध कर्म के लिए आजसू केंद्रीय मुख्यालय सचिव टिकैत कुमार महतो के सहयोग से खाद्य सामग्री का छोटा सा मदद किया गया। इस नेक कार्य को युवा आजसू नेता दिनेश कुमार महतो दिलीप महतो सुरेश कुमार महेंद्र महतो सूरज यादव के द्वारा मृतकों के आश्रित पहुंचाया गया। खाद्य सामग्री मिलने के बाद परिजनों ने अभार जताया है।

झरिया : बेनू मंडल मेमोरियल फाउंडेशन ट्रस्ट ने डाक्टरों को किया सम्मानित

खबर मन्त्र संवाददाता

झरिया। डॉक्टरों के पुराने सम्मान को वापस लाने के लिए बेनु मंडल मेमोरियल फाउंडेशन ट्रस्ट, झरिया की ओर से शहर में डॉक्टरों को सम्मानित करने का एक कार्यक्रम 1 जुलाई, 'डॉक्टर्स डे' के मौके पर देर शाम में आयोजित किया गया है। ट्रस्ट के सदस्यों ने धनबाद के प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. संजय मुखर्जी, झरिया के वरिष्ठ और समर्पित चिकित्सक एस.के.भागनिया और झरिया के लोकप्रिय चिकित्सक मो.एस.एम. इकबाल नासिर को उनकी डिस्पेंसरी और अस्पतालों में जा कर स्टोल, फूलों के गुलदस्ते और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस डॉ बी.सी. रॉय की याद में मनाया जाता है, जिनका जन्म 1 जुलाई 1882 को बिहार में हुआ था और स्वतंत्रता के बाद पश्चिम बंगाल के पहले मुख्यमंत्री बने थे। सभी डॉक्टर आम लोगों द्वारा सम्मानित किए जाने के लिए खुश दिख रहे थे। इस 'डॉक्टर-सम्मान' कार्यक्रम में बेनू मंडल मेमोरियल फाउंडेशन ट्रस्ट के सदस्य आनंद मंडल, मिंचू कर, मिलन बनर्जी, नयन दत्ता, संजय पंडित, नारायण धीबर और पिनाकी रॉय उपस्थित थे।

जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र को लेकर विशेष अभियान 14 जुलाई से

जिला स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। जिला योजना एवं विकास विभाग द्वारा छूटे हुए बच्चों का शत प्रतिशत जन्म प्रमाण पत्र निर्गत करने, जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण करने को लेकर आगामी 14 जुलाई से 14 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसी को लेकर समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त कुलदीप चौधरी के निर्देश पर जिला स्तरीय एक दिवसीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती मेनका, जिला सांख्यिकी पदाधिकारी फ्रांसिस कुजूर समेत, अस्पताल उपाधीक्षक, सभी बीडीओ, सभी एमओआइसीए सीडीपीओ आदि उपस्थित थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री कुजूर ने जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण के महत्व से जुड़ी अहम जानकारी उपस्थित अधिकारी कर्मियों को दी। उन्होंने सभी को आगामी 01 से 12 जुलाई के बीच प्रखंड स्तर पर सभी संबंधित प्रखंड पंचायत स्तरीय कर्मियों का प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित करने को कहा। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनरों ने जन्म मृत्यु पंजीकरण को लेकर शुरू होने वाले विशेष अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

बोकारो जिला टेट सहायक शिक्षकों ने विधायक आवास पर दिया धरना

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। बोकारो जिला टेट सहायक अध्यापक समन्वय समिति ने रविवार को विधायक बेरमो कुमार जयमंगल सिंह के ढोरी स्टाफ क्वार्टर स्थित आवास के समक्ष एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर सभी टेट पास सहायक अध्यापको ;पारा शिक्षकद्ध को सहायक आचार्य नियुक्ति के पूर्व वेतनमान दिलाने की मांग की। तत्पश्चात एक प्रतिनिधि मंडल ने बेरमो विधायक के नाम निजी सचिव मिथलेश तिवारी एवं कांग्रेस के बेरमो प्रखंड अध्यक्ष छेदी नोनिया को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान दूरभाष पर बेरमो विधायक श्री सिंह से वार्ता हुई। इसमें विधायक श्री सिंह ने उन्होंने आश्वास्त कराते हुए कहा कि आपकी मांगों को लेकर सरकार गंभीर है। सरकार पर विश्वास रखें अपनी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री से समिति का वार्ता कराने का भी आश्वान दिया। इससे पूर्व धरना को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि राज्य के सहायक अध्यापक 20 वर्षो से लगातार अपनी सेवा देते आ रहे है और टेट पास सहायक अध्यापक एनसीटीई एवं एनईपी के तमाम अहत्ताओं को पूर्ण करते है। झारखंड सरकार के महाधिवक्ता ने लिखित राय सरकार को सौपी है। जिसमें उल्लेख है कि जेटीईटी पास सहायक अध्यापकों ;पारा शिक्षकोंद्ध को वेतनमान दिया जा सकता है। इसमें कोई भी विधिक अड़चन नहीं है। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा उर्त्तीणता के 10 साल पूरा कर चुके है। कहा कि पिछले दिनों कई उच्च स्तरीय कमेटी द्वारा टेट पास सहायक अध्यापकों ;पारा शिक्षकोद्ध को सीधे वेतनमान देने की अनुशंसा किए है परंतु आज तक हम सभी टेट पास सहायक अध्यापकों को वेतनमान से वंचित रखा गया है।

2019 में ही हुई थी वेतन देने की घोषणा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 2019 के विधानसभा चुनाव में तीन महीने के अंदर वेतनमान देने का घोषणा किए थे। लेकिन आज साढ़े तीन साल बीत जाने के बावजूद टेट पास को वेतनमान नहीं मिलने से सहायक अध्यापकों में काफी आक्रोश व्याप्त है। जिसके कारण क्षुब्ध होकर आंदोलन करने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष सीमांत घोषाल व संचालन सचिव अजय कुमार नायक ने किया।

दुर्घटना रोकने के लिए कथारा में बनेगा स्पीड ब्रेकर

पत्रकारों के समूह ने विधायक से की मुलाकात

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। पत्रकार एकता मंच से जुड़े पत्रकारों के समूह ने बीते 30 जून की देर संध्या बेरमो विधायक से भेंट की। भेंट में समूह द्वारा क्षेत्र में विकास कार्यों पर विधायक के साथ गहन मंत्रणा की। विधायक ने पत्रकारों के लिए बोकारो जिला के कथारा में एक भवन बनाए जाने पर जोर देते हुए 5.50 लाख देने की घोषणा की।बोकारो जिला के ढोरी स्टाफ क्वाटर स्थित विधायक आवासीय कार्यालय में भेंट के क्रम में उपस्थित पत्रकारों द्वारा क्षेत्र में हो रहे सड़क दुर्घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए इसपर ध्यान देने का आग्रह बेरमो विधायक कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह से की। विधायक श्री सिंह मामले पर सज्ञान लेते हुए तत्काल पीडब्ल्यूडी विभाग के कनीय अभियंता को कथारा क्षेत्र में तीन अलग.अलग जगहों पर स्पीड ब्रेकर बनाने का निर्देश दिया।विधायक के आवासीय कार्यालय में पत्रकारों से भेंट में बेरमो विधायक अनुप सिंह ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास करना उनकी प्राथमिकता में शामिल है। उन्होंने कहा के इसे कायम रखने में इस क्षेत्र के पत्रकारों की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि पत्रकार कभी भी अपनी समस्या को लेकर उनके पास नहीं आते, जबकि क्षेत्र के पत्रकारों के हितों को लेकर वे काफी चिंतित रहे हैं।उन्होंने पत्रकारों की सुविधा को लेकर कथारा क्षेत्र में एक पत्रकार भवन बनाने की बात कही। साथ हीं विधायक मद से साढे पांच लाख देने की घोषणा की। उन्होंने आगामी 5 जुलाई को चिंहित भूमि पर शिलान्यास करने की बात कही।

मौके पर थे मौजूद

मौके पर बेरमो प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष छेदी नोनिया के अलावा पत्रकार एकता मंच के अध्यक्ष जगदीश महतो मास्टर कार्यकारी अध्यक्ष एसपी सक्सेना, सचिव विजय सिंह, कोषाध्यक्ष बीरमणि पांडेय, उपाध्यक्ष आर पी सिंह के अलावा पत्रकार साजेश गुप्ता, पवन कुमार सिंह, जगदीश भारती, अविनाश कुमार उर्फ राजा, मुकेश कुमार तथा धीरज कुमार उपस्थित थे।

खबर मन्त्र

रांची. सोमवार . 03 जुलाई 2023

अभिव्यक्ति

epaper.khabarmantra.net

कब जुड़ेंगी नदियां!

राष्ट्रीय महत्व की केन-बेतवा नदियों को जोड़ने वाली परियोजना को मंजूरी मिली है लेकिन इस पर काम धीमा है। पूरे देश में हाहाकार है एक ओर बाढ़ तो दूसरे ओर सुखाड़ का संकेत मिल रहा है। असम में डूबें जिले और झारखंड में जल संकट। निस्संदेह इस परियोजना के अस्तित्व में आने से जहां लाखों हेक्टेयर में सिंचाई हो सकेगी, वहीं प्यासे बुंदेलखंड की प्यास भी बुझेगी। जहां प्रगति के द्वार खुलेंगे, वहीं क्षेत्र से लोगों का पलायन रुकेगा, जो आने वाली पीढ़ियों की दुश्वारियों का अंत करेगी। समाज व सरकार की सक्रिय भागीदारी योजना के क्रियान्वयन में तेजी लायेगी। इस परियोजना से जहां दोनों राज्यों के अंतर्गत आने वाले बुंदेलखंड के 10.62 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई संभव होगी, वहीं 62 लाख घरों को पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा। आने वाले समय में मौसम परिवर्तन को ध्यान में रखकर हमारी जल समृद्धि को और अधिक बढ़ाना आवश्यक होगा। यूपीए सरकार के दौरान 2005 में उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश में समझौता हुआ था। जल शक्ति मंत्रालय की कोशिश है कि जलवहन प्रणाली के माध्यम से मानसून अवधि में जल का संग्रहण करके गैर मानसून अवधि में पानी का उपयोग किया जा सके। राज्य सरकारों की प्राथमिकता में जल संसाधनों का संरक्षण व संवर्धन शामिल ही नहीं रहा है। जल अपव्यय रोकने और कुशल जल प्रबंधन में कामयाब नहीं रहे हैं। एक ओर भीषण बाढ़ तो दूसरी ओर सुखाड़ मानो देश की नियति है। यह हमें खाद्य संकट और भूखमरी की ओर ले जा सकता है। झारखंड भी एक पठारी राज्य है यहां भी सोन, गंगा, दामोदर, स्वर्णरेखा , कोयल, खरकई सहित सैकड़ों नदियां जिनका उपयोग अधिक से अधिक हो और बरसात में इनके जल का संरक्षण हो इस दिशा में ठोस कार्य करने की जरूरत है।

शराबबंदी पर विमर्श

सवाल है कि इसके नियमन और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी थी? अब लोगों की जान जाने की घटना के तूल पकड़ने के बाद एक रस्मी कार्रवाई के तहत कुछ पुलिसकर्मियों को निलंबित करके सरकार की ओर से सख्ती बरतने का संदेश दिया गया है। लेकिन नाहक लोगों के मारे जाने के बाद इस तरह की औपचारिक कार्रवाइयां क्या ऐसी घटनाओं पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए काफी हैं? ऐसा नहीं है कि इस तरह की यह कोई पहली घटना है जिसमें लोगों ने विषाक्त शराब पी ली हो और उसमें कई परिवारों पर दुख का पहाड़ गिर गया।आखिर ऐसा पुलिस और प्रशासन के संबंधित और जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही या मिलीभगत के बिना कैसे संभव हो सकता है?अफसोस की बात यह है कि देश भर में जहरीली शराब से मौत की घटनाएं आज एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो महज इसलिए हो रही हैं कि कुछ लोग बेलगाम मुनाफा कमाना चाहते हैं और इसके नियमन और रोकथाम के लिए जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारी या पुलिस महकमे के अफसर किसी सौदेबाजी या फिर लापरवाही के चलते अपनी आंखें मूंदे रहते हैं। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि देश के जिन राज्यों में शराब पर कानूनन पाबंदी है, वहां भी विषाक्त शराब पीकर लोगों की मरने की घटनाएं अक्सर सामने आती हैं। आखिर यह सब किसकी अनदेखी और किसके संरक्षण में चलता है? कायदे से देखें तो किसी भी कोने में कोई छोटा कारोबार करने वाला भी पुलिस और प्रशासन की निगरानी की जद में होता है। जरूरत पड़ने पर पुलिस कहीं भी छिपे आरोपियों या अपराधियों को खोज निकालती है। आखिर बिहार हो या गुजरात जिन राज्यों में प्रतिबंध हैं वहां भी शराब आसानी से मिलती है, बिकती है और इन्हें संरक्षण भी प्राप्त है। शराब की नियंत्रित बिक्री और पूर्ण प्रतिबंध पर विमर्श जरूरी है।

आदिपुरुष समाज के लिए भी एक सबक है

श्रीराम व रामायण की लोकप्रियता का आधार केवल उस समय के नैतिक जीवन मूल्य ही नहीं, बल्कि भगवान वाल्मीकि जी व तुलसीदास जी द्वारा अपनी रचनाओं में प्रयुक्त शब्दों का माधुर्य, सौम्य शैली, शालीन संवादकला, देश, काल और वातावरण की गहन समझ भी बहुत बड़े कारण हैं।

यह स्वागतयोग्य है कि ह्यआदिपुरुषह्ण फिल्म के लेखक मनोज मुंतशिर व निर्देशक ओम राऊत ने विवादित संवाद हटाने की बात कही है। इन संवादों से पूरी फिल्म आलोचना के केन्द्र में आई और धार्मिक-राजनीतिक मंचों से लेकर सोशल मीडिया पर भी इसकी खूब निन्दा हुई। भगवान श्रीराम के जीवन पर बनी एक फिल्म को संवादों के कारण विवाद का सामना करना पड़ा यह दुखद है, परन्तु भूल सुधार के बाद आशा है कि अब बवंडर थम जाना चाहिए। वैसे इस विवाद से न केवल फिल्म निमार्ताओं बल्कि लेखन व मंच से जुड़े हर व्यक्ति को बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। कला व लेखन में नवाचार सराहनीय है, पर इसका अर्थ ये नहीं कि किसी महापुरुष, देवी-देवता या ग्रन्थ से जुड़े तथ्यों व मयार्दा का उल्लंघन हो।

दुनिया में श्रीराम व रामायण की लोकप्रियता का आधार केवल उस समय के नैतिक जीवन मूल्य ही नहीं, बल्कि भगवान वाल्मीकि जी व तुलसीदास जी द्वारा अपनी रचनाओं में प्रयुक्त शब्दों का माधुर्य, सौम्य शैली, शालीन संवादकला, देश, काल और वातावरण की गहन समझ भी बहुत बड़े कारण हैं। वाल्मीकिकृत रामायण हो या तुलसीदास जी की रामचरितमानस, कोई एक बार पढ़ना शुरू करे तो पाठक न केवल उस युग में पहुंच जाता है बल्कि आत्मिक आनन्द के सरोवर में उतर जाता है।

एतिहासिक व पौराणिक विषयों पर लेखन कैसा हो इसको लेकर एक घटना बीआर चोपड़ा द्वारा निर्मित महाभारत धारावाहिक से जुड़ी है जो लेखकों के लिए प्रकाशस्तम्भ बन सकती है। जब चोपड़ा जी ने घोषणा कर दी कि महाभारत की पटकथा और संवाद राही मासूम रजा लिखेंगे तो उनके पास पत्रों का ढेर लग गया कि हिन्दू सारे मर गए हैं क्या, जो एक मुसलमान से लिखवा रहे हो? चोपड़ा जी ने ये बात रजा जी को बताई परन्तु उन्होंने इस बात को नजरंदाज कर अपना काम जारी रखा। आज 35 साल हो गए हैं, लेकिन क्या कोई ये कह सकता है कि रजा जी जैसे मुसलमान के लिखे संवादों में कोई कमी पेशी रह गई हो? महाभारत के संवाद लिखते समय लगता था कि मां सरस्वती स्वयं उनकी कलम पर विराजमान हो जाती रही होंगी। पात्रों के संवाद लिखते हुए रजा साहब घंटे छोड़िये कई-कई दिनों के लिये स्वयं को कमरे में बन्द कर लेते थे और अपना मन महाभारतकाल में ले जाते। भगवान श्रीकृष्ण के गुरु संदीपनि ऋषि के आश्रम वाले दृश्य लिखने के लिये वे सच में उज्जैन चले गए। उन्होंने महाभारत युद्ध के संवाद कुरुक्षेत्र के मन्दिरों में बैठकर लिखे, तब जाकर महाभारत एतिहासिक धारावाहिक बन पाया। कहने का भाव है कि इतिहास लिखने से पहले उस युग को जीना पड़ता है। शब्दों में माधुर्य, शैली में शालीनता लानी पड़ती है, जनभावनाओं को सामने रख कर कलमयज्ञ करना पड़ता है और तभी जाकर आप इतिहास व पौराणिक लेखन से न्याय कर पाते हैं।

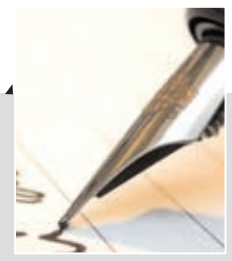

-राकेश सैन

अपना अतीत में भगवान श्रीराम के नाम पर अनेकों फिल्में व धारावाहिक बने और सभी ने सफलता के शिखरों को छुआ। कोरोनाकाल में दूरदर्शन पर दोबारा से रामानन्द सागर कृत रामायण धारावाहिक दिखाया गया तो उसने एक बार फिर लोकप्रियता के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए। आदिपुरुष से भी उम्मीद थी परन्तु छोटी-सी चूक ने किरकिरी करवा दी।

अतीत में भगवान श्रीराम के नाम पर अनेकों फिल्में व धारावाहिक बने और सभी ने सफलता के शिखरों को छुआ। कोरोनाकाल में दूरदर्शन पर दोबारा से रामानन्द सागर कृत रामायण धारावाहिक दिखाया गया तो उसने एक बार फिर लोकप्रियता के नए कीर्तिमान स्थापित कर दिए। अब एक लम्बे अन्तराल के बाद भगवान श्रीराम पर आई आदिपुरुष से भी उम्मीद थी कि चलो किसी ने फिर रामायण को फिल्म का विषय बनाया परन्तु छोटी-सी चूक ने किरकिरी करवा दी। लोगों को इस कथानक पर आधारित फिल्म की कितनी प्रतीक्षा थी इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि फिल्म ने पहले ही दिन 140 करोड़ का व्यवसाय किया परन्तु विवाद के बाद उन्हीं लोगों को निराशा हाथ लगी। फिल्म को देख कर ऐसा लगता है कि लेखक ने रामायण क्या है, उसके अर्थ क्या हैं, वो युग कैसा था, अयोध्या कैसी थी, शायद ये सब सोचना भी जरूरी नहीं समझा।

लेकिन पूरे प्रकरण से एक अच्छी बात सामने आई है कि हिन्दू समाज आस्थावान तो है मगर ऐसा धर्मान्धा नहीं कि धर्म के नाम पर हर चीज व हर बात को मान ले। आदिपुरुष के संवाद लेखक शायद भूल गए कि लोग चाहे रावण को खलनायक मानते हैं परन्तु इसका अर्थ यह भी नहीं कि उसके लिए गाली गलौच वाली भाषा का प्रयोग किया जाए और वह भी हनुमान जी के श्रीमुख से। सुन्दरकाण्ड में रावण के सामने हनुमान जी ने जिस कूटनयन योग्यता व शालीन भाषा का प्रयोग किया वह आज भी विदेश नीति के विद्यार्थी के शोध का विषय बन सकती है। फिल्म के संवाद केवल भाषागत अशिष्टता का विषय नहीं बल्कि खतरनाक बात यह है कि कुछ समय बाद यही तथ्यहीन बातें आगे जा कर प्रामाणिक मानी जाने लगती हैं। हिन्दू विरोधी व धर्म को अफीम कहने वाले तो वैसे भी ऐसे अवसरों की प्रतीक्षा में रहते हैं, इससे उन्हें हिन्दू आस्था पर आघात करने का नया अवसर मिलता है।

लेकिन अब जब इन विवादित संवादों को वापस लेने की घोषणा की जा चुकी है तो इसका स्वागत होना चाहिए। कुछ संवाद विवादित होने का अर्थ ये नहीं कि फिल्मकारों का पुरुषार्थ ही गलत है या उनकी भावनाओं में खोट है। मनोज मुंतशिर ने ट्विटर पर ठीक ही लिखा है कि ह्यआदिपुरुष में 4000 से भी ज्यादा पंक्तियों के संवाद मैंने लिखे, 5 पंक्तियों पर लोगों की भावनाएँ आहत हुईं, उन सैंकड़ों पंक्तियों में जहां श्रीराम का यशगान किया, माँ सीता के सतीत्व का वर्णन किया, उनके लिए प्रशंसा भी मिलनी थी, जो पता नहीं क्यों मिली नहीं।

देखने में आ रहा है कि फिल्म का विरोध करने वाले दो तरह के लोग हैं। आस्थावानों के विरोध का स्वागत है परंतु कुछ लिबरल वामपंथी शक्तियां इसलिए अधिक ऊंची आवाज में चिल्ला रहे हैं ताकि भविष्य में कोई फिल्मकार या लेखक हिन्दू मानबिन्दुओं पर लिखने से बचे। ज्ञात रहे कि रामानन्द सागर और बीआर चोपड़ा को भी इन वामपंथी

खास बात

बेहाल मजदूर

नागेन्द्र सिंह

किसी भी समाज, देश संस्था और उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों की अहमियत किसी से भी कम नहीं आंकी जा सकती। इनके श्रम के बिना औद्योगिक ढांचे के खड़े होने की कल्पना नहीं की जा सकती। दिहाड़ीदार मजदूर की गतिविधियों या डेटा के संग्रह को किसी कानूनी प्रावधान के तहत संजोकर नहीं रखा जाता है मतलब ये की सरकार इनका खाता नहीं रखती है। इन दिहाड़ीदार मजदूरो/अनौपचारिक / असंगठित क्षेत्र का जीडीपी और रोजगार में योगदान के मामले में भारतीय अर्थव्यवस्था में प्रमुख स्थान है। देश के कुल श्रमिकों में से, शहरी क्षेत्रों में लगभग 72 प्रतिशत दिहाड़ीदार/अनौपचारिक क्षेत्र में लगे हुए हैं।

शहरी विकास में दिहाड़ीदार/अनौपचारिक क्षेत्र का महत्व बहुत ज्यादा है. भारत के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 500 मिलियन श्रमिकों के भारत के कुल कार्यबल का लगभग 90% अनौपचारिक क्षेत्र में लगा हुआ है। यही नहीं प्रवासी दिहाड़ीदार मजदूर न केवल आधुनिक भारत, बल्कि आधुनिक सिंगापुर, आधुनिक दुबई और हर आधुनिक देश का निमार्ता है जो आधुनिकता की ग्लैमर सूची में खुद को ढालता है। भारत में शहरी अर्थव्यवस्था विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के अनुरूप है, जो अनौपचारिक श्रमिकों दिहाड़ीदार मजदूरों और असंगठित क्षेत्र द्वारा लाइ गई है। आधुनिक अर्थव्यवस्था के पहियों को चालू रखने के लिए फ्रंट-एंड इंडिया को दैनिक जरूरत का समर्थन प्रदान करता है। फैक्ट्रियां, औद्योगिक इकाइयां, होटल, रेस्तरां और कई अन्य प्रतिष्ठान, भले ही बड़े नाम और उनके प्रसिद्ध संचालकों के बावजूद ऐसे श्रमिकों या दिहाड़ीदारों पर निर्भर करते हैं। ये अलग-अलग कार्यों के लिए आते हैं। उबर और ओला ड्राइवर,राजमिस्त्री, बढ़ई, फूड डिलीवरी बॉय, पेंटर, प्लम्बर और कई अन्य हैं। प्रवासन आय में सुधार, कौशल विकास, और स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी सेवाओं तक अधिक पहुंच प्रदान करने जैसे कार्यों में मदद कर सकता है। इसके बावजूद ये दिहाड़ीदार बहुत सी समस्यों से घिरे हुए है।

खर-दूषण वध

धर्म-प्रवाह

स्वामी सत्यांनदजी परमहंस

श्री राम ने लक्ष्मण से कहा आप सीता को लेकर गुफा में चले जाए। और गुफा के मुहाने पर धनुष बाण लेकर खड़ा हो जाए। राक्षण दूर नजर आये तो वाण से मार दें और नजदीक आये तो तलवार से मौत की घाट उतार दीजिए शेष मैं देखता हूं। ऐसा कहकर राम ऊंची टीला पर चढ़ गये। उन्होंने देखा कि आगे-आगे शूर्पनेखा है और उसके पीछे खर-दूषण सहित पूरी सेना चली आ रही है। दूर से ही शर्पूनेखा ने दिखायी कि वे देखों जो टीला पर खड़ा है वही बड़ा है। राम ने देखा कि वे दस हजार की संख्या में है मैं किसको-किसको बाण मारूा तब तक वे यहां भी आ सकते हैं। हो सकता है निसाचर लोग सीता तक चली जाए। इसलिये उन्होंने गंदर्भ विद्या का प्रयोग किया। इसके प्रभाव से राक्षसी सेना को एक दूसरे में ही राम दिखने लगे और उनकी आंख की पुतलियों में राम की तस्वीर आ गयी। इसका परिणाम यह हुआ कि राक्षस गण एक दूसरे को ही मारने लगे। थोड़ी ही देर में एक दूसरे को मारकर दस हजार सैनिक मारे गये। खर-दूषण पर इस जादू का असर नहीं हुआथा। उसने कहा कि अरे इसने तो जादू का खेल खेला। लेकिन तुम्हारे जादू के खेल से हमलोग नहीं मरने और डरने वाले हैं। तुमको असली लड़ाई लड़नी पड़ेंगी। इसके पहले वो कुछ कर पाते राम ने दोनों का वध कर दिया। अलग टीले पर बैठकर शूर्पणखा सब कुछ देख रही थी। इतना देखने के बाद वो सीधे लंका गयी और रावण से डांटकर पूछा- तुम क्या करते हो?

ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम

केंद्रीय कैबिनेट द्वारा चीनी सीजन 2023-24 हेतु गन्ना किसानों के लिए गन्ने के अब तक के उच्चतम उचित और लाभकारी मूल्य (के आरएफ) को ?315 प्रति क्विंटल करने की स्वीकृति प्रदान करने का निर्णय अत्यंत सराहनीय है।

-अनुपम खेर

आपके ट्वीट

अरण्य अनेक सभ्यता संस्कृति व लोकोपकारी वृत्तियों के जनक हैं।रामायण्महाभारत,वैदिक ऋचाओं और उपनिषदों का उद्गम अरण्यों में ही हुआ है! अतः जैव जगत के अभ्युत्थान हेतु वन-उपवनों का अभिरक्षण हो !

-स्वामी अवधेशानंद गिरी

ज्ञान के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने का अभिनव प्रयास !बीएससी और एमएससी कार्यक्रमों के लिए प्राकृतिक खेती का एक कोर्स बना जो भविष्य के कृषकों को टिकाऊ खेती के कौशल से सुसज्जित करता है। -अन्नपूर्णा देवी केन्दीय मंत्री

कृषि के विकास के लिये राज्यों को विश्वास में लिया जाए

सामयिक

सुधांशु कुमार

कृषि कानूनों की वापसी के बाद कृषि क्षेत्र में आगे बढ़ें। इसका सबसे अच्छा तरीका यही होगा कि राज्य सरकारों को नेतृत्व करने दिया जाए। इससे पहले भी केंद्र राज्यों को अलग-अलग स्तर की सफलता के साथ अपने कृषि विपणन कानूनों में सुधार के लिए प्रोत्साहित करने के लिए बार-बार प्रयास कर चुका है। जहां तक किसानों को लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराने की बात है, इसके लिए कई तरह के उपाय अपनाने होंगे। ऐसे उपायों के तहत सरकारी खरीद का जारी रहना इसका एक हिस्सा हो सकता है। इसके साथ-साथ सरकार सहकारिता या किसान उत्पादकों को मूल्य श्रृंखला में भागीदारी के लिए भी प्रेरित कर सकती है। 23 नवंबर को लोकसभा बुलेटिन में तीन नए कृषि कानूनों को रद करने के लिए संसद के शीतकालीन सत्र में विधेयक प्रस्तुत किए जाने हेतु 'द फार्म लाज रिपील बिल, 2021' सूचीबद्ध किया गया है। इस विधेयक को 29 नवंबर से शुरू हो रहे शीत सत्र के पहले दिन ही पेश करने की तैयारी है। 19 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुपर्व के पवित्र दिन राष्ट्र के नाम संबोधन में तीनों कृषि कानूनों की वापसी का ऐलान किया। उन्होंने देशवासियों से क्षमा मांगते हुए कहा कि शायद हमारी तपस्या में ही कोई कमी रह गई होगी, जिसके कारण दिए के प्रकाश जैसा सत्य, कुछ किसान भाइयों को हम समझा नहीं पाए। तीनों कानूनों को वापस लेने के ऐलान के बाद भी आंदोलन न खत्म करते हुए आंदोलनकारी किसानों ने 22 नवंबर को लखनऊ में महापंचायत करके सरकार के सामने आंदोलन समाप्त करने के लिए कई मांगें रख दी। इनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर कानूनी गारंटी, बिजली संशोधन बिल वापसी, पराली जलाने पर जुमार्ने के प्रावधानों को समाप्त करना आदि शामिल हैं। वस्तुतः किसान नेता अब जिन नई मांगों को लेकर सामने आए हैं। वे अव्यावहारिक हैं। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की यह पहल स्वागत योग्य है कि उन्होंने कृषि कानूनों को अहं का मुद्दा नहीं बनाया और उन्होंने किसानों के साथ सहानुभूति जताते हुए तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की घोषणा की है। कृषि कानूनों को निरस्त करने के फैसले से कृषि के क्षेत्र में देशी-विदेशी निवेश और कारोबार व बाजार पर कितना प्रतिकूल असर पड़ेगा, बीएसई सेसेक्स 1170 अंक टूटकर 58465 के स्तर पर आ गया। यह बाजार में सात महीने की सबसे बड़ी गिरावट है। इस समय कृषि कानूनों की वापसी के बाद देश में कृषि एवं ग्रामीण विकास की मजबूती के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने के कई महत्वपूर्ण रणनीतिक आधार उभरकर दिखाई दे रहे हैं। यह बात महत्वपूर्ण है कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कृषि को प्रभावी बनाने, विकास की नई रणनीति और जीरो बजट खेती की तरफ प्रभावी कदम बनाने के लिए एक कमिटी के गठन का फैसला भी घोषित किया है। उन्होंने जैविक खेती को बढ़ावा देने, देश की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर क्रॉप पैटर्न के वैज्ञानिक तरीके, एमएसपी को और अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भविष्य को ध्यान में रखते हुए नई कमेटी के द्वारा प्रभावी निर्णय लिए जाने की बात कही। निसंदेह कृषि संबंधी मसलों के समाधान के लिए समिति बनाने के सरकार के फैसले से किसानों की मुश्किलों को दूर करने में मदद मिलेगी। इससे सरकार को किसानों की आय के स्तर को बढ़ाने के लिए पर्याप्त कृषि नीति बनाने में मदद मिलेगी। ! सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि किसानों की फसल का अच्छा मूल्य देंगे। सरकारी खरीद की प्रक्रिया जारी रहेगी, लेकिन किसान संगठन कानूनी गारंटी की मांग कर रहे हैं।

कॉर्टून वर्ल्ड

बेहाल संवाद माध्यम

लेटर टू एडिटर

संकट और शिक्षा

वर्तमान में शिक्षा की दशा और दिशा ने ध्यान आकर्षित किया। देश में यदि कोरोना केस लाखों में है तो अभिभावक की नजर से सरकार के इस फैसले का स्वागत नहीं किया जा सकता। इसमें स्वैच्छिक विकल्प और अनुमति का प्रश्न ही नहीं उठता। लेकिन इस बात की क्या गारंटी है कि बच्चे और स्कूल, नियमों के पालन में लापरवाही नहीं करेंगे? इस बात पर ध्यान दें सरकार। -मनोज, चांडिल

विस्तार मिले

हिन्दी एकमात्र ऐसी भाषा है जो संपूर्ण देश को एक सूत्र में जोड़ने का काम कर सकती है। भारतीय संस्कृति की आत्मा एवं संस्कारों का प्रतिबिंब तथा राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है। हिंदी को अधिक शक्तिशाली बनाने की आवश्यकता है। हिंदी को साहित्य, संस्कार एवं संस्कृति के अतिरिक्त शोध, अनुसंधान, ज्ञान-विज्ञान, जनसंचार, प्रौद्योगिकी तथा रोजगार से भी जोड़ने की आवश्यकता है।

-आवंतिका, रांची

आधुनिक भारत का समावेशी संविधान

संविधान

मृत्युजय प्रसाद

आधुनिक भारत का समावेशी संविधान मूल संविधान में सुविख्यात चित्रकार नन्दलाल बोस की कूची से बनाये हुए कुल 22 चित्र नजर आते हैं। इन चित्रों में मोहनजोदड़ो, वैदिक काल के गुरुकुल, प्रभु राम की विजय, गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर,सम्राट अशोक, विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, उड़िया मूर्तिकला, नटराज की प्रतिमा, अकबर का दरबार, शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह , टीपू सुल्तान और महारानी लक्ष्मीबाई,गांधी का दांडी मार्च,बोस, हिमालय, रेगिस्तान व महासागर का दृश्य है। इन चित्रों के आधार पर ही हम समझ सकते हैं कि संविधान निमार्ताओं के मन और मस्तिष्क में कैसे आदर्श समावेशी आधुनिक भारतीय समाज की परिकल्पना रही होगी। आज 26 नवंबर के दिन वर्ष 1949 में हमारा संविधान बनकर तैयार हुआ था। आज 72 बर्ष बाद हमारा संविधान क्या अपनी उस मौलिक प्रतिबद्धता की ओर उन्मुख हो रहा है जिसे इसके रचनाकारों ने भारतीयता के प्रधानतत्व को आगे रखकर बनाया था। सेक्यूलर 1976 में प्रस्तावना में जोड़ा गया है। यहां सवाल यह भी उठाया ही जाना चाहिये कि जिस दलित चेतना के नाम पर अक्सर संविधान को बाबा साहब आंबेडकर की अस्मिता के साथ जोड़ा जाता है क्या उसके साथ बुनियादी खिलवाड़ 1976 में ही नहीं हो गया है। आज इस बात पर संवाद होना ही चाहिये कि क्या मौलिक रूप से भारत का संविधान उस सनातन जीवन दृष्टि से शासन और राजनीति को दूर रहने की हिदायत देता है क्या?

जिसको आधार बनाकर पिछले 75 वर्षों में इस देश की संसदीय राजनीति और प्रशासन को परिचालित किया जा रहा है। अगर हम मूल संविधान की प्रति उठाकर पन्नों को पलटते हैं तो हमें उसके अंदर सुविख्यात चित्रकार नन्दलाल बोस की कूची से बनाये हुए कुल 22 चित्र नजर आते हैं। इन चित्रों के आधार पर ही हम समझ सकते हैं कि हमारे संविधान निमार्ताओं के मन और मस्तिष्क में कैसे आदर्श भारतीय समाज की परिकल्पना रही होगी। इन चित्रों की शुरूआत मोहनजोदड़ो से होती है और फिर वैदिक काल के गुरुकुल, महाकाव्य काल के रामायण में लंका पर प्रभु राम की विजय, गीता का उपदेश देते श्री कृष्ण, भगवान बुद्ध, भगवान महावीर,सम्राट अशोक द्वारा बौद्ध धर्म का प्रचार (मौर्य काल), गुप्त वंश की कला, जिसमें हनुमानजी का दृश्य है, विक्रमादित्य का दरबार, नालंदा विश्वविद्यालय, उड़िया मूर्तिकला, नटराज की प्रतिमा, भागीरथ की तपस्या से गंगा का अवतरण, मुगलकाल में अकबर का दरबार, शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह , टीपू सुल्तान और महारानी लक्ष्मीबाई,गांधी जी का दांडी मार्च, नोआखली में दंगा पीड़ितों के बीच गांधी,नेताजी सुभाषचंद्र बोस, हिमालय का दृश्य, रेगिस्तान का दृश्य, महासागर का दृश्य शामिल हैं।

इन 22 चित्रों के जरिये भारत की महान समावेशी परम्परा की कहानी बयां की गई है। इनमें राम कृष्ण, हनुमान, बुद्ध, महावीर, विक्रमादित्य, अकबर,टीपू सुल्तान, लक्ष्मीबाई, गांधी, सुभाष क्यों है? क्या केवल संविधान की किताब को कलात्मक कलेवर देने के लिये? ऐसा बिल्कुल नहीं है। असल में यह चित्र भारत के लोकाचार और मूल्यों का प्रतिनिधित्व देने के लिये नन्दलाल बोस से बनबाये गए ।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 94313-55233
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।
प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

स्पीड न्यूज

घर घर दी जायेगी पोलियो की दवा

रामगढ़ । डीडीसी रोबिन टोप्पो ने रविवार को सदर अस्पताल में एक बच्चे को दो बूंद पोलियो की खुराक देकर रामगढ़ जिले में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की। इस अवसर पर डीडीसी ने कहा कि कोई बच्चा छूटे नहीं पोलियो से पूरे राष्ट्र को बचाना है। उन्होंने कहा कि 3 और 4 जुलाई को वैसे बच्चे जो पल्स पोलियो की खुराक नहीं ले पाए हैं उन्हें घर घर जाकर पल्स पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी । पल्स पोलियो अभियान में 5 साल तक के लच्छित बच्चों की संख्या 172146 है। अभियान को सफल बनाने के लिए कुल 1061 बूथ बनाएं गए हैं। इसके लिए 128 बूथ सुपरवाइजर बनाए गए हैं । ताकि सभी बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई जा सके । इसके लिए 2290 वैक्सीनेटर की व्यवस्था की गई है। इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार, डॉ महालक्ष्मी प्रसाद , डॉ तूलिका रानी ,डॉ बी के पंडित , देवेंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद थे।

बच्चों को दी गयी पोलियो की खुराक

रजरप्पा। पोलियो को जड़ से खत्म करने के लिए रविवार को 0 से 05 वर्ष तक के बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक पिलाई गई। वरिष्ठ झामुमो नेता सह बीस सूत्री सदस्य जगरनाथ महतो ने भुचुंगडीह स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पल्स पोलियो अभियान के तहत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर उद्घाटन किया । मौके पर स्वास्थकर्मी, आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, सहिया के अलावा बच्चों के परिजन मौजूद थे।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

कुजू। क्षेत्र के नयामोड़-आरा हीरक मार्ग पर शनिवार की देर रात्रि अज्ञात वाहन की चपेट में आकर केटीएम बाइक पर सवार दो युवकों की मौत हो गयी। जबकि तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पुलिस ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। मुरपा एसकेबी में कार्यरत नीलकंठ मुर्मू (25वर्ष) मेहमाड़ी, वर्द्धमान, बंगाल, ब्रह्मदेव करमाली(30 वर्ष) 96 नंबर कॉलोनी, सारूबेड़ा व श्यामलाल मुर्मू सारूबेड़ा निवासी केटीएम बाइक संख्या जेएच 24जी-4741 पर सवार होकर आरा की ओर जा रहे थे। इस दौरान अज्ञात वाहन ने बाइक को चपेट में ले लिया। जिसमें नीलकंठ व ब्रह्मदेव की मौत घटना स्थल पर ही हो गयी। जबकि श्यामलाल गंभीर रूप से घायल हो गया।

मवेशियों की चोरी का दिया आवेदन

बरही ।उज्जैना तिलैया रोड निवासी सुधीर राणा उम्र लगभग 45 वर्ष ने बरही थाना में लिखित आवेदन देकर बताया है कि कुछ दिनो से लगातार गायों की चोरी होने की घटनाएं सामने आ रही है। उन्होंने बताया कि लगभग दर्जनों लोगों के घर से दर्जनों पशुओं की चोरी कर लिया गया। जानकारी के अनुसार सामूहिक रूप से चोरी हुए मवेशियों की खोजबीन करने पर पता चला कि कोनरा के किसी स्थानीय व्यक्तियों की संलिप्तता है। काफी दबाव बनाने के बाद उक्त लोगों द्वारा मिलकर उनके गाय को उनके घर के पास लाकर छोड़ दिया है और उनसे माफी भी मांगते हुए भविष्य में गाय की चोरी नही करने की बात कही। मौके पर विहिप जिला सहमंत्री गुरुदेव गुप्ता समेत दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

अकेला ने मनोनीत किए प्रतिनिधि

बरही। विधायक सह निवेदन समिति सभापति सदस्य राज्य विकास परिषद झारखंड उमाशंकर अकेला ने बरही प्रखंड के विकास कार्यों को सुचारू रूप से संपन्न कराने, विभाग के पदाधिकारियों से संपर्क कर जनता की समस्याओं का समाधान करने एवं विधायक उमाशंकर अकेला की अनुपस्थिति में विभाग की बैठक में भाग लेने के लिए विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किए गए हैं। जिनमें अनुमंडल कार्यालय में वासुदेव यादव और दशरथ यादव, प्रखंड कार्यालय में देवचंद्र यादव, मोहम्मद वारिस अंचल कार्यालय में छोटे लाल यादव, वीरेंद्र यादव, थाना में अब्दुल मनान वारसी एवं अमित जायसवाल, महिला थाना में यासमीन तबस्सुम, स्वास्थ्य विभाग में मोहम्मद रिजवान एवं प्रमोद सिंह, शिक्षा विभाग में गाजो यादव, खाद्य आपूर्ति विभाग में अशोक सिंह व मोहम्मद असलम, विद्युत विभाग में राजू राणा और उदय केसरी, आदिवासी कल्याण विभाग में वीणा उरांव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में मनोज कुमार, वन एवं पर्यावरण विभाग में मोहम्मद तौकीर रजा, कृषि एवं पशुपालन विभाग में महेश यादव, अर्जुन यादव और रंजीत निषाद, मत्स्य विभाग में रंजीत निषाद, अल्पसंख्यक विभाग में मोहम्मद तैयब, बाल विकास विभाग में मनोहर यादव एवं अनुसूचित जाति विभाग में राजकुमार रविदास को विधायक प्रतिनिधि मनोनीत किया गया है।

लायंस क्लब ने किया पौधारोपण

भुरकुंडा (रामगढ़)। पर्यावरण सुरक्षा को ले लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने रविवार को वन डिस्टिक वन एक्टिविटी के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। पर्यावरण दिवस के मौके पर पहली बार लायंस क्लब अफ भुरकुंडा का कमान महिलाओं ने संभाला। साथ ही लोगों को भी अपने जीवन काल में कम से कम एक पौधे लगाने की बात कही। क्लब की महिलाओं ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षित रहेगा तभी मानव जीवन भी सुरक्षित रह सकेगा। पर्यावरण की सुरक्षा हमसबों का दायित्व है ।पौधारोपण कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष लायन माला शर्मा, सचिव लायन रेखा वर्णवाल, कोषाध्यक्ष लायन अंजू देवी, एमजेएफ लायन राजेंद्र महतो, लायन निर्मल अग्रवाल, सूबेदार लायन एचएच यादव, अशोक सिन्हा, लायन विजयंत कुमार, संजय कुमार सिंह, शिवा प्रसाद, विमल प्रसाद आदि का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

चौपारण में बिहार से रजरप्पा आ रहे श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी

एक की मौत, 12 यात्री घायल

घायलों में तीन की हालत गंभीर, रांची रेफर

खबर मन्त्र संवाददात

हजारीबाग। जिले के चौपारण के जीटी रोड के पिपरा के पास रविवार तड़के 3.30 बजे बिहार के जहानाबाद से श्रद्धालुओं को लेकर रजरप्पा मंदिर जा रही थी बस पलट गई, जिसमें एक की मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों में तीन की हालत गंभीर है। बस में 30 श्रद्धालु सवार थे। बताया गया है कि जहानाबाद जिले के घोसी थाना क्षेत्र अंतर्गत धामकपुर गांव से सभी श्रद्धालु बस (बीआर 25 पीएस 1455) में सवार रजरप्पा मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। इस बीच चौपारण के जीटी रोड के पिपरा के पास बस पलट गयी। हादसे में सिकंदर कुमार (20) की मौत हो गयी जबकि 12 लोग घायल हो गए। घायलों में तीन लोगों की हालत गंभीर बतायी जा रही है।

घायलों में संजू देवी (40), जीतू कुमार (10), यशोमती देवी (60), शुभम कुमार (10), वर्षा कुमारी (10), गांगो देवी (45), लीला देवी (45), रूबी देवी (32), लालागोप (60), विंदेश्वर गोप (65) हैं। घायलों में कुछ को प्राथमिक इलाज के बाद अन्य अस्पताल रेफर किया गया है। इलाज के लिए ले जाते समय रास्ते में ही सिकंदर कुमार की मौत हो गई। बस मालिक मंटू प्रसाद की बहन संजू देवी की हालत गंभीर बताई जा रही है। उसे बरही अस्पताल में प्राथमिक उपचार करवाने के बाद रांची रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि बिहार के जहानाबाद घोसी थाना क्षेत्र अंतर्गत धामकपुर के निवासी मंटू प्रसाद ने सेकंड हैंड बस खरीदा था। उनके बेटे कौशल कुमार ने बताया कि बस का पूजा करवाने के लिए रिश्तेदारों और गांव के लोगों के साथरजरप्पा मंदिर जा रहे थे। बस में बच्चे सहित करीब 30 लोग सवार थे।

चौपारण कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष के दुकान के समीप गोलाबारी

तीन खोखा और चार जिंदा कारतूस बरामद

खबर मन्त्र संवाददाता

चौपारण। चौपारण में एक बार फिर गोलियों की तड़तड़ाहट सुनने को मिली। घटना शनिवार रात्रि 12 बजकर 10 मिनट की है जिसमे दो मोटरसाइकिल से 4 लोग आये और प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष विकास यादव के दुकान के पास फायरिंग कर इटखोरी के ओर चले गए तथा कुछ देर बाद फिर वापस आये। बताया जाता है कि फायरिंग ऊपरी छत पर किया जा रहा था। लेकिन गोली वहां तक नही पहुंचा।

तीन राउंडफायरिंग फायरिंग की जिसमे तीन खोखा और 4 जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी शम्भू नंद ईश्वर दलबल के साथ पहुंचे व घटना की जांच में जुट गए।

विकाश यादव द्वारा लगातार अवैध धंधेबाजों के खिलाफ आवाज बुलंद की , जिससे बौखलाए बदमाशों ने घटना का अंजाम दिया। पहले भी अंदेशा लगाया जा रहा था कि जिस गति से अवैध कारोबारियों पर कार्यवाई की जा रही है उसका प्रतिकार की कोशिश उनके द्वारा जरूर की जाएगी।

विधायक ने स्वास्थ्य उपकेंद्र व सड़क का किया शिलान्यास

विष्णुगढ़। मांडू विधायक जयप्रकाश पटेल ने रविवार को प्रखंड के गोविंदपुर में 47 लाख रूपए की लागत से बननेवाली उप स्वास्थ्य केंद्र और जमनीजरा के कुबरीआम से छपरवा तक 84 लाख रुपये की लागत से बनने वाली सड़क एवं गार्डवाल निर्माण का शिलान्यास किया।इस मौके पर विधायक जेपी पटेल ने कहा कि स्वास्थ्य उप केंद्र, गोविंदपुर के बनने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के लोग काफी लाभांवित होंगे। सुचारू रूप से स्वास्थ्य कर्मी स्वास्थ्य उप केंद्र में मौजूद रहेंगे ताकि इलाज करवाने के लिए अस्पताल का चक्कर मरीजों को नहीं काटना पड़ेगा।जबकि सड़क का शिलान्यास करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में सड़क की स्थिति अति दयनीय हो गई थी, जिससे आमजन को आने-जाने में असुविधा हो रही थी।इस क्षेत्र के लोगों एवं कार्यकताओं ने सड़क बनवाने का आग्रह किया था।लोगों की असुविधा को देखते हुए सड़क को पास करवाया।जिसका आज शिलान्यास करने का मौका मिला।वहीं ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त किया।

सामाजिक दायित्व निभाते रहेंगे रोटेरियन : अशोक

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। रोटरी क्लब भवन सौंदा डी में शनिवार को रोटरी क्लब भुरकुंडा का 22वां पदस्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान विगत सत्र के कार्यवाहक सचिव रोटेरियन प्रवीण शर्मा व अध्यक्ष रोटेरियन रामावतार प्रसाद ने बीते सत्र में किये गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात सत्र 2023-24 के लिये चयनित सचिव रो. सुनील प्रसाद व अध्यक्ष रो. अशोक शर्मा को अपना पदभार सौंपा। साथ ही नए सदस्य के रूप में समेन्द्र कुमार साह को रोटरी की सदस्यता प्रदान की गई। अध्यक्ष राम अशोक शर्मा व सचिव सुनील प्रसाद ने पदभार ग्रहण करने के बाद खुशी का इजहार करते हुए कहा कि इस साल भी रोटरी भुरकुंडा मेडिकल कैप, मोतियाबिंद अपरेशन, पौधारोपण, जागरूकता अभियान, कैरियर प्रोग्राम के साथ-साथ अन्य सामाजिक कार्य करेगी। शर्मा ने कहा कि क्लब का एकमात्र उद्देश्य सामाजिक दायित्वों के तहत सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए लोगों की सेवा करना है। उन्होंने कहा कि सभी रोटेरियन अपना सामाजिक दायित्व ईमानदारी पूर्वक निभाते रहें हैं जो आगे भी जारी रहेगा।

बंगाली कॉलोनी की समस्या का हल शीघ्र : विधायक

हजारीबाग। सदर विधायक मनीष जायसवाल ने शहर के वार्ड संख्या 18 स्थित ओकनी, बंगाली कॉलोनी का निरीक्षण किया और स्थानीय समस्याओं से रूबरू हुए। यहां निरीक्षण के दौरान स्थानीय लोगों ने विधायक मनीष जायसवाल को बताया कि नाली की समस्या यहां की सबसे गंभीर समस्या है। इसके अलावे बिजली और पानी की समस्या पर भी सकारात्मक चर्चा हुई। विधायक मनीष जायसवाल ने जल्दी विधायक निधि से नाली निर्माण कराने और बिजली विभाग से वार्ता कर बिजली की समस्या का निदान कराने का भरोसा जताया वहीं नल से जल योजना के तहत इस मोहल्ले को पूर्ण कवर्ड करने का भी आश्वासन लोगों को दिया । मौके पर विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग का कोई भी क्षेत्र विकास से अछूता ना रहे और जरूरी समस्याओं का समय निदान हो सके इसलिए वह हमेशा प्रयासरत रहते हैं ।

मौके पर उमेश कुमार सिन्हा, अविनाश कुमार सिंह, विशाल वर्मा, दिव्यनारायण सिंह, पंकज कुमार, नागेंद्र कुमार, सुबोध कुमार, अरुण कुमार, सरदार अनूप सिंह, सदर विधायक मिडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। समाजसेवी संस्था राष्ट्रीय सेवा मंच द्वारा प्रत्येक सप्ताह की भांति इस रविवार को भी साप्ताहिक बाजार भुरकुंडा में दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों से दातुल-पत्तल बेचने आये गरीबों को भोजन कराया। इस दौरान मुख्य अतिथि भुरकुंडा ओपी प्रभारी अमित कुमार, एएसआई सामंत दास व मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह ने दर्जनों गरीब महिला-पुरूष व बच्चों के बीच पुरी-सब्जी व जलेबी का वितरण किया।

मौके पर डब्लू सिंह बताया कि सबों के सहयोग से मंच द्वारा पिछले 8 वर्षों से गरीबों को भोजन कराया जाता रहा है जो कि आगे भी जारी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य ही गरीबों की सेवा है जो निरंतर जारी रहेगा।भुरकुंडा ओपी प्रभारी अमित कुमार ने मंच के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नेक और सामाजिक कार्य में सब को तन मन धन से सहयोग करना चाहिए।

लाइब्रेरी में 250 अधिक छात्रों ने कराया निबंधन

खबर मन्त्र संवाददता

रामगढ़। शिक्षा ग्रहण करने हेतु विद्यार्थियों को शांत एवं प्रभावशाली वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रामगढ़ शहर अंतर्गत रामगढ़ प्रखंड कार्यालय के समीप जिला पुस्तकालय संचालित है। पुस्तकालय का निर्माण डीएमएफटी के तहत कराया गया है। निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 29 फरवरी 2020 को जिला पुस्तकालय का ऑनलाइन उद्घाटन किया था । जिसके उपरांत कोरोना व अन्य कारणों से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू नहीं हो पाया था। रामगढ़ जिले में उपायुक्त के पद पर पदभार ग्रहण करने के उपरांत रामगढ़ शहर के दौरे के क्रम में उपायुक्त माधवी मिश्रा ने जिले के अन्य अधिकारियों के साथ जिला पुस्तकालय का निरीक्षण किया जिसके उपरांत उन्होंने बच्चों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराते हुए जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त द्वारा लगातार समीक्षा एवं निरीक्षण के कारण अप्रैल 2022 से जिला पुस्तकालय का संचालन शुरू हुआ वर्तमान में पुस्तकालय में 5000 से भी अधिक किताबें विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं। 250 से अधिक बच्चों ने पुस्तकालय में अपना निबंधन कराया है। पुस्तकालय में विद्यार्थियों के लिए मिनरल वाटर, शौचालय, सुरक्षा के दृष्टिकोण से सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य सुविधाएं उपलब्ध है । विद्युत सेवा बाधित होने की स्थिति में बच्चों के लिए इनवर्टर द्वारा विद्युत सप्लाई की सेवा भी उपलब्ध है। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने कहा कि रामगढ़ जिला अंतर्गत

छात्रों को अच्छा शिक्षा देने के लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध : उपायुक्त

विभिन्न क्षेत्रों में रह रहे मेधावी एवं प्रतिभावान विद्यार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने के लिए अच्छा वातावरण उपलब्ध कराने हेतु जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में जिला प्रशासन द्वारा पुस्तकालय का संचालन सफलतापूर्वक किया जा रहा है । वहीं हाल ही में बच्चों के उज्जवल भविष्य व राष्ट्रीय स्तर के शैक्षणिक संस्थानों में उनके प्रवेश हेतु मेडिकल व इंजीनियरिंग कोचिंग सेवा भी निःशुल्क रूप से डीएमएफटी के तहत संचालित की जा रही है। साथ ही अन्य क्षेत्रों में भी कार्य किए जा रहे हैं।

एक नजर में

चरही में चार किलो अफीम के साथ तीन गिरफ्तार

चरही । थाना क्षेत्र से पुलिस ने चार किलो अफीम के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों में सुलेमान सोय, निर्मल सोय और सैयद अमीर हुसैन शामिल है। इनके पास से चार किलो अफीम के अलावा एक स्विफ्ट गाड़ी और पांच मोबाइल फोन भी बरामद किया गया है। एसपी मनोज रतन चौथे ने रविवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मांडू की तरफ से कुछ लोग एक स्विफ्ट गाड़ी में कुछ मादक पदार्थ लेकर बिक्री करने के उद्देश्य हजारीबाग की ओर आ रहे हैं। सूचना के बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनुज उरांव के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने चरही घाटी के पहुंचकर चेकिंग शुरू की। चेकिंग के दौरान स्विफ्ट गाड़ी को रोकने का इशारा किया गया वह भागने का प्रयास किया लेकिन सशस्त्र बलों में उसे घेर कर रोक लिया। जांच करने पर वाहन से अफीम बरामद किया गया।

पोडया टांड़ में धान बीज का वितरण

विष्णुगढ़। अलपिटो पंचायत के अलकोपी पोडया टांड में धान बीज का वितरण किया गया। धान बीज बिरसा मुंडा एग्रो प्रोडूस कंपनी ने अनुसूचित जनजाति के किसानों को बांटा। वितरण पंचायत के उप मुखिया बिनोद रजक, कंपनी के हिरालाल महतो के द्वारा किया गया। हिरालाल ने कहा कि कृषि कार्य में किसानों को निः शुल्क आईआर- 64 उन्नत धान बीज दी गई है । लाभ लेने वालों में राजेंद्र राम, सोनाराम मांझी,सुखदेव मांझी,रुपलाल मांझी, परवी देवी, फूल मनी, सरिता देवी, बसंती देवी, मोहन मांझी अन्य लोग शामिल थे।

शिक्षक और अभिभावकों ने की बैठक

विष्णुगढ़। बिष्णुगढ़ प्रखंड के अलपिटो पंचायत अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय चौथा में सरकार के कार्यक्रम बैक टू स्कूल के बाबत शिक्षक - अभिभावकों ने बैठक कियो बैठक के मुख्य अतिथि अलपिटो उप मुखिया विनोद रजक व एंबेसडर भुनेश्वर यादव उपस्थित थे। जिसमें सरकारी विद्यालय में बच्चों की सत प्रतिशत उपस्थित,वो नामांकन के साथ दैनिक क्रिया कलाप के अलावे विद्यालय छोड़ दिए बच्चों को विद्यालय की और लाने पर विशेष बल देने की चर्चा की गई वहीं उप मुखिया के हाथों दसवीं के टॉप बच्चों को उपहार देकर पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार पाने वालों में विवेक कुमार, राखी कुमारी, सागर कुमार शामिल है। वहीं अभिभावको को कैलेंडर वितरण किया गया । कार्यक्रम में शिक्षक सतीश जायसवाल सभी शिक्षक शिक्षिका के अलावे उप मुखिया विनोद रजक, राकेश यादव,दिलीप यादव,ब्रांड एंबेसडर भुनेश्वर यादव वो अन्य लोग उपस्थित थे।

चरही में अवैध कोयले लदा पिकअप जब्त

चरही । शनिवार रात गश्ती करने के दौरान वन विभाग के लोगों ने अवैध कोयले से लदे पिकअप वाहन को पकड़ा।पकड़े गए वाहन को मांडू रेंज कार्यालय परिसर में लाया गया।जानकारी के अनुसार वाहन नंबर बीआर 27/4852 मांडू की ओर से अवैध कोयला लादकर हजारीबाग की जा रहा था।वनविभाग की वाहन को देख पिकअप वाहन के चालक तेज रफ्तार में भागने लगा।अंततः चरही घाटी खदेड़ कर पकड़ा।चालक वाहन को खड़ीकर अंधेरे का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। गस्ती में मांडू रेंजर विनोद नंद राय और वन कर्मी थे।

योजना को लेकर ग्राम सभा आयोजित

चरही । इंद्रा पंचायत के ग्राम बासाडीह टोला दाहूडाग में योजना को लेकर मुखिया राधिका देवी की अध्यक्षता में ग्राम सभा का आयोजन किया गया।इस ग्राम सभा की बैठक में ग्रामीण विकास पर चर्चा किया गया।डीएमएफटी योजना के द्वारा दाहूदाग झंडा चौक से श्मशान घाट तक पीसीसी पथ निर्माण के लिए योजना दिया गया।मौके पर पूर्व मुखिया दशरथ महतो रोजगार सेवक जगन्नाथ महतो,चमेली कुमारी, राजकुमार प्रसाद,सालखो देवी, भुनेश्वर महतो,पप्पू कुमार महतो, कैलाश महतो,गुरुदयाल महतो,गंगा महतो, प्रेमचंद महतो,सुरेश महतो सही कई ग्रामीण उपस्थित थे।

स्टील प्लांट में रोटरी क्लब ने किया पौधरोपण

चरही। रामगढ़ रोटरी क्लब की सौजन्य से चिंतपूर्णी स्टील प्लांट परिसर में पौधा रोपण कार्य किया गया। पौधा रोपण का कार्य रोटरी क्लब हर वर्ष करते आया है। पंद्रह माइल में स्थापित चिंतपूर्णी स्टील प्लांट के परिसर के अलावा कंपनी के कामगारों को भी कई तरह के पौधा वितरण किए गए। इस मौके पर वीरू भाई मानिक ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण तभी संभव है,जब तक अधिक से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। पौधा रोपण से अधिक महत्वपूर्ण है,रोपण किए गए पौधों को बचाकर तैयार करना। हर व्यक्ति को पौधे लगाकर प्रकृति के संरक्षण की जिम्मेवारी को उठाना चाहिए। शुद्ध हवा,पानी,भोजन सारा पारितंत्र पेड़ -पौधों पर ही निर्भर करता है। मौके पर डॉ आलोक रतन चौधरी, जेपी सिंह, डॉ अशोक बेरेलिया,अरुण राय, कांता सोबती,राजेंद्र जैन,विजय कुमार उपस्थित थे।

अनिल देव व अजीत कुमार ने दिया क्रिकेट किट

दारू। पुनाई पंचायत के मुखिया अनिल कुमार देव और सामाजसेवी अजीत कुमार अपने पंचायत के हर क्षेत्र में चाहे गरीबों को आर्थिक मदद करना, महिलाओं के बीच साडी वितरण , बिरोहर परिवार को गोद लेना,युवाओं को शिक्षा के साथ- साथ खेल भावना जागृत करने में अपनी अहम भूमिका पेश कर रहे है । देव और अजित कुमार ने अपने निजी सहयोग से क्रिकेट किट सामान का वितरण किया । दोनों ने कहा कि हमलोग हमेशा लोगो को मदद करते आ रहे है और हमेशा उनकी मदद करते रहेंगे । अपने क्षेत्र में युवाओं को खेल की भावना से जोड़े रखने के लिए हमेशा उनकी मदद करने को तैयार हूँ । मौके पर प्रदीप यादव , राजकुमार यादव, किशोरी पासवान, राजेश कुमार, सावन कुमार, महावीर प्रसाद, राजकुमार प्रसाद ,जगतपाल राणा ,के अलावे बहुत से ग्रामीण मौजूद थे ।

तुरी समाज के सम्मेलन में शामिल हुए विधायक

हजारीबाग। झारखंड प्रदेश तुरी समाज का हजारीबाग जिला स्तरीय सम्मेलन, हजारीबाग के कारगिल पेट्रोल पंप के समीप स्थित रिंग एंड रोजेज सभागार में रविवार को हुआ। जिसमें हजारीबाग सदर ।विधायक मनीष जायसवाल,समाज के प्रदेश अध्यक्ष चंदन तुरी, प्रदेश महासचिव परशूराम तुरी और प्रदेश कोषाध्यक्ष नागेश्वर तुरी सहित अन्य गणमान्य जनों ने शिरकत किया। समाज के लोगों ने विधायक मनीष जायसवाल सहित अन्य अतिथियों का स्वागत किया । जायसवाल ने समाज के लोगों से आग्रह किया कि सामाजिक बुराइयों का त्याग करके बच्चों के स्वर्णिम भविष्य के लिए उन्हें अच्छी शिक्षा और संस्कार दें साथ ही अपनी सामाजिक एकता बनाएं रखें। समारोह में बड़ी संख्या में हजारीबाग जिले के विभिन्न क्षेत्र से तुरी समाज के लोगों ने भाग लिया और अपनी सामाजिक एकता बरकरार रखने का संकल्प भी लिया ।

स्पीड न्यूज

अबतक नहीं लगा 50% धान का बिचड़ा

कैरो। प्रखंड क्षेत्र में रुक रुक कर हर दो दिन में हो रही बारिश के कारणअबतक किसान मुख्य फसल धान की विचड़ा नहीं कर पा रहे हैं। क्षेत्र में हर दो दिन में भारी वर्षा के कारण किसानों का कहना है कि खेत मे जुताई के लिए नहीं बन पा रहा है जिस कारण विचड़ा डालने का मौका ही नही मिल रहा है और अब समय निकलने लगा है। वहीं बीज दुकान के संचालकों का कहना है कि इस बार बाकी समय के अनुसार अबतक पचास प्रतिशत भी धान बीज की बिक्री नहीं हुई है।

चैनपुर अनुमंडल में हुई क्राइम मीटिंग

चैनपुर। इंस्पेक्टर बैजू उरांव ने चैनपुर अनुमंडल के सभी छः थाना के थाना प्रभारियों के साथ क्राइम मीटिंग किया। जिसमें चैनपुर थाना, कुरूमगढ़ थाना, जारी थाना, डुमरी थाना, रायडीह थाना एवं सुरसांग थाना के थाना प्रभारी शामिल हुए। बैठक में इंस्पेक्टर बैजू उरांव ने सभी थानेदारों को अपने अपने क्षेत्रों में लोगों से आपसी समन्वय स्थापित कर अपराध पर अंकुश लगाने की बात कही। वहीं थाने में लंबित कांडों को जल्द निपटाने को कहा। मौके पर चैनपुर इंस्पेक्टर बैजू उरांव, चैनपुर थाना प्रभारी आशुतोष सिंह, जारी प्रभारी मनीष कुमार, कुरूमगढ़ प्रभारी नीतीश कुमार, डुमरी प्रभारी विवेक पांडेय, सुरसांग प्रभारी देवप्रताप प्रधान, रायडीह प्रभारी अमित कुमार थे।

गुमला में लोगों को स्वरोजगार से जोड़ रहा है जन शिक्षण संस्थान : अमित

गुमला। विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण देकर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त व स्वावलंबी बनाने की दिशा में विकास भारती विशुनपुर के द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान अहम भूमिका निभा रही है। जन शिक्षण संस्थान क्षेत्र के लोगों को प्रशिक्षण देने के बाद उन्हें रोजगार दिलाने में भी सहयोग करता है। अमित मिश्रा ने बताया कि महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण संस्थान दे रही है। वहीं कंप्यूटर, बांस के सामग्री बनाने में दक्ष करने, ब्यूटीशियन, आचार व अन्य सामग्री बनाने हेतु प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

मारपीट का आरोपी गिरफ्तार, जेल

गुमला। थाना क्षेत्र के कीता गांव में डायन बिसाही का आरोप लगाकर वृद्ध महिला देवकी देवी से मारपीट करने वाला उसके भतीजे मुनेश्वर तूरी उर्फ मने को गिरफ्तार कर रविवार को गुमला पुलिस ने जेल भेज दिया। गुमला थाना परिसर में प्रेस कान्फ्रेंस कर इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि डायन बिसाही के शक में मुनेश्वर तूरी ने अपनी चाची देवकी देवी (65) को शनिवार की शाम मारपीट कर घायल कर दिया था। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर अभियुक्त को जेल भेज दिया। गिरफ्तारी में पुअनि दीपक रौशन, सअनि धनंजय सिंह सक्रिय रहे।

सूड़ी धर्मशाला में प्रतिभा सम्मान समारोह

गुमला। सूड़ी समाज गुमला ने रविवार को गुमला बस स्टैंड स्थित सूड़ी धर्मशाला में प्रतिभा सम्मान सह रक्तदान शिविर लगाया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित संरक्षकों और जिलाध्यक्ष ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। जिलाध्यक्ष सूरज साहु ने कहा समाज के लोग अब शिक्षा के प्रति काफी जागरूक हुए हैं। जिसका परिणाम है की आज मैट्रिक और इंटर में समाज के बच्चे काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही वर्ष 2023 मे सरकारी शिक्षक पद पर समाज के कई युवाओं की बहाली हुई है। रक्तदान हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि रक्त का कोई विकल्प नही है। मौके पर समाज के संरक्षक विनय कुमार लाल, सचिव संदीप प्रसाद ने बताया कि रक्तदान शिविर में कुल 26 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान करने वालों में सूरज कुमार साहू, पुनीत कुमार लाल, राहुल चौधरी, गोपाल प्रसाद, सूरज प्रसाद, अवधेश साहू, अलका देवी, अमृता चौधरी, इंदरजीत कुमार, साहू, राजेश कुमार, तुलेश्वर साहू, मिथिलेश प्रसाद, मुकेश साहू, विक्रम कर्मकार, सुमित साहू, नीरज साहू, ज्ञानचंद साहू, ऋतुराज गुलशन, संजय कुमार, अनीता प्रसाद, मोहित साहू, आदित्य साहू, महेश्वर सिंह के नाम शामिल है।

पेड़ लगायें जीवन बचायें : शंकर लाल

गुमला। लायंस क्लब गुमला ने रविवार को सांता पब्लिक स्कूल शास्त्री नगर गुमला में वृक्षारोपण किया। मौके पर लायंस क्लब गुमला के अध्यक्ष शंकरलाल जाजोदिया ने कहा कि पेड़ एक पुत्र के समान है। आज लोग पेड़ों की अवैध कटाई कर रहे हैं जो गलत है। पेड़ से हमें ऑक्सीजन मिल रही है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति से एक पौधा लगाने की अपील की। क्लब के सचिव लायन अशोक जायशवाल ने कहा परिवार में जिस तरह हम अपने लोगों का देखभाल करते हैं उसी प्रकार से हमें वृक्षों का देखभाल करना चाहिए। लायंस क्लब गुमला के पीआरओ लायन हेमंत कुमार ने कहा कि पेड़ है तो जीवन है। प्रत्येक व्यक्ति को एक एक पौधा जरूर लगाना चाहिए। मौके पर पवन अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, बनवारी लाल अग्रवाल, गुलाब चंद्र प्रसाद, विशाल कुमार, अनुराधा प्रसाद, शशि किरण, विशाल कुमार ने भी पेड़ों के महत्व पर प्रकाश डाला।

भाजपा नेता भूपन साहू के पुत्र का निधन

गुमला। वरिष्ठ भाजपा नेता भूपन साहू के पुत्र प्रकाश साहू (30) का टीएमएच हॉस्पिटल टाटा में निधन हो गया। उसके निधन पर गुमला जिला भाजपा ने शोक जताते हुए मृत आत्मा की शांति की प्रार्थना की। शोक प्रकट करने वालों में जिलाध्यक्ष अनुपचन्द्र अधिकारी, सांसद सुदर्शन भगत, राज्यसभा सांसद समीर उरांव, डॉ दिनेश उरांव, डॉ अरुण उरांव, प्रदेश मंत्री मुनेश्वर साहू, पूर्व विधायक जीतवाहन बड़ाइक, कमलेश उरांव, शिवशंकर उरांव, शिवप्रसाद साहू, बालमुकुंद महतो, प्रेम केशरी, मंगल सिंह भोक्ता, पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश गोयल, सुबोध लाल, विनय लाल, विजय मिश्रा, निवर्तमान जिलाध्यक्ष सविंद सिंह, अवधेश प्रताप शाहदेव, यशवंत सिंह, जिला महामंत्री सत्यनारायण पटेल, मिसिर कुजूर, गायत्री देवी, सुजीत नंदा, शैल मिश्रा, जिप अध्यक्ष किरणमाला बाड़ा, उपाध्यक्ष संयुक्ता देवी, रविंद्र सिन्हा, सुधीर नंद, खुशमन नायक, निरंजन सिंह, कृष्णदेव सिंह, रामअवध साहू, रामावतार भगत, अशेष बारला, शंभु सिंह, लक्ष्मीकांत बड़ाइक, राधेश्याम कुशवाहा, जगनारायण सिंह, शिवदयाल गोप, चितरंजन मिश्रा, सूरजदेव सिंह आदि शामिल हैं।

भंडरा में 6 करोड़ की लागत से बनेंगे 30 धूमकुड़िया भवन

- भवन का मंत्री और राज्यसभा सांसद ने किया शिलान्यास
- आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, परंपरा को बचाने के लिए धूमकुड़िया भवन की जरूरत : डॉ रामेश्वर उरांव

खबर मन्त्र संवाददाता

भंडरा। स्थानीय विधायक शाह मंत्री रामेश्वर उरांव राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के द्वारा प्रखंड परिसर में आयोजित समारोह में कुल 6 करोड़ 1लाख 26 हजार की लागत से 30 धूमकुड़िया भवन के निर्माण के शिलान्यास किया गया। शिलान्यास के मौके पर बिशनपुर विधायक के प्रखंड प्रतिनिधि मिट्ठू उरांव, जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी, भंडरा प्रखंड जीप सदस्य राजमणि उरांव, कैरो प्रखंड जिप सदस्य सुखदेव उरांव, सेन्हा प्रखंड जिप सदस्य राधा तिर्की, एसडीओ अरविंद कुमार लाल, बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा, सीओ दिनेश कुमार गुप्ता, रोहित उरांव मुख्य रूप से उपस्थित थे। उपस्थित लोगों के द्वारा नारियल फोड़कर एवं सिलापट से अनावरण हटाते हुए धूमकुड़िया भवन निर्माण का शिलान्यास किया गया। इस मौके पर एक समारोह का आयोजन हुआ।

क्या बोले वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव

समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि आदिवासियों की पहचान उनकी धर्म, संस्कृति, भाषा एवं परंपरा में समाहित है। आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, परंपरा को बचाने के लिए धूमकुड़िया भवन की आवश्यकता है। इसी को देखते हुए झारखंड सरकार के द्वारा क्षेत्र में धूमकुरिया भवन निर्माण का कार्य किया जा रहा है। धूमकुरिया भवन बनने से आदिवासियों को अपने धर्म, संस्कृति, परंपरा को बचाने में मदद मिलेगी। मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा की सभी गांव एवं टोलो में आदिवासी आखरा का निर्माण विधायक कोष से कराया जा रहा है। जहां भी धूमकुरिया भवन या अखरा की आवश्यकता महसूस होती है। वहां की ग्रामीण आवेदन दें। उनके आवेदनों पर उनके इच्छा के अनुसार कार्य किया जायेगा।

क्या बोले राज्यसभा सांसद धीरज साहू

समारोह को राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू ने भी संबोधित किया उन्होंने कहा कि क्षेत्र के आदिवासियों की धर्म, संस्कृति, सभ्यता, भाषा, परंपरा की रक्षा करने के लिए सरकार दृढ़ संकल्पित है। क्षेत्र के आदिवासियों के प्रति सरकार हमेशा ही सहयोगात्मक रही है। इस क्षेत्र के लोग सरकार के कार्यशैली को जानते ओर समझते हैं। इनके द्वारा हमे हमेशा ही प्यार मिलता रहा है। क्षेत्र में धूमकुड़िया भवन के निर्माण में स्थानीय विधायक रामेश्वर उरांव का महत्वपूर्ण भूमिका है। इस कार्य के लिए उन्होंने विशेष रूप से प्रयास कर योजनाओं की स्वीकृति कराया है। समारोह में आये मंत्री राज्यसभा सांसद सहित अन्य अतिथियों का स्वागत पारंपरिक रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्राओं द्वारा किया गया। जेएसएलपीएस के महिला समूह ने स्वागत गीत प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन डीएसओ नारायण राम के द्वारा किया गया ।धन्यवाद ज्ञापन एसडीओ अरविंद कुमार लाल ने किया। कार्यक्रम में जिप सदस्य रीना कुमारी राजमणि उरांव, सुखदेव उरांव, राधा तिर्की, रोहित उरांव, डोमना उरांव, सुखैर भगत, निशीत जयसवाल, जुगल भगत, बीडीओ रंजीत कुमार सिन्हा, सीओ दिनेश कुमार गुप्ता, एमओ भीम उरांव, रऊफ अंसारी, मुखिया इंद्रदेव उरांव, परमेश्वर महली आदि थे।

धूमकुड़िया भवन में सभी सुविधाएं देने का प्रयास

जिला के भंडरा, सेन्हा किस्को, कैरो प्रखंड क्षेत्र में कुल 30 धूमकुड़िया भवन का निर्माण होगा। जिसमे प्रत्येक भवन 2 लाख 4 हजार 200 रुपये की लागत से निर्माण की जायेगी। धूमकुड़िया भवन में सभी सुविधाएं देने का प्रयास किया गया है। जिसमें पानी, शौचालय, बिजली सहित अन्य सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। बताया गया कि भंडरा प्रखंड के कसपुर बिछिया टोली, कसपुर ,मुकुंदा, धोबली, डूमरी, बुडका, बलसोता सरना टोली, सोरदा, पोड़हा, टेटरटोली, सेन्हा प्रखंड के बंनसरी, नवदी, आराहसा, हँसवे नवाटोली, कोरमबे, गोसाई टोली, कंडरा, कलहंपत, अर, चटकपुर, पारही, पाली, गोसाई टोली, पतराटोली। कैरो प्रखंड के चेरीमां झखरा। किस्को प्रखंड के चौरंटागी एवं महुरंगटोली में धूमकुड़िया भवन का निर्माण किया जायेगा।

गर्मी झेल चुके लोगों को बारिश में भी नहीं मिल रही बिजली : सांसद

- मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जिले के लोगों को बिजली मुहैया कराने की अपील
- गांव के जले ट्रांसफार्मर के कारण कई स्थानों में बिजली है ठप

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी पूरा गर्मी जनता परेशान रही। उन्हें बिजली नहीं मिला अब बरसात में भी बिजली लोगों को रुला रही है। उक्त बातें सांसद श्री सुदर्शन भगत ने रविवार को स्थानीय परिसदन में गुमला दौरे क्रम में कही। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बिजली नहीं है लेकिन शहरी इलाकों में भी बिजली दूभर है।

सांसद सुदर्शन भगत व भाजपा जिलाध्यक्ष।

बिजली कड़कने से करीब दो दर्जन गांव से ज्यादा जगहों पर ट्रांसफार्मर जल गया है। शहरी इलाकों में भी कई जगहों ट्रांसफर जलने की सूचना है। गांव में बिजली ब्यवस्था पूरी तरह से ठप है। सांसद ने कहा कि राज्य में कब तक मरम्मती करवा कर ट्रांसफर दीजिएगा। नया ट्रांसफर की खरीद सरकार नहीं कर रही है। ट्रांसफार्मर मरम्मत करने वाले कर्मचारी भी हाथ खड़े कर दिये हैं। विभाग के कर्मचारी तेल की कमी स्पेयर नहीं होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ते है। 100 यूनिट बिजली फ्री देने वाली सरकार गांव में बिजली ही नहीं देती है ये तो दुर्भाग्य है।

- अभी गुमला में डुमरी खास, कामडारा सिसई, पिलखी, संबल, गुमला के मधुवन, कुटवा, अंबोवा विशुनपुर सहित कई गांव में ट्रांसफार्मर जल गया है। लेकिन बिजली विभाग शून्य पड़ा है। विभाग के कर्मी कहते हैं कि हमारे हाथ में कुछ नही है। समानों की खरीददारी नहीं हो रही है। गांव के लोग त्रस्त है। सांसद श्री भगत जी ने राज्य सरकार को बिजली मुहैया कराने की मांग की है। कहा कि राज्य में केंद्र सरकार द्वारा संचालित हर घर नल जल योजना की भी स्थिति अच्छी नहीं है। मोनिटरिंग सही नहीं होने से काम सही नहीं हो रहा है। पीएम मोदी ने पेयजल सुविधा हर घर तक पहुंचाने के लिए यह योजना चलायी पर अभी तक कई गांव में शुरुआत नहीं हुई है।

अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ गुमला जिला कार्यकारिणी की बैठक, बोले

शिक्षा विभाग के कार्यालयों में बेवजह लटकाया जाता है शिक्षकों का फाइल

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ गुमला जिला कार्यकारिणी की बैठक रविवार को जिलाध्यक्ष रामचंद्र खेरवार की अध्यक्षता में राजकीयकृत मध्य विद्यालय गुमला के सभाकक्ष में हुई। बैठक में शिक्षकों के विभिन्न समस्याओं पर चर्चा करते हुए उसके समाधान की दिशा में कार्य करने का निर्णय लिया गया। बैठक में भविष्य निधि की अग्रिम भुगतान, चिकित्सा अवकाश, मातृत्व अवकाश और उपर्जित अवकाश पर विलंब होने से चिकित्सकों ने रोष व्यक्त किया। बैठक में कहा गया कि शिक्षा विभाग के कार्यालयों में शिक्षकों का फाइल बेवजह महीनों तक रोके रखा जाता है। जिसके कारण शिक्षक हमेशा परेशान रहते हैं। बैठक में कहा गया कि शिक्षा विभाग कार्यालय इस दिशा में संज्ञान नहीं लेती है तो संघ संघीय प्रावधान के तहत कार्य करने को बाध्य होगा।

बैठक को संबोधित करते प्रधान महासिवच।

- वहीं प्रारंभिक शिक्षकों के देय प्रोन्नति पर विलंब होने पर भी बैठक में रोष व्यक्त किया गया। ग्रेड 4 व ग्रेड 7 में लंबे समय से प्रोन्नति नहीं दी जा रही है। जबकि ग्रेड 3 भी गुमला जिला में आज तक नहीं हुआ है। बैठक में निर्णय लिया गया कि शिक्षकों की सेवा संपुष्टि का कार्य संघ के पदाधिकारी अपने स्तर से हल करेंगे। वहीं 2004 बैच के शिक्षकों का ओपीएस का फाइल निदेशालय भेजा जाना है वह अभी तक नहीं हुआ है।

दो महीने पहले दफनाया गया व्यक्ति निकला जिंदा

- जिस कुरा उरांव का हुआ था अंतिम संस्कार वो मिला एक होटल में मजदूरी करते
- सवाल अगर कुरा उरांव जिंदा तो शव किसका?
- कूडू थाना प्रभारी ने मामले को लेकर कहा करेंगे जांच

राहुल चौधरी

कूडू। कुडु थाना क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है जिससे सबकी नींद उड़ी हुई है। कुडु थाना क्षेत्र के नावाटोली स्तिथ रुद्र मखाटोली निवासी स्व धनु उरांव के पुत्र कुरा उरांव का उनके परिजनों द्वारा दो महीने पहले अंतिम संस्कार कर दिया गया था,वो व्यक्ति जिंदा निकला,जिसकी चर्चा पूरे गांव में हो रही है। लोगों का कहना है जब ये जिंदा है तो किसके शव को कुरा उरांव का शव बताकर दफना दिया गया ये सवाल अब लोगो को परेशान कर रही है। जानकारी अनुसार कुरा उरांव के शव को परिजनों द्वारा नावातोली स्तिथ कब्रिस्तान में दफना दिया गया था। पर दो महीनो के बाद कुरा उरांव अपने घर लौट आया।

इसी कब्रिस्तान में दफनाया शव और जिंदा कुरा उरांव (इनसेट)।

अपने अंतिम संस्कार से अनजान है कुरा उरांव

उसने बताया कि वो चंदवा के एक होटल में काम करता है उसे तो पता भी नहीं कि परिजनों ने उसका अंतिम संस्कार करते हुए किसी और का शव को उसके जगह दफना दिया गया है। सवाल ये उठता है की अगर कुरा उरांव जीवित है तो किसका शव दफनाया गया। लोगों की दबी जुबान से जमीन हड़पने को लेकर ये साजिश करने की बात कही जा रही है। लेकिन सारी सच्चाई पुलिसिया जांच में ही सामने आ सकती है की आखिर मामला है क्या? बताया जाता है की कुरा उरांव विकलांग है एवम दूसरे शहरों में जा कर होटलों में मजदूरी करता है। कुरा का घर भी नही है। उसका घर गिर चुका है। ग्रामीणों के बीच चर्चा है की शव चंदवा थाना क्षेत्र के बरवाटोली जंगल में मिला था। जिसकी सूचना चंदवा थाना को दी गई थी एवम परिजनों ने शव को कुरा उरांव के रूप में पहचानी करते हुए शव को गांव लाकर अंतिम संस्कार करते हुए दफना दिया। अब सवाल उठ रहा है की आखिर जब कुरा उरांव जिंदा है तो किसके शव को कब्रिस्तान में दफना दिया गया। इस पूरे घटना पर उसके परिजन कुछ भी कहने से बच रहे है। इधर इस मामले पर कुडु थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह ने कहा की उन्हें इस मामले की जानकारी नहीं है ,चूंकि शव चंदवा थाना क्षेत्र में मिला है तो शायद वहा की पुलिस इस दिशा में करवाई कर रही होगी। उन्होंने अपने स्तर से भी इस मामले को जांच कराने की बात कही।

मारवाड़ी युवा मंच के दो सदस्यों ने किया रक्तदान

गुमला। मारवाड़ी युवा मंच गुमला के दो सदस्यं ने रक्तदान किया। जिसमें पंकज साबू और भूषण नर्सरिया ने बी पॉजिटिव रक्तदान कर मरीजों की जान बचायी। पंकज साबू ने कहा हर 3 महीने पर रक्तदान करना चाहिए। इससे शरीर स्वस्थ रहता है। मौके पर लैब टेक्नीशियन राकेश कुमार मंजू किंडो नटवर अग्रवाल अमित मंत्री ऊर्फ गोलू उपस्थित थे।

बजरंग दल का किया गया विस्तार

लोहरदगा। जिला बजरंग दल की बैठक फुलवारी राम मंदिर में हुई। जिसमें संगठन की मजबूती पर चर्चा हुई। साथ ही बैठक में जिला टोली का विस्तार हुआ। जिसमें जिला सहसंयोजक लवकेश राय उर्फ राजा, अखाड़ा प्रमुख चंदन साहू, विद्यार्थी प्रमुख सनी कुमार, गौ रक्षा प्रमुख चंदन गोप को बनाया गया। सभी मनोनित सदस्यों को संगठन की मजबूती के साथ कार्यो को आगे बढ़ाने को कहा गया। अध्यक्षता विहिप के जिला मंत्री सतीश पांडे ने की। बैठक में बजरंग दल संयोजक सचिन कुमार सहसंयोजक उज्जवल कुशवाहा, सुरक्षा प्रमुख उमेश सिंह आदि थे।

बेल्ट और सर्टिफिकेट वितरण समारोह आयोजित

लोहरदगा। जिला कराटे एसोसिएशन एवं एसएस स्पोर्टस कराटे एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में ललित नारायण स्टेडियम में बेल्ट और सर्टिफिकेट वितरण समारोह किया गया। मौके पर रेंसी श्रवण साहु ब्लैक बेल्ट 6वीं डॉन ने कराटेकारों को बेल्ट और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

छह माह की जगह मिला एक माह का राशन

रायडीह। जन वितरण प्रणाली में लूट खसौट की परंपरा लंबे समय से चली आ रही है। लेकिन अब कई-कई महीनों के राशन से लाभुकों का डीलर डकार जा रहे हैं। जबकि राशन आपूर्ति की सारी प्रक्रिया ऑन लाइन है फिर भी डीलर अपने माया जाल के पास से लाभुकों का राशन डकार कर पचा जा रहे हैं। रशन वितरण में दो से तीन किलो अनाज की कटौती कर डीलरों को लाभुकों को दिया जाना अब आम बात हो गई है जो शायद भ्रष्टाचार के दायरे से भी बाहर हो गया है। लेकिन महीने का पूरा अनाज डकार जाना तो भ्रष्टाचार की श्रेणी में जरूर आती है। रायडीह प्रखंड के सिकोई पंचायत के राशन डीलर ने हरा कार्ड के लाभुको को इस वर्ष केवल अप्रैल माह में ही राशन दिया है।

गुमला की नेत्रहीन छात्रा को दिल्ली में पढ़ायेगा तेली समाज

खबर मन्त्र संवाददाता

- छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज के पदाधिकारियों ने पालकोट का किया दौरा
- छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज के सदस्यों की गणना भी पालकोट से किया आरंभ

गुमला। छोटानागपुरिया तेली उत्थान समाज जिला गुमला जिला अध्यक्ष श्यामसुंदर साहू एवं महासचिव शिवचरण साहू ने सामाजिक कार्य हेतु पालकोट प्रखंड का दौरा किया। दौरे के क्रम में पालकोट निवासी कौशल्या कुमारी नेत्रहीन बालिका के पिता त्रिलोचन साहू एवं परिवार से औपचारिक मुलाकात की। विदित हो कि कौशल्या कुमारी समाज के सहयोग से नेत्रहीन विद्यालय रांची में पढ़ाई कर रही थी और 69% मार्क्स

लाकर मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की है। उनकी आगे की इच्छा दिल्ली में पढ़ने की है। अभिभावकों के अनुरोध पर समाज उसकी आगे की पढ़ाई के लिए धनराशि देगा।

ऑटो पलटने से एक महिला की मौत

गुमला। चैनपुर थाना क्षेत्र के हान्दू पुल के समीप ऑटो के पलटने से उरु बरडीह निवासी 45 वर्षीय छबीला देवी व 40 वर्षीय पति देवी घायल हो गई। जिन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल गुमला लाने के क्रम में रास्ते में ही पति देवी की मौत हो गई। जिसका आज पोस्टमार्टम करते हुए परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं छबीला देवी का सदर अस्पताल गुमला में इलाज चल रहा है। घटना के संबंध में मृतक के भगीना करमपाल गोप ने बताया कि कल देर शाम गुमला बाजार करते हुए मेरी मामी और अन्य लोग ऑटो से घर जा रहे थे।

सेवा भारती के जांच शिविर में 41 लोगों ने करायी जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। सेवा भारती लोहरदगा के द्वारा चुन्नीलाल उच्च विद्यालय के परिसर मे लगातार 55 वें सप्ताह के रविवार को भी सुबह 7:30 बजे से निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा शिविर लगाया गया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष दीपक सर्राफ, प्रोफेसर परमानंद प्रसाद अग्रवाल व डॉ कुमुद अग्रवाल ने संयुक्त रूप से भारत माता के तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं पुष्प चढ़ाकर इस शिविर का शुभारंभ किया। इस शिविर में 41 लोगों ने अपना स्वास्थ्य जांच एवं इलाज कराया। प्रो परमानंद प्रसाद ने कहा कि प्रत्येक सप्ताह निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाना बहुत ही सराहनीय कार्य हैं, मानव सेवा से बड़ा कोई कार्य नहीं है। जिलाध्यक्ष दीपक सर्राफ व डॉ कुमुद अग्रवाल ने भी लोगों को संबोधित किया।

तेली समाज को नजरअंदाज कर बंधुआ वोटर समझती है भाजपा : दीनदयाल साहू

- राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक गुमला में संपन्न
- प्रदेश कार्यसमिति को निर्णय लेकर किया गया भंग

खबर मन्त्र संवाददाता

गुमला। राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन झारखंड प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रविवार को सिसई रोड स्थित पोद्दार धर्मशाला प्रदेश अध्यक्ष सुनील साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक राष्ट्रीय अपर महामंत्री श्री दीनदयाल साहू सहित विभिन्न जिलों के अध्यक्ष व सचिव शामिल हुए। मुख्य अतिथि महासंगठन के राष्ट्रीय अपर महामंत्री दीनदयाल साहू ने कहा कि लम्बे समय से तेली समाज अपनी उपेक्षा को बर्दाश्त करता रहा है। बार बार मोदी जी के नाम पर हम थोक वोट भाजपा को देते आ रहे हैं। परन्तु भाजपा लगातार हमें नजर अंदाज कर एवं बंधुआ वोटर समझती है। अब भागीदारी नहीं तो वोट नहीं के तर्ज पर हम निर्णय लेने को बाध्य हो चुके हैं। बैठक को प्रदेश कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष केदार साव, संजय स्नेही, हरिनाथ साहू, प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव साहू, विकास साव, महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षा प्रियंका कुमारी, जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष मनोज गुप्ता, पलामू जिलाध्यक्ष अशोक प्रसाद साव, लातेहार जिला अध्यक्ष श्री रामप्यारे साहू एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुंज विहारी साव ने भी अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय अपर मंत्री को सम्मानित करते गुमला जिला अध्यक्ष।

- बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित करके प्रदेश कार्यसमिति को भंग कर दिया गया ताकि समाज को भागीदारी दिलाने के उद्देश्य को ध्यान में रखकर नयी कार्यसमिति का गठन किया जा सके। राजधानी राँची स्थित आवासीय प्रदेश कार्यालय जो सामाजिक लोगों के ठहरने का एक मात्र निःशुल्क सेवा केन्द्र है। उसे प्रदेश और जिला कार्यसमिति ने आपसी सहयोग से संचालित करने का प्रस्ताव पारित किया। प्रत्येक जिला में प्रत्येक महीना मासिक बैठक करने का प्रस्ताव पारित किया गया

रात्रि पाठशाला के बच्चों ने पौधरोपण कर लिया पर्यावरण रक्षा का संकल्प

खबर मन्त्र संवाददाता

लोहरदगा। सदर प्रखंड के पंचायत जूरिया सेंबर टोली में रविवार को केंद्रीय कमेटी जुरिया के अध्यक्ष एवं रात्रि पाठशाला के संचालक विजय भगत सह वीणा कुमारी भगत और रात्रि पाठशाला के बच्चों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया एवं पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया गया। मौके पर प्रत्येक वर्ष पर्यावरण सुरक्षा के लिए लोगों को जागरूक करने की पहल की गई। कार्यक्रम के बारे में कहा कि हमारा उद्देश्य ग्रामीण बच्चों को शिक्षा के साथ प्राकृतिक की रक्षा करना तथा अपनी संस्कृति और सभ्यता के बारे में जागरूक करना है। ताकि बच्चे जो कल के भविष्य है उन्हें प्रकृति को कैसे सुरक्षित करना है व अपनी संस्कृति एवं सभ्यता के बारे में जानकारी हो तभी वह आगे अपने आने वाली पीढ़ी एवं ग्रामीणों को जागरूक कर सकेंगे।

पौधे लगाते बच्चे व उपस्थित अन्य।

खास बातें : ज्ञात हो कि रात्रि पाठशाला के संचालक विजय भगत एवं वीणा कुमारी भगत पूर्व मंत्री स्वर्गीय मुखला भगत के पुत्र एवं पुत्री हैं जिन्होंने अपने व्यस्त कार्यों से समय निकालकर ग्रामीण बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए तथा उन्हें प्राकृतिक महत्व एवं अपनी संस्कृति एवं सभ्यता को सुरक्षित रखने हेतु जागरूक करने के उद्देश्य से एक छोटी सी पहल रात्रि पाठशाला के रुप में की है। ताकि इसी तरह समाज में शिक्षित वर्ग अगर आगे आकर अपना कुछ समय बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए अपने शिक्षा देंगे तो निश्चित रूप से एक बेहतर समाज बनाया जा सकता है। मौके पर विजय भगत, वीणा कुमारी भगत, शिवदयाल भगत, चंद्रनाथ भगत, बंधन भगत, बिसुनदेव भगत, रामजीत उरांव आदि थे।

स्पीड न्यूज

पांच कुंडीय यज्ञशाला का उद्घाटन

इटखोरी। गायत्री परिवार के तत्वावधान में गायत्री प्रज्ञा पीठ धुना मंदिर में तीन दिवसीय पांच कुंडीय गायत्री चेतना विस्तार महायज्ञ के दुसरे दिन पांच कुंडीय यज्ञशाला का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने किया। उद्घाटन के उपरांत विश्व कल्याण और क्षेत्र वासियों के सुख, समृद्धि, निरोगी जीवन, उज्ज्वल भविष्य और वातावरण के परिशोधन के उद्देश्य से आयोजित गायत्री महायज्ञ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने आहुतियां अर्पित की। इस मौके पर भाजपा नेता सतीश सिंह, गायत्री परिवार के श्यामानंद शर्मा, बसंत सिन्हा, संतोष सिंह, सुशीला देवी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

आजसू पार्टी की प्रखंड स्तरीय बैठक संपन्न

टंडवा (चतरा)। टंडवा के प्रसिद्ध रौनक होटल में आजसू पार्टी की प्रखण्ड स्तरीय बैठक की गई, जिसकी अध्यक्षता जितेंद्र महतो एवं संचालन रंजीत गुप्ता ने किया। बैठक में पार्टी की मजबूती एवं संगठन से सम्बंधित कई बातों पर चर्चा किया गया। इस दौरान आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो एवं गिरिडीह सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी का टंडवा आगमन हेतु कार्यक्रम को सफल बनाने की रणनीति बनाया गया।

मासिक सत्संग का आयोजन

गढ़वा। शहर के स्व.राम लखन प्रसाद कश्यप के पुत्र आलोक कष्यप के आवास पर रविवार को परम दयाल युग पुरूषोत्तम श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद जी का मासिक सत्संग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम शंख वनि वंदे पुरुषोत्तम का जयघोष कर सामूहिक प्रार्थना किया गया। साथ ही भजन, कीर्तन व आरती किया गया। अंत में महाप्रसाद का वितरण किया गया। इस दौरान लोगों ने श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी के बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया।

प्राथमिक अभियुक्त गिरफ्तार

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत लतबेदवा से एक प्राथमिक अभियुक्त चंदन कुमार राणा पिता बसंत राणा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि उक्त अभियुक्त कांड संख्या 119/23 कै तहत मामला दर्ज था।

निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व जागरूकता कैंप का आयोजन

चंदवारा (कोडरमा)। प्रखंड अंतर्गत पिपराडीह पंचायत सचिवालय में जीवन सवेरा फाउंडेशन के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच व जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जीवन सवेरा फाउंडेशन के कार्यक्रम पदाधिकारी सुजीत नायक के द्वारा किया गया।

विदाई समारोह आयोजित

जयनगर (कोडरमा)। थाना से सेवानिवृत हुए चौकीदार के सम्मान में रविवार को थाना परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। वहीं चौकीदार चंद्रदेव पासवान को थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिन्हा द्वारा माला व गमछा, बैग, किताब, छाता देकर सम्मानित करते हुए विदाई दी गई। वहीं सेवानिवृत चंद्रदेव पासवान ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान समाज एवं ग्रामीण पुलिस के रूप में हमेशा निष्ठा पूर्वक दायित्वों का निर्वहन किया, आज जो यह सम्मान दिया जा रहा है, उसे आजीवन याद रखेंगे। वहीं थाना प्रभारी ने कहा कि इनके सेवाकाल में अपने क्षेत्र के हर छोटी से छोटी गतिविधि पर ध्यान रखते हुए पदाधिकारी को सूचित करते हुए काफी इमानदारी से अपने सेवाकाल में कार्य किये।

प्रिंसिपल ने किया प्रशासन को सूचित

कोडरमा। झुमरीतिलैया स्थित गांधी स्कूल परिसर में स्कूल अवधि के दौरान वहां अनधिकृत रूप से प्रवेश शैक्षणिक कार्य में बाधा पहुंचाने को लेकर स्कूल के प्रिंसिपल की ओर सेघ प्रशासन को सूचित किए जाने केघ मामले में 26 लोगों के विरुद्ध अनुमंडल पदाधिकारी के न्यायालय की ओर से 107 की कार्रवाई की गईघ है। इसके तहत शनिवार को वाद की सुनवाई भी की गई। विद्यालय में इसी सत्र से छात्राओं का नामांकन भी प्रारंभ किया जा चुका है।

पीएलएफआइ के दो उग्रवादी गिरफ्तार

हथियार व नक्सली पर्चा बरामद, गिरफ्तार अभियुक्तों पर हैं कई मामले दर्ज

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। रंका पुलिस ने छापामरी कर पीएलएफआई दो उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार उग्रवादियों में पलामू जिला अंतर्गत चैनपुर थाना क्षेत्र के करसो ग्राम निवासी परदेशी यादव उर्फ प्रदीप यादव तथा गढ़वा जिला अंतर्गत डंडा थाना क्षेत्र के भिखही ग्राम निवासी सीताराम चौधरी का नाम शामिल है। एसपी अंजनी कुमार झा के निर्देश पर पुलिस ने विशेष छापामारी अभियान चलाकर रंका थाना क्षेत्र के सिंजो ग्राम स्थित भौवराहा जंगल से दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 12 बोर का

प्रेस कॉन्फ्रेंस करते एसडीपीओ

दो देषी भरठुआं राईफल, 12 बोर का एक लोडेड कट्टा, तीन मोबाईल, पिठू बैग, वर्दी, खोखा, पीएलएफआई लिखा हुआ पर्चा, टार्च एवं खाद्य सामग्री आदि बरामद किया गया है। रंका एसडीपीओ संतोष कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर यह जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि रंका अनुमंडल क्षेत्र के चिनियां, रमकण्डा थाना क्षेत्र में उग्रवादी संगठन के नाम पर परदेशी यादव और उसके सहयोगियों द्वारा क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों को बाधित करने, हथियार का भय दिखाकर ठेकेदारों व जनप्रतिनियिों से लेवी की मांग करने की लगातार शिकायत प्राप्त हो रही थी। एसपी के निर्देशानुसार रंका एसडीपीओ के नेतृत्व में अनुमंडल पुलिस की विशेष छापामारी दल गठित कर इस संगठन में शामिल परदेशी यादव सहित अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा था। इस दौरान मिली गुप्त सूचना के आधार पर परदेशी यादव एवं सीताराम चौधरी को पुलिस ने चारो तरफ से घेरकर भौवराहा जंगल से गिरफ्तार कर लिया। जबकि इनके साथ में मौजूद कमलेश यादव रात्रि में अंधेरा का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। गिरफ्तारी के बाद इनके पास से हथियार, मोबाईल, नक्सली पर्चा आदि बरामद किया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि परदेशी यादव टीपीसी, जेजेएमपी, पीएलएफआई आदि उग्रवादी संगठनों के नाम पर विकास कार्यों को बाधित करते हुए लेवी वसूलता था। इसके विरूद्ध रंका, रमकंडा एवं चैनपुर थाना में आर्म्स एक्ट, लेवी वसूलने, हथियार का भय दिखाकर लूटपाट करने आदि के चार मामले दर्ज हैं। जबकि सीताराम चौधरी के विरूद्ध रंका एवं डंडा थाना में दो मामले दर्ज हैं। छापामारी दल में एसडीपीओ सहित रंका थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, रमकंडा थाना प्रभारी षिवलाल गुप्ता, श्रवण कुमार, बादल मुंडा सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

कांवरियों के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था : एसपी

खबर मन्त्र संवाददाता

कोडरमा। श्रावणी मेले के मौके पर जिले के रास्ते देवघर जाने वाले कांवरियों की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से चाक-चौबंद व्यवस्था की गई है। इस संबंध में जानकारी देते हुए एसपी कुमार गौरव ने बताया कि देवघर जाने वाले कांवरियों की सुरक्षा के लिए जिले के चंदवारा, झुमरीघतिलैया, कोडरमा, डोमचांच व मरकच्चो थाना प्रभारियों को विशेष निर्देश जारी कर कहा है कि देवघर जाने वाले रास्ते में दिन व रात पुलिस गश्त नियमित रूप से किए जाने के अलावा सुरक्षा के अन्य पहलुओं पर विशेष ध्यान देना सुनिश्चित करेंगे।

महिला पर पेड़ की डाली गिरने से गंभीर, रिम्स रेफर

जयनगर (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत देवीटांड में रविवार को लकड़ी तोड़ने के दौरान एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद महिला के परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहीं घायल महिला की पहचान 55 वर्षीय कामीदा खातून पति अब्दुल हमिद अंसारी ग्राम देवीटांड निवासी के रूप में हुई है। वहीं महिला के परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार कामीदा खातून एक सूखे पेड़ की टहनियों को तोड़ रही थी, इस दौरान पेड़ की टहनी का एक बड़ा हिस्सा उसके ऊपर गिर गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई।

वज्रपात से दो बच्चे की मौत व पांच घायल

खबर मन्त्र संवाददाता

सतगावां (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत मीरगंज पंचायत के झरगांव में रविवार की दोपहर 3 बजे के करीब बारिश के पूर्व हुए वज्रपात से दो बच्चों की मौत हो गयी। पहली घटना में एक बच्चे की स्थिति गंभीर है, घटना में वज्रपात में भी एक बच्चा व दो महिलाएं गम्भीर रूप से घायल हो गये। वहीं मृतक की पहचान नवादा जिले के थाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत बुधवारा गांव निवासी फंटूश भुइयां की 8 वर्षीय पुत्री ऋतु कुमारी व मीरगंज पंचायत के झरगांव निवासी कुलेश्वर भुइयां के 5 वर्षीय पुत्र बालवीर कुमार के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल बच्चे की पहचान नवादा जिले के थाली थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवारा गांव निवासी फंटूश भुइयां के 4 वर्षीय पुत्र सितम कुमार के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मृतका ऋतु कुमारी व गंभीर रूप से घायल सितम कुमार सहोदर भाई-बहन है,

जबकि मृतक बालवीर कुमार ममेरा फुफेरा भाई है। वहीं स्थानीय लोगों ने बताया सभी बच्चे अन्य दिनों की भांति घर के बाहर खेल रहे थे, खेलने के दौरान यह घटना घटी। वहीं बारिश के पूर्व ही एकाएक वज्रपात हुई और मौके पर ही एक बच्चे की मौत हो गई। वहीं दूसरे की मौत इलाज के लिए ले जाने के दौरान रास्ते में ही हो गई। जिसके बाद परिजन वज्रपात से घायल बच्चों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां डक्टरों ने ऋतु कुमारी व बालवीर कुमार को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल सितम कुमार का प्राथमिक उपचार किया गया। घटना की सूचना पाकर बीडीओ बैधनाथ उरांव व सतगावां थाना प्रभारी आनंद कुमार साह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं दूसरी तरफ पंचायत कटैया में खेत में काम करने के दौरान वज्रपात से एक बच्चे सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं घायलों की पहचान कटैया गांव निवासी 50 वर्षीय मीना देवी पिता कुल्लू सिंह, 40 वर्षीय गीता देवी पति अजय ठाकुर व बच्चे 12 वर्षीय पीयूष कुमार पिता सुरेश प्रसाद यादव के रूप में हुई है। जिसका इलाज नवादा जिले के गोविंदपुर स्थित निजी क्लीनिक में कराया जा रहा है।

झारखंड अलग राज्य निर्माण का सपना अब हो रहा है पूरा : मिथिलेश

150 से अधिक युवाओं ने थामा झामुमो का दामन

खबर मन्त्र संवाददाता

गढ़वा। रंका प्रखंड के कंचनपुर पंचायत सहित अन्य पंचायतों के 150 से अधिक युवाओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा। रविवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर सभी ने झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने सभी को माला पहना कर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत करते हुए पार्टी में शामिल कराया। झामुमो के युवा प्रखंड अयक्ष दीपक कुमार सोनी, युवा उपायक्ष मुकेश तिवारी, किशोर

माला पहनाकर पार्टी में शामिल कराते मंत्री

ओझा, सदस्य संतोष राम एवं लभली उरांव के नेतृत्व में रामबाबू ठाकुर, जितेंद्र यादव, ओम प्रकाश यादव, सचिन यादव, उमेश भूईया सहित 150 से अधिक युवाओं ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की। ये सभी लोग मंत्री श्री ठाकुर के कार्यों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी और बहुजन समाज पार्टी छोड़कर झामुमो में शामिल हुए। मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि माटी की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा में सभी का स्वागत है। इन ऊर्जावान युवाओं को पार्टी में शामिल होने से पार्टी और मजबूत होगी। इनके उत्साह और उमंग का लाभ पार्टी को मिलेगा। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन ने जिस सोच के साथ अलग झारखंड राज्य का निर्माण कराया था, उनका सपना अब पूरा हो रहा है।

मंत्री की पहल पर गढ़वा विस क्षेत्र में 11 हाई मास्ट लाइट लगायेगा ग्रासिम इंडस्ट्रीज

गढ़वा। ग्रासिम इंडस्ट्रीज रेहला गढ़वा विधानसभा क्षेत्र में 11 स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाएगा। गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के प्रयास से आदित्य बिड़ला ग्रुप का ग्रासिम इंडस्ट्रीज की सीएसआर फंड से यह हाई मास्ट लाइट लगा रहा है। जानकारी देते हुए मंत्री श्री ठाकुर ने बताया कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज अपने सीएसआर फंड से गढ़वा विधानसभा क्षेत्र के गढ़वा प्रखंड अंतर्गत तिलदाग पंचायत के तिलदाग मोड़, चिरौंजिया पंचायत के ब्रह्मा स्थान खजूरी, बेलचंपा में एसआईएस मोड़ बेलचंपा, प्रतापपुर पंचायत में पतसा चौक, महुलिया पंचायत के पचपड़वा बाजार में, मेराल प्रखंड अंतर्गत ओखरगाड़ा पंचायत के पचफेड़ी मोड़, चेचरिया पंचायत के अटौला बस स्टैंड चौक, दुलदुलवा पंचायत के पेशका बाजार में, डंडा प्रखंड अंतर्गत डंडा पंचायत के गुलर मोड़ (फूलन देवी चौक), रंका प्रखंड अंतर्गत चुटिया पंचायत के गोदरमाना बजरंग चौक तथा रमकंडा प्रखंड अंतर्गत उदयपुर पंचायत के उदयपुर बाजार चौक पर हाई मास्ट लाइट लगाएगा। मंत्री श्री ठाकुर ने बताया कि ग्रासिम इंडस्ट्रीज की ओर से प्रथम चरण में इन स्थानों पर हाई मास्ट लाइट लगाया जा रहा है।

कब्रिस्तान के पास नदी में बना गार्डवाल पहली बारिश में ध्वस्त

खबर मन्त्र संवाददाता

सिमरिया। प्रखंड के केंदू गांव स्थित कब्रिस्तान का बाउंड्रीवाल के साथ नदी किनारे बना गार्डवाल पहली बारिश में ध्वस्त हो गया। गार्डवाल का निर्माण कल्याण विभाग से किया गया था। गार्डवाल का निर्माण दो माह भी नही हुआ है और बारिश में ध्वस्त हो गया है। गार्डवाल ध्वस्त होने से निर्माण कार्य में अनियमितता का उजागर हुआ है। गार्डवाल निर्माण में संवेदक द्वारा घोर अनियमितता बरती गई है। जिसके कारण गार्डवाल पहली बारिश भी झेल नहीं पाया और ध्वस्त हो गया है। गार्डवाल निर्माण के समय यहां के ग्रामीणों ने योजना में बालू के अनुपात में सीमेंट का बहुत कम मात्रा में देने का विरोध जोर शोर से किया था। उस समय ग्रामीणों ने विरोध करते हुए कहा था कि संवेदक द्वारा किए जा रहे निम्न स्तर का घटिया कार्य के कारण मानसून की पहली बारिश में ही गार्डवाल धाराशाही हो जाएगा और इसका नामो निशान मिट जाएगा। लेकिन संवेदक ने ग्रामीणों को उल्टा चश्मा पहना गलत को सही पाठ पढ़ा दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने कल्याण विभाग से शिकायत की थी। लेकिन विभाग द्वारा इस पर कोई करवाई नही किया गया। नतीजा यह हुआ कि गार्डवाल पहली ही बारिश में ध्वस्त हो गया। ग्रामीणों ने उपायुक्त से संवेदक के खिलाफ करवाई करते हुए गार्डवाल का निर्माण कराने की मांग की है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में मैट्रिक में उत्कर्ष करने वाले बच्चों हुए सम्मानित

बच्चों को अच्छे समाज के निर्माण में योगदान देने को प्रेरित करें : जिप उपाध्यक्ष

खबर मन्त्र संवाददाता

इटखोरी (चतरा)। रविवार को इटखोरी प्रखंड अंतर्गत की पितीज में उत्कर्ष ज्ञान कोचिंग सेंटर के द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, विशिष्ट अतिथि चतरा प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश रजक, चतरा डीएसपी केदाराम नाथ, भाजपा नेता सतीश सिंह, राजद महिला मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका वर्मा, पंचायत समिति सदस्य रूबी देवी, पूर्व मुखिया कुसुम देवी, शिक्षक सुदर्शन दुबे, उत्कर्ष ज्ञान कोचिंग सेंटर के संचालक मंजीत आर्य मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। वंही अतिथियों को तिलक लगाकर व स्वागत गीत तथा माला पहनाकर व गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। उत्कर्ष ज्ञान कोचिंग सेंटर में झारखण्ड बोर्ड परीक्षा 2023 में 10 वीं में 80 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय व कोचिंग

संस्थान को गौरवान्वित किया है, उन छात्र-छात्राओं को प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। टॉपर किए गए छात्र-छात्राओं को मेडल, प्रपत्र तथा नगद पुरस्कार किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला परिषद उपाध्यक्ष बिरजु तिवारी ने उत्कर्ष ज्ञान कोचिंग सेंटर को एक कंप्यूटर सेट देने की घोषणा किया है। उन्होंने कहा है कि इस कंप्यूटर सेट से उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के सभी छात्र छात्राओं निशुल्क शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा है कि टॉपर निशा कुमारी व अन्य छात्रों द्वारा इस कंप्यूटर के द्वारा अन्य छात्रों को शिक्षा देना है। साथ ही उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के संचालक मंजीत आर्य समेत अन्य शिक्षकों को शुभकामना दी। साथ ही कहा कि बच्चों को इसी तरह मजबूत बनाते रहे व अच्छे समाज के निर्माण में योगदान देने में संकल्पित करें। चतरा प्रखंड विकास पदाधिकारी गणेश रजक ने कहा है कि पहले की अपेक्षा लड़कों से ज्यादा लड़कियां शिक्षा पर ध्यान दे रही है। वहीं अन्य अतिथियों ने शिक्षा पर जोर दी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उत्कर्ष कोचिंग सेंटर के संचालक मंजीत आर्य, रूपेश रंजन, कृष्णा कुमार, डब्लू कुमार केसरी, अखिलेश यादव, सुनील दास, रवीना कुमारी, अनामिका कुमारी समेत अन्य शिक्षक व शिक्षिकाएं का भूमिका रहा। मौके पर सैकड़ों की संख्या में बच्चे व लोग उपस्थित थे।

एक नजर में

जिप उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी ने किया साप्ताहिक निःशुल्क जांच शिविर का उद्घाटन

चतरा। लायंस क्लब,चतरा द्वारा हेरुवा शिव मंदिर प्रांगण,चतरा में साप्ताहिक निशुल्क मधुमेह एवं रक्तचाप जांच सह परामर्श शिविर का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि जिला परिषद् उपाध्यक्ष सह लायंस क्लब,चतरा के संरक्षक बिरजू तिवारी ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक अच्छा स्वास्थ्य रोगों और बीमारियों से आजादी है और यह एक व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक और सामाजिक भलाई की भावना है। यदि कोई अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखता है तो वह वास्तव में, पूरे जीवन के लिए सबसे कीमती उपहार को पाता है। जीवन के सभी आयामों जैसे -शारीरिक, मानसिक और सामाजिक आदि में स्वस्थ रहना बहुत आवश्यक है। मौके पर अध्यक्ष डाक्टर हसदेव गुप्ता, उपाध्यक्ष चन्द्रशेखर लाल गुप्ता, उपाध्यक्ष बसंत कुमार दांगी, सचिव माधी गुप्ता, विकास कुमार स्नेही, मार्केट चेयर पर्सन प्रहलाद यादव, समुह संचालक दीपक कुमार समेत लायंस क्लब के अनेकों का गणमान्य पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

भाजपा छोड़कर मेराल के एक दर्जन से अधिक लोग झामुमो में शामिल

गढ़वा। मेराल प्रखंड के चामा पंचायत से भाजपा छोड़कर एक दर्जन से अधिक लोग झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल हो गए। रविवार को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर के गढ़वा स्थित आवास पर सभी ने झारखंड मुक्ति मोर्चा की सदस्यता ग्रहण की। मंत्री श्री ठाकुर ने माला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सभी को पार्टी में शामिल कराया। झामुमो के चामा पंचायत अध्यक्ष मुसाहेब अंसारी के नेतृत्व में सभी ने माटी की पार्टी झामुमो की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल होने वालों में मुख्य रूप से भाजपा के पूर्व मंडल महामंत्री उपेंद्र विश्वकर्मा, विलास कुमार रवि, रमेश कुमार रवि, राजेश कुमार रवि, सचिन कुमार, बहादुर विश्वकर्मा आदि का नाम शामिल है। इस मौके पर पार्टी में शामिल होने वाले लोगों उपेंद्र विश्वकर्मा आदि ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा ही झारखंड एवं झारखंडियों की असली हितैषी पार्टी है। यहां सभी लोगों को पूरा मान, सम्मान एवं उचित हक, अधिकार मिलता है। जबकि भाजपा में छोटे कार्यकर्ताओं की कोई पूछ नहीं होती है। भाजपा की सरकार में न तो गढ़वा और न ही झारखंड में कोई भी विकास कार्य हुआ। परंतु आज झामुमो की सरकार झारखंड एवं झारखंडियों के हित में काफी बेहतर कार्य कर रही है।

आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे सहायक अध्यापक, करेंगे उग्र आंदोलन

गढ़वा। झारखंड सरकार की वादाखिलाफी से सहायक अध्यापकों (पारा शिक्षक) में काफी आक्रोश है। अब सभी सहायक अध्यापक सरकार से आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। साथ ही उग्र आंदोलन की भी तैयारी की जा रही है। इस संबंध में गढ़वा जिला टेट पास सहायक अध्यापक समन्वय समिति की बैठक रविवार को गढ़वा सदर अस्पताल परिसर में आयोजित की गई। इस बैठक में टेट पास सहायक अध्यापकों ने अपनी विभिन्न मांगों के समर्थन में आगामी नौ जुलाई को गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर का गढ़वा स्थित आवास का घेराव करने का निर्णय लिया है।

आजसू की बैठक आयोजित आंदोलनकारी सम्मानित

गढ़वा। प्रखंड के जाटा ग्राम में रविवार को आजसू पार्टी की बैठक जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पार्टी के केंद्रीय सचिव शंकर प्रताप विश्वकर्मा, पार्टी के केंद्रीय सदस्य चंपा देवी, पार्टी के जिला प्रवक्ता राकेश शुक्ला उपस्थित थे। इस दौरान झारखंड आंदोलनकारियों को अंग वस्त्र व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही गढ़वा जिले में षि के क्षेत्र में उत्ष्ट कार्य करने वाले किसान मोती महतो को अंग वस्त्र और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित होने वालों में भोला यादव, नंदलाल मेहता, अजीत प्रजापति, भोला विश्वकर्मा, ष्णकांत आदि का नाम शामिल है। मौके पर जिलायक्ष श्री शर्मा ने कहा कि झारखंड आंदोलन से जुड़े आंदोलनकारियों को सरकार भूल गई है। पूर्व की सरकार ने आंदोलनकारियों के सम्मान में 128 लोगों का ताम्रपत्र गढ़वा प्रशासन को उपलब कराया था। लेकिन सरकार और जिला प्रशासन के उदासीन रवैया के कारण आंदोलनकारियों को यह सम्मान से वंचित होना पड़ रहा है। जबकि जिला प्रशासन के द्वारा यह बोला जाता है कि आाार कार्ड लेकर नजारत को दिखलाइए और ताम्रपत्र ले जाइए। जिला प्रशासन का इस तरह का रवैया आंदोलनकारियों का अपमान है। इस विषय को लेकर जिला प्रशासन से आजसू की टीम मिलेगी और इनके हक और सम्मान के लिए आगे की लड़ाई भी लड़ेगी। पार्टी के केंद्रीय सचिव ने कहा कि सरकार के कथनी और करनी में काफी अंतर है।

कालिख पोत सिर मुड़वाकर घुमाने के आरोप में तीन गिरफ्तार

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। थाना क्षेत्र अंतर्गत भादोडीह में 62 वर्षीय वृद्ध केघ घर में घुसकर मारपीट करते हुए चेहरे पर कालिखघ पोतने व सर का बाल मुड़वाकर घुमाने का मामला सामने आया है। घटना 25 जून की बताई गई है। इसे लेकर वृद्ध के पुत्री ने थाने मेंघ आवेदन देकर गांव के मो.अब्दुल्लाह, मो. मुस्ताक, मो.असफाक सिद्दिकी, मो.शहबाज सिद्दिकी, मोघ इश्तियाक सिद्दिकी, मो. अरबाज सिद्दिकी, मो. रब्बानी को आरोपी बनाते हुए थाने में आवेदन देकर मामला दर्ज कराया गया है। जिस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मो. अब्दुल्लाह, मो. मुश्ताक व मो. शहबाज को गिरफ्तार कर लिया है एवं अन्य की तलाश कर रही है। थाने में दिए गएघ आवेदन में कहा गया है कि उपरोक्त लोग 25 जून की रात 10 बजे उसके घर में जबरन घुस आए औरघ मकान के एग्रीमेंट पेपर पर उनके पिता मो.मुस्तकीम से जबरन हस्ताक्षर लेने का प्रयास किया। इस दौरानघ उपरोक्त लोगों ने उनके पिता, बहन व उसके साथ मारपीट कर कपड़े भी फाड़ दिये। वहीं 26 जून को पुनः 7 बजे उपरोक्त सभी लोग उनके घर आए और उनके पिता पर झूठा इल्जाम लगाकर उनके चेहरे परघ कालिख पोता और सर मुड़वाकर जूते का हारघ पहनाकर मुहल्ले में घुमाया, जिसके बाद से उनकेघ पिता लापता है। मामले को लेकर कार्रवाई करने की मांग की है।

बिजली विभाग में कई अधिकारियों का हुआ स्थानांतरण, कई ने किया पदभार ग्रहण

झुमरीतिलैया (कोडरमा)। झारखण्ड उर्जा विकास लिमिटेड के कोडरमा विद्युत कार्यालय में कई अधिकारियों का स्थानांतरण एवं पदस्थापना किया गया है। इसमें ईई सप्लाई के रूप में सुब्रतो बनर्जी ने निवर्तमान ईई मनोज सिंह से पदभार ग्रहण किया। वहीं मनोज सिंह का स्थानांतरण हजारीबाग हुआ। वहीं नये ईई सुब्रोतो बनर्जी ने कहा कि विधुत व्यवस्था को सुदृढ करने के साथ-साथ बेहतर विधुत उपलब्ध कराना प्राथमिकता में होगी। उन्होनें उपभोक्तओं से समय पर बिजली बिल भुगतान करने की अपील की। वहीं एमआरटी में ईई में सरताज कुरैसी ने पदभार ग्रहण किया। वहीं झुमरीतिलैया में विभागीय एसडीओ सरायकेला से स्थानांतरित होकर आये गजेन्द्र टोपो ने निवर्तमान एसडीओ पुरन घासी से पदभार ग्रहण किया। वहीं पुरन घासी का स्थांनतरण भुरकुंडा हो गया है। वहीं कोडरमा व डोमचांच में विभागीय एसडीओ पंकज मेहरा का स्थांनांतरण छतरपुर हुआ, उनके स्थान पर चाईबास के संदीप कुमार पदभार ग्रहण किया। जबकि सतगावां में उज्जवल तिवारी ने पदभार ग्रहण किया।

लोध फॉल की खूबसूरती उफान पर, पर्यटकों की उमड़ रही है भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

महुआडांड़। महुआडांड़ झारखंड में प्राकृतिक खूबसूरती की कोई कमी नहीं है। यहां के जल-जंगल हमेशा से लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। ऐसे में महुआडांड़ प्रखंड अंर्तगत चटकपुर पंचायत के बूढ़ा नदी पर स्थित लोध जलप्रपात का इन पर्यटन स्थल में अलग ही स्थान है।लोध फॉल को देखने के लिए काफी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। बारिश के मौसम के कारण लोध वॉटर फॉल या बूढ़ा घाघ जलप्रपात की खूबसूरती देखते ही बनती है।वही पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जलप्रपात में पानी का स्तर भी काफी अच्छा है।

लोध फॉल की खूबसुरती

जिसके कारण इसकी खूबसूरती निहारने आसपास के राज्यों से भी लोग यहां पहुंच रहे हैं। 143 मीटर की ऊंचाई से कल-कल करता लोध वॉटर फॉल पर्यटकों का मन मोह रहा है। बताते चलें कि यह झारखंड का सबसे ऊंचा जलप्रपात है। गौरतलब है सीएम हेमन्त सोरेन भी जब लोध फॉल देखने आए थे तब उन्होंने भी लोध फॉल की खूबसूरती देख अत्यंत प्रशंसा की थी साथ ही अपने कैमरे में लोध फॉल की कई फोटोग्राफ कैद की थी। अपने दौरे के क्रम में सीएम ने लोध फॉल को पर्यटक स्थल के तौर पर विकसित करने की बात कही थी।हाल ही में पचास लाख की लागत से लोध फॉल में करीब 25 मीटर लंबा लकड़ी का पुल बनाया गया है।इसके साथ ही पर्यटकों के बैठने के लिए चार गजीबों को बनाया गया है। लकड़ी के पुल तक जाने के लिए पूर्व से निर्मित सीढ़ी की मरम्मति कर उसके एक किनारे रेलिंग बनाया गया है। पर्यटकों की सुविधा के लिए महिला और पुरुष का अलग-अलग शौचालय बनाया गया है।

एक नजर में

कार्यक्रम आयोजित कर माइंस प्रभारी को दी गयी विदाई

विदाई देते लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र स्थित सीसीएल द्वारा संचालित मगध कोलियरी में माइंस इंचार्ज के पद पर कार्यरत राकेश कुमार का स्थानांतरण अरगड़ा कोल परियोजना में हो जाने के बाद उनके सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया और उन्हें विदाई दी गई।

मौके पर बोलते हुए मगध संघमित्रा परियोजना के जीएम नृपेंद्र नाथ ने कहा कि राकेश कुमार काफी सुलझे हुए व्यक्तित्व हैं। मैनेजर के पद में कार्यरत रहते हुए उन्होंने अपनी जिम्मेवारी का संपूर्ण निर्वहन किया। हम लोग इनके स्थानांतरण हो जाने पर काफी दुखी है। लेकिन यह नौकरी की एक प्रक्रिया है कि लोग का एक दूसरे जगह ट्रांसफर पोस्टिंग लगी रहती है। मौके पर सिविल ऑफिसर सुनील मनोहर भास्कर, खान प्रबंधक मोहम्मद अकरम, विक्रय पदाधिकारी दया शंकर ओझा, माइन इंचार्ज संजय कुमार बेहेरा, सेफ्टी ऑफिसर सत्य नारायण प्रसाद, परियोजन अभियंता (असैनिक) पंकज सरकार, उप प्रबंधक (कार्मिक) असीम प्रकाश, सहायक प्रबंधक (कार्मिक), आकाश वरुण कुल्लु, सहायक प्रबंधक(सर्वेक्षक) छोटेलाल भगत, विद्युत और यांत्रिक विभाग से अजय कुमार सिन्हा, राजेश कुमार, अनिल हेम्ब्रोम, देबब्रता सरकार एवं वी०पी०आर जीएम श्रीनिवास रेड्डी भी उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

पति-पत्नी के विवाद में मारपीट में पति घायल

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड क्षेत्र के पिंडारकोम ग्राम में पति-पत्नी के हुए विवाद में मारपीट में पति घायल हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कुलदीप यादव 32 वर्ष पिता स्व० कौली यादव का अपनी पत्नी के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच में मारपीट हो गई। घटना में पति के सर में चोट लग गई। घटना के बाद परिजनों के सहयोग से कुलदीप यादव को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उसका प्राथमिक ईलाज किया गया।

स्वास्थ्य कर्मियों की मासिक बैठक संपन्न

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को सभी एएनएम, एमपीडब्लू, बिटीटी एवं सहिया साथी की मासिक बैठक सीएससी सभागार में हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों पर समीक्षा की गई एवं इसका प्रगति रिपोर्ट जाना गया। जिसमें हाल के दिनों में चलाए जा रहे अभियान में एनीमिया मुक्त भारत, डायरिया पखवाड़ा, आयुष्मान कार्ड सहित कई पर चर्चा हुई। मौके पर जानकारी देते हुए बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सुरेश राम ने कहा कि सभी स्वास्थ्य कर्मियों की प्रत्येक माह मासिक बैठक की जाती है और स्वास्थ्य संबंधी सरकार द्वारा चलाई जा रही कार्यक्रमों पर विचार विमर्श किया जाता है। ताकि इसका फायदा आम जनों को मिल सके।

दो मोटरसाइकिल के आमने सामने के टक्कर में दो घायल

बालूमाथ। बालूमाथ मुरपा मोड़ में दो मोटरसाइकिल की हुई टक्कर में लक्ष्मण पूर्ति 35 वर्ष पिता ढहा पूर्ति ग्राम चेरो बोदा थाना चंदवा एवं सोमा पूर्ति 22 वर्ष पिता विष्णु पूर्ति ग्राम चीची केरा जिला रांची गंभीर रूप से घायल हो गया। बालूमाथ के समाजसेवी शैलेश सिंह एवं राजू कुमार के सहयोग से दोनों घायलों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक डॉक्टर पुरुषोत्तम कुमार द्वारा प्राथमिकी ईलाज की गई। मिली जानकारी के अनुसार दोनों एक मोटरसाइकिल में सवार होकर चेरो बोदा से लावा लोंग चतरा रिश्तेदार के यहां जा रहा था।

कुष्ट रोगियों की पहचान के लिए घर-घर जाकर किया गया जांच

बालूमाथ। बालूमाथ प्रखंड के शेरेगड़ा पंचायत के बुकरू एवं जाला ग्राम में स्वास्थ्य केन्द्र के कर्मियों के द्वारा घर-घर जाकर कुष्ट रोगियों की पहचान की गई। इस सम्बंध में जानकारी देते हुए सीएचसी प्रभारी सुरेश राम ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा विशेष अभियान चलाकर घर-घर जाकर कुष्ठ रोगियों के पहचान के लिए परिवार के सभी सदस्यों को कुष्ट बीमारी की जांच की गयी। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि सिर्फ रोगी की त्वचा के स्पर्श से कुष्ठ रोग नहीं होता है। इस रोग का इलाज संभव है अगर किन्ही को कुष्ठ रोग के लक्षण दिखाई पड़ते हैं तो इसकी जांच बालूमाथ स्वास्थ्य केंद्र में होती है इसकी जाकर जांच करवा लें। मौके पर जाँच टीम मे लातेहार डॉ. राजेश कुमार, डॉ. सुरेंद्र कुमार, मलेरिया कंसलटेंट सुनील कुमार, एमटीस पंकज कुमार पाण्डेय, लाइपरोसीस सुपरवाइजार पंकज कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिला सचिव के साथ न्याय करे जिला प्रशासनः जिला अध्यक्ष

लातेहार। एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा लातेहार के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार एवं प्रदेश अध्यक्ष ऋषिकेश पाठक ने जिला सचिव शेखर यादव के स्कूल से लौटने के क्रम में कन्हाई सिंह के द्वारा कार में बिठा कर कोई अनहोनी करने की योजना को ग्रामीणों ने असफल कर दिया तो इसके बाद कन्हाई सिंह द्वारा मारपीट करने, रुपए लूटने आदि का झूठा आरोप लगाने की संगठन, कड़ी निन्दा करता है। साथ ही जिला प्रशासन से उचित न्याय की मांग करता है। अगर प्रशासन न्याय नहीं करता है तो हम सभी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

होंडा ने अपने ग्राहकों के लिए लाया मानसून धमाका ऑफर

ग्राहकों को बाइक के साथ धान देते संचालक

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह प्रखण्ड मुख्यालय के आदर्श नगर मोड़ स्थित एनजी ऑटोमोबाइल्स होंडा शोरूम अपने ग्राहकों के लिए मानसून धमाका ऑफर लाया है। इस ऑफर का सबसे बड़ा लाभ क्षेत्र के किसानों को मिलने वाला है, क्योंकि होंडा अपने किसान भाइयों के लिए किसी भी बाइक और स्कूटी की खरीदारी करने पर एक बोरिया धान बिलकुल मुफ्त दे रहा है। किसान भाई एनजी ऑटोमोबाइल्स होंडा शोरूम बरवाडीह में आकर इस मानसून धमाका ऑफर का पूरा लाभ उठा सकते हैं। उक्त जानकारी देते हुए होंडा शोरूम के संचालक गौरव अग्रवाल ने बताया कि उनके शोरूम में सबसे कम ब्याज दर मात्र 4999/- रुपए के डाउन पेमेंट पर ग्राहक अपनी पसंदीदा बाइक और स्कूटी ले जा सकते है। इसके अलावा कोई भी कम्पनी की पुरानी गाड़ी देकर और होंडा की चमचमाती हुई नई गाड़ी लेकर जा सकते है।

4999 के डाउन पेमेंट के साथ किसी भी बाइक की खरीदारी पर एक बोरी धान मुफ्त

मुखिया ने फीता काटकर कॉमन सर्विस सेंटर का किया उद्घाटन

सर्विस सेंटर का लाभ लें: मनोज गुप्ता

खबर मन्त्र संवाददाता

मनिका। मनिका प्रखंड मुख्यालय अंतर्गत स्थित बंदूआ पंचायत सचिवालय में दिन रविवार को डिजिटल कॉमन सर्विस सेंटर का बंदुआ पंचायत की मुखिया अनीता देवी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। वहीं मुखिया अनीता देवी ने बताया कि कॉमन सर्विस सेंटर के खुलने से पंचायत क्षेत्र के लोगों को पैसा लेन देन,आधार कार्ड या किसी भी प्रकार के फॉर्म ऑनलाइन कराने के लिए अब प्रखंड मुख्यालय जाने की जरूरत नहीं है। वह अपने पंचायत में ही अपना काम करवा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि कॉमन सर्विस सेंटर खुलने से ग्रामीणों में भी खुशी की चमक देखी जा रही है। मुखिया अनीता देवी ने संचालक मनोज गुप्ता को निर्देश दिए कि केंद्र से मिलने वाली सुविधाएं ग्रामीणों तक पहुंचाएं और किसी भी प्रकार का शिकायत का मौका ना दें।

वहीं कॉमन सर्विस सेंटर संचालक मनोज गुप्ता ने बताया कि हमारे यहां आधार कार्ड,आयुष्मान कार्ड,पैसा लेन देन या किसी भी प्रकार का

आधार कार्ड, पैसा लेन देन या किसी भी प्रकार के आवेदन को ऑनलाइन करने के लिए लोग हमारे कॉमन

उद्घाटन करते मुखिया व अन्य

ऑनलाइन से जुड़े आवेदन को लेकर ग्रामीण या स्कूली बच्चे बेझिझक आकर सेंटर में अपना कार्य करवाएं । मौके पर मुखिया पति भरदुल सिंह,ग्राम प्रधान महावीर प्रसाद, समाजसेवी रामसेवक उरांव, धर्मेंद्र प्रसाद, विनोद उरांव, राजेश्वर यादव, कामेश्वर राम, कलावती देवी, समेत सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

संदेहास्पद स्थिति में महिला का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, जांच में जुटी पुलिस

खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। चर्चित डायन बिसाही के शक में वृद्ध दंपति शिबल गंझू व बवनी देवी के हत्या मामले में जेल में बंद धीरज मुंडा की पत्नी कलावती देवी का शव रविवार की दोपहर पेड़ पर फांसी के फंदे झूलता हुआ संदेहास्पद स्थिति में बरामद हुआ। घटना थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र बरवाटोली पंचायत के बेलंगा गांव की है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी बबलू कुमार के नेतृत्व चंदवा पुलिस घटना स्थल पर पहुची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच पड़ताल मे जुट चुकी हैं। पुलिस निरीक्षक बबलू कुमार ने बताया कि मामला संदेहास्पद प्रतीत हो रहा है, अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, मृतका के शरीर पर कुछ चोट के निशान भी पाए गए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो पाएगा। बता दें कि मृतका कलावती देवी का पति धीरज मुंडा चर्चित हेसला गांव में 2 मई को डायन बिसाही के शक में में बुजुर्ग दंपति हत्याकांड में नामजद अभियुक्त है। फिलहाल वह विचाराधीन कैदी के रूप में लातेहार जिले में बंद है। ज्ञात हो कि 2 मई की रात्रि थाना क्षेत्र के लाधुप पंचायत अंतर्गत हेसला गांव में डायन बिसाही के शक में वृद्ध दंपति शिबल गंझू व बवनी देवी की आक्रोशित भीड़ द्वारा एवं हत्या दिया गया था। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के महज 12 घंटे के अंदर 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर मंडल कारा भेज दिया था।

बरवाडीह रेलवे कॉलोनी की सड़कों की स्थिति खस्ताहाल, आंखे मूंदे बैठे हुए है रेलवे के जिम्मेवार अधिकारी

जल्द ही कॉलोनी की सड़कों का कराया जायेगा निर्माण: सुनील सिंह

खबर मन्त्र संवाददाता

बरवाडीह। बरवाडीह रेलवे स्टेशन परिसर से लेकर रेलवे कॉलोनी की सभी सड़कें बदहाल हो गई हैं, लेकिन इसके बावजूद इनका निर्माण नहीं किया जा रहा है। जबकि मिली जानकारी के अनुसार कई महीने पहले ही ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के पदाधिकारियों की पहल पर बरवाडीह रेलवे कॉलोनियों की सड़कों के सुधार कराने के निर्देश संबधित विभाग को दिए गए है, किंतु अब तक इनका सुधार अथवा नया निर्माण शुरू नहीं हुआ है। रोजाना रेल कर्मचारियों और अन्य लोगों को जर्जर सड़कों पर आवागमन में परेशानियां हो रही हैं। बता दें कि पिछले तीन वर्ष पूर्व कॉलोनी की सकड़ों की मरम्मत कराई गई थी। लेकिन मरम्मत के कुछ दिनों बाद से ही रेलवे कॉलोनी की सड़क गड्ढों में तब्दील होने लग गई थी। रेल कर्मचारियों की शिकायत के बाद खबर मंत्र ने प्रमुखता से मामले को प्रकाशित किया था। लेकिन जिम्मेवार अधिकारियों ने इसकी सुध तक नहीं ली। नतीजा यह हुआ कि सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है। जिसमे गंदे पानी भरे रहते है,

रेलवे कॉलोनी की जर्जर सड़क

और इस सड़क पर वाहनों के गुजरने से अगल-बगल के क्वार्टर में गंदे पानी घुस रहें हैं। जिससे रेल कर्मचारियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही हैं। किंतु रेल प्रशासन इनका निर्माण नहीं करवा रहा है।कर्मचारियों व उनके परिवारों को आने-जाने के लिए एकमात्र यही सड़क है, लेकिन वह पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। यहां तक कि रेल यात्रियों को भी इस पर आवागमन करने में परेशानियां हो रही हैं।

क्या कहते है यूनियन के पदाधिकारी : इस संबध में ईस्ट सेंट्रल रेलवे कर्मचारी यूनियन के शाखा सचिव सुनील सिंह ने दूरभाष पर बताया कि रेलवे कॉलोनी की सड़कों के निर्माण को लेकर मंडल कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है। राशि मिलते ही सड़को के नवनिर्माण का काम कराया जाएगा।

ढिबरी युग में जीने को मजबूर लोग, आजादी के 75 साल बाद भी लातेहार जिले के इस गांव में नहीं पहुंची बिजली

खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार/गारू। बारेसांढ़ पंचायत के अंतर्गत गांव मंगरा, हेठडीह, तिलईटांड़, टेनटांड़ में आजादी के 75 साल बाद भी बिजली जैसी मूलभूत सुविधा नहीं। गारू प्रखंड कार्यालय से महज 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित आदिम जनजाति गांव मंगरा में आजादी के 75 साल बाद भी बिजली जैसी मूलभूत सुविधा नहीं पहुंच सकी है। कई बार शिकायत करने के बाद भी इनकी सुनने वाला कोई नहीं है। यहां छात्र-छात्राओं ने कहा कि वे इस जमाने में भी चिमनी और मिट्टी तेल के दीए के सहारे पढ़ रहे हैं। आदिम जनजाति गांव मंगरा, हेठडीह, तिलईटांड़ टेनटांड़ में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण निवास करते हैं, लेकिन आज भी यहां के लोग ढिबरी युग में जीने को मजबूर हैं। इसकी वजह से यहां के ग्रामीणों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बिजली नहीं होने की वजह से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है, वहीं भीषण गर्मी

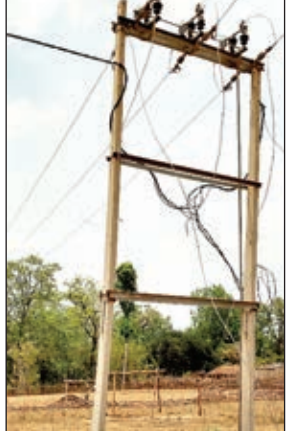

जानकारी देते ग्रामीण, जर्जर स्थिति में बिजली तार व पोल

भी लोगों को बिना पंखे के ही काटना पड़ता है। छात्र-छात्राओं ने कहा कि वे इस जमाने में भी चिमनी और मिट्टी तेल के दीए के सहारे पढ़ रहे हैं। यहां के बच्चों का कहना है कि मिट्टी का तेल खत्म हो जाने पर तो चिमनी भी नहीं जल पाती, जिसके कारण वे पढ़ नहीं पाते हैं। उन्होंने कहा कि अगर गांव में बिजली होती, तो पढ़ाई में उनका प्रदर्शन बहुत अच्छा होता और वे ज्यादा अच्छी तरह पढ़ाई कर पाते। चुकी यहां पर मंगरा, हेठडीह जैसे सुदवर्ती क्षेत्र में आदिम जनजाति समुदाय के लोग निवास करते है। बिजली के खम्भे व लगा दिया गया है मीटर, बिजली का पता नहीं मंगरा गांव में बिजली के खम्भे और मीटर 11 हजार की तार लगा दिया गया है, लेकिन अभी तक यहाँ पर बिजली नहीं पहुंच पाया, जानिए वजह- विभागीय लापरवाही के कारण आंधी तूफान में 11 हजार बोल्टेज तार के उपर पेड़ गिर जाने बिजली के खम्भे नीचे गिर गया। जिसको दुरुस्त करने के ख्याल से ग्रामीणों ने विभाग को सूचना भी दिया। लेकिन इसमें कोई ठोस कदम किसी ने नही उठाई। राह में चलने वाले राहगीरों ने कई जगह पर तार को काटकर अपनी निजी उपयोग के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं।

किसान सिंचाई के लिए भी परंपरागत साधनों पर ही निर्भर हैं। किसानों का कहना है कि ये गांव आज भी खेती के लिए पूरी तरह से मौसम पर ही निर्भर है। इतना ही नहीं यह गांव जंगल के नजदीक स्थित है, जिसकी वजह से यहां के ग्रामीणों को जंगली जानवरों का भी मुकाबला करना पड़ता है।

लिखित 7वीं पुस्तक 'वन स्थली' का विमोचन

चंदवा। चंदवा प्रखण्ड के उग्रवाद प्राभवित चेतर ग्राम पंचायत निवासी लेखक विनीत कुमार ने रविवार को अपने द्वारा लिखित 7वीं पुस्तक 'वन स्थली' का विमोचन किया। इस मौके पर लेखक विनीत कुमार ने बताया कि वन वनस्थली एक कहानी संग्रह पुस्तिका है जिसमें 16 कहानियों का संग्रह है। उक्त पुस्तक उन्होंने समाज के कई पहलुओं को छूने व रूबरू कराने की कोशिश की है। आगे बताया कि इनके द्वारा लिखी गई उपन्यास 'पुष्पी' को लेकर जल्द ही वेब सीरीज बनने वाली है। मुंबई की एक बड़ी फिल्म कास्ट कंपनी ब्लैक स्क्रीन के द्वारा इसको लेकर विनीत कुमार से संपर्क कर एग्रीमेंट भी करा लिया है। आगे बताया कि अब तक उनके द्वारा 7 पुस्तक लिखा गए हैं। इसमें कहानी संग्रह की 3 पुस्तक वनस्थली, सराय फूल व कुसुम है वहीं चार पुस्तक उपन्यास है, जिनमें पुष्पी, एक नक्सली का मौन प्रेम, माटी व एक आतंकवादी की प्रेम कथा शामिल है। आगे बताया कि पुस्तकों की प्रतियां फ्लिपकार्ट और अमेजन पर ऑनलाइन उपलब्ध है। इसे आसानी से मंगा कर पढ़ा जा सकता है।

भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की प्रदेश स्तरीय कोर कमेटी की बैठक बेतला में संपन्न

बैठक में उपस्थित लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

बेतला। भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा की प्रदेश स्तरीय कोर कमेटी की बैठक बेतला में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से सत्येंद्र तिवारी पूर्व प्रशासनिक पदाधिकारी झारखंड सरकार, नितिन पांडे अधिवक्ता, संजय पांडे अधिवक्ता सह वरिष्ठ पत्रकार समेत कई टीम के लोग मौजूद थे। बैठक के उपरांत रामनिवास पाठक को लातेहार जिला अध्यक्ष एवं अश्विनी त्रिपाठी को पलामू जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। मनोनीत पत्र देकर एवं माला पहना कर कोर कमेटी के टीम के द्वारा स्वागत किया गया। नवनियुक्त लातेहार जिला अध्यक्ष रामनिवास पाठक ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी मोर्चा एक नई क्रांति है। जो लोगों के बीच में जाकर जागरूकता करती है एवं भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी संगठन के दिशा निर्देश के आलोक में आवाज उठाती है। जिला अध्यक्ष अश्विनी त्रिपाठी ने कहा कि पलामू में भ्रष्टाचार को कम करने के उद्देश्य से कई जागरूकता कार्यक्रम चलाई जाएगी एवं लोगों को इस संगठन में सदस्यता अभियान चलाकर जोड़ने का भी प्रयास किया जाएगा। वहीं प्रदेश कोर कमेटी के दिशा निर्देश के आलोक में शीघ्र ही पलामू एवं लातेहार जिले में जिला स्तरीय कमेटी की गठन किया जाएगा। मौके पर दीपक राज, अख्तर अंसारी, राम प्रकाश तिवारी, सुरेंद्र कुमार, प्रमोद रजक, रवि कुमार गुप्ता, धीरेंद्र पाठक, चंदन कुमार राय, अवध किशोर राय, सोनू अंसारी, अख्तर अंसारी, समेत कई पलामू एवं लातेहार जिले के अधिवक्ता एवं पत्रकार समेत समाजसेवी मौजूद थे।

स्पीड न्यूज

शिकारीपाड़ा में दो व्यक्तियों के शव बरामद हुए

शिकारीपाड़ा। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थानों में दो व्यक्तियों के शव बरामद किये गये हैं। पहला मामला केंदपहाड़ी गांव का है। जहां खेत के झाड़ियों से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है। दूसरा मामला शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के हासापाथर गांव का है। जहां पेड़ से लटकता मोनसा मिर्धा का शव बरामद किया गया है।

बिहार में वज्रपात से 3 लोगों की मौत

पटना। बिहार में वज्रपात से एक बच्ची समेत तीन लोगों की मौत हो गयी है। सुपौल में दो लोगों की मौत हुई है, जबकि औरंगाबाद में एक बच्ची की जान चली गयी है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रुपये अनुग्रह अनुदान देने के निर्देश दिये हैं।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

मोतिहारी। पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली-रक्सौल रेलखंड पर सिकरहना नदी पर बने पुल के समीप शीतलपुर मानवरहित रेल गुमटी को पार करते समय ट्रेन की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक की मौत हो गयी। मृतक की पहचान रवि कुमार सहनी के रूप में हुई है।

करंट लगने से गयी मिस्त्री की जान

नवादा। वारिसलीगंज में रविवार को विद्युत स्पशार्घात से बिजली मिस्त्री की मौत ड्यूटी के दौरान हो गयी। मिस्त्री की पहचान संटु कुमार दरियापुर गांव के रूप में हुई है।

सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत

दुमका। जिले के जामा थाना क्षेत्र के कैराबनी-जरमुंडी मार्ग पर उपर बहियारी गांव के पास रविवार को अज्ञात ट्रक के चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया।

बिहार के लोगों को नहीं चाहिए जंगलराज : पीके

विकास का विजन लेकर प्रशांत किशोर ने फिर शुरू की जन सुराज पदयात्रा

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना/समस्तीपुर। प्रशांत किशोर ने एक बार फिर रविवार को जन सुराज पदयात्रा का आगाज किया। समस्तीपुर के मोरवा प्रखंड में हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जन सुराज पदयात्रा का उद्देश्य नये बिहार की बुनियाद रखनी है। साथ ही कहा कि जमीनी स्तर पर लोगों से बातचीत के जरिये बेरोजगारी, पलायन, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर 15 वर्षों के लिए पंचायत स्तर पर बिहार के विकास का प्लान तैयार करना है।

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) ने रविवार को समस्तीपुर में लालू यादव के लालटेन युग का जिक्र करते हुए कहा कि आज बिहार के लोगों को जंगलराज नहीं चाहिए। वे खुद कहते हैं कि पहले अपराध बहुत ज्यादा हुआ करता था। लोग कहते हैं कि अब भाजपा को वोट नहीं देंगे, मगर जैसे ही वोट का समय आयेगा और तब वे कहेंगे कि भाजपा जीत रही है, तो लालटेन को वोट दे दो। आज मुसलमान भाई का सोचना है कि जिये चाहें मरें, काम हो चाहे न हो, हम भाजपा को वोट नहीं देंगे।

47 दिनों के बाद समस्तीपुर के मोरवा प्रखंड से शुरू हुई जन सुराज पदयात्रा में एक आम सभा में प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि आज बिहार में आदमी को 4 बात याद है। पहला, हमारी जाति क्या है? चुनाव में कौन हमारे जाति का प्रत्याशी है, उसी को वोट दिया जायेगा।

प्रशांत किशोर ने कहा कि एक अच्छी सोच व व्यवस्था को लेकर पदयात्रा शुरू किया है। मेरी सोच ऐसी व्यवस्था बनाना है, जिससे अच्छे समाज का निर्माण हो सके। समाज में अच्छी सोच वाले व्यक्ति की तलाश कर उन्हें प्रेरित करेंगे। बिहार आजादी के 75 साल बाद भी सबसे पिछड़ा राज्य है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चलते लोगों का खराब हाल है। उन्होंने पदयात्रा के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि इस पदयात्रा का मुख्य उद्देश्य बिहार के लोगों को जमीनी स्तर पर मदद करनी है। लोगों से संवाद के जरिये उनकी समस्याओं को जानना है। बिहार के लोगों के लिए, बिहार के विकास के लिए अगले 15 वर्ष में विकास का विजन भी तैयार करना है।

उल्लेखनीय है कि प्रशांत किशोर ने पिछले वर्ष 2 अक्टूबर, 2022 को गांधी जयंती पर बिहार में जन सुराज पदयात्रा की शुरुआत गांधी आश्रम भितरिहवा से की थी। लेकिन, बीते 15 मई को स्वास्थ्य कारणों से यात्रा को कुछ दिनों के लिए इस वादे के साथ स्थगित कर दिया था कि वापस वहीं से शुरुआत करूंगा, जहां रोक रहा हूं। प्रशांत किशोर अब तक 7 जिलों में 2800 किलोमीटर से अधिक पैदल चल चुके हैं। पिछले साल पदयात्रा की जब शुरुआत हुई थी, तब प्रशांत किशोर ने बताया था पदयात्रा 3500 किलोमीटर की होगी। लेकिन, जैसे-जैसे जनता का जुड़ाव होता गया, उसी के साथ जिलों में पदयात्रा का सफर बढ़ता गया।

महाराष्ट्र जैसी स्थिति बिहार में भी बन सकती है : सुशील मोदी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि शरद पवार की पार्टी एनसीपी में विद्रोह विपक्षी एकता की पटना बैठक का परिणाम है, जिसमें राहुल गांधी को प्रोजेक्ट करने की जमीन तैयार की जा रही थी। रविवार को बयान जारी कर सुशील मोदी ने कहा कि बिहार में भी महाराष्ट्र जैसी स्थिति बन सकती है। इसे भांप कर नीतीश कुमार ने विधायकों से अलग-अलग (वन-टू-वन) बात करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जदयू के विधायक-सांसद न राहुल गांधी को स्वीकार करेंगे, न तेजस्वी यादव को। पार्टी में भगदड़ की आशंका है। सुशील मोदी ने कहा कि जदयू पर वजूद बचाने का ऐसा संकट पहले कभी नहीं था। इसलिए नीतीश कुमार, जिन्होंने 13 साल में कभी विधायकों को नहीं पूछा था, आज वे हरेक से अलग-अलग मिल रहे हैं।

साधुडीह व डैम जेनासाई के ग्रामीणों ने कहा- सड़क नहीं तो वोट नहीं

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। रविवार को पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव सह समाजसेवी डॉ विजय सिंह गागराई ग्रामीणों की समस्या को सुनने के लिए चक्रधरपुर प्रखंड के इटिहासा पंचायत के साधुडीह टोला और डैम जेनासाई पहुंचे।

दोनों जगहों पर ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा कि जब तक सड़क नहीं तब तक वोट नहीं। ग्रामीणों की मांग है कि जोड़ो चौक से टोकलो के जांटा गांव तक सड़क बने। उक्त सड़क के बनने से 15 गांव को आवागमन करने में लाभ होगा। साथ ही गांव में रोजगार सृजन होगा। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि जब तक कम से कम जोड़ो चौक से डैम जेनासाई तक करीबन साढ़े तीन किमी का सड़क नहीं बनता, तब तक लोकसभा और विधानसभा चुनाव में वोट का बहिष्कार होगा। ग्रामीणों की समस्या सुनने के पश्चात डॉ विजय सिंह गागराई की उपस्थिति में साधुडीपा टोला में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता मनोज सामाड ने किया। ग्रामीणों ने समस्या बताते हुए कहा कि टोला में 35 घर है। एक जलमीनार और एक चापाकल से लोगों का प्यास बुझती है। वहीं बिजली विभाग द्वारा प्रत्येक घर को 10 से 20 हजार रुपए तक का बिल थमा दिया है। बिल जमा नहीं करने से सभी का बिजली कनेक्शन काट दी है। वहीं डैम जेनासाई में हुई बैठक में भी ग्रामीणों ने सड़क का मांग किया। उन्होंने ने कहा कि जब तक सड़क नहीं बनेगा, हम वोट का बहिष्कार करेंगे। मौके पर मौजूद सुनीराम सामाड ने कहा कि गांव में रास्ता है, लेकिन पक्की सड़क के नहीं होने से ग्रामीणों का काफी असुविधा होता है। बरसात में ग्रामीण शहर से कट जाते हैं। वहीं सड़क नहीं होने से गांव के डेलिवरी महिला और अन्य मरीजों को इलाज में ले जाने को काफी परेशानी होती है।

एसपी कॉलेज के आदिवासी छात्रावास में लाइब्रेरी का उद्घाटन

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के अंगीभूत कॉलेज एसपी कॉलेज के कल्याण विभाग द्वारा संचालित आदिवासी कल्याण छात्रावास संख्या 2 में लाइब्रेरी की स्थापना रविवार को हुई। वीर शहीद चांद भैरव मुर्मू के नाम से छात्रावास में लाइब्रेरी का उद्घाटन लाइब्रेरी मैन के नाम से प्रसिद्ध जिला कल्याण पदाधिकारी संजय कच्छप ने किया। साथ ही छात्रावास का नामकरण भी चांद भैरव छात्रावास के रूप में किया गया। इस अवसर पर जिला प्रशासन से अपर समाहर्ता राजीव कुमार, आईएफएस प्रोबेशनर प्रबल गर्ग, एसपी कॉलेज शिक्षक डॉ सत्यम मेहरा, समाजसेवी सिद्धौर हांसदा, एमजीएनएफ से हरिमोहन गौतम और छात्रावास के छात्र मौजूद थे। मौके पर आईएफएस प्रबल गर्ग ने उच्च शिक्षा हासिल कर बड़े पदों की तैयारी के लिए खुद को तैयार करने और यूपीएससी-जेपीएससी को लक्ष्य बनाने के लिए प्रेरित किया।

एक नजर में

कॉलेज के गेट पर शव रख धरना पर बैठे इलेक्ट्रिशियन के परिजन

हंसडीहा। हंसडीहा स्थित फूलो झानो मुर्मू दुग्ध प्रौधोगिकी महाविद्यालय के मुख्य गेट पे रविवार को इलेक्ट्रिशियन का शव रख मृतक के परिजन धरना पर बैठ गए हैं। परिजनों ने मुख्यमंत्री और दुमका डीसी से अनुरोध करते हुए मॉडल डिस्टिब्यूटर कांके के संवेदक से मृतक के पत्नी को नौकरी और पांच लाख रुपये मुआवजे की मांग की है। ज्ञात हो कि शनिवार को फूलो झानो मुर्मू दुग्ध प्रौधोगिकी महाविद्यालय में बोकारो जिले के कसमार थाना क्षेत्र के खुदीबेड़ा गांव निवासी सुमंत कुमार महतो 26 वर्ष (इलेक्ट्रिशियन) की करंट लगने से मौत हो गई थी।पुलिस द्वारा रविवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौप दिया गया। वहीं मृतक के पिता लालमोहन महतो ने मॉर्डन डिस्टिब्यूटर के कर्मियों पे अनुरक्षित दिशा निर्देश देने का आरोप लगाते हुए हंसडीहा थाना में आवेदन दिया है। मॉर्डन डिस्टिब्यूटर कांके के द्वारा मृतक के परिजनों को साढ़े तीन लाख रुपये मुवावजा देने और मृतक की पत्नी को रांची बिरसा एग्रीकल्चर में नौकरी दिलाने की बात कह कर धरना समाप्त कराया गया।

बालू लदे ट्रैक्टर की चपेट में आकर एक की मौत, दो घायल

शिकारीपाड़ा। दुमका जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के गंधरकपुर गांव में बालू लदे एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने बाइक सवार तीन युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के कुछ ही देर में उस रास्ते पूर्व मंत्री लुईस मरांडी गुजर रही थी। उन्होंने तीनों घायलों को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल भिजवाया। जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। अन्य दो युवकों की हालत गंभीर है। मृत युवक की पहचान मसानजोर थाना क्षेत्र निवासी पारसनाथ राय के तौर पर की गई है। इधर इलाजरत दोनों युवक की स्थिति गम्भीर बनी हुई है। इधर पुलिस ने बालू लदे ट्रैक्टर और बाइक को जब्त कर थाना ले आई है।

बिहार के सभी 40 लोकसभा सीटों पर महागठबंधन की जीत होगी : उमेश कुशवाहा

पटना। लोकसभा चुनाव 2024 की तैयारी को लेकर जदयू जुट गयी है। प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने कार्यकर्ता और नेताओं को तैयार रहने के लिए कहा कि महागठबंधन की जीत सभी 40 सीटों पर सुनिश्चित करना है। रविवार को पटना में पार्टी मुख्यालय के कपूर्री सभागार में पटना महानगर, पटना ग्रामीण, बाढ़, अरवल एवं जहानाबाद संगठन जिला के पदाधिकारियों का प्रशिक्षण सह कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया था। उमेश कुशवाहा ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी कोशिश यही होनी चाहिए कि लोकसभा चुनाव में बिहार में महागठबंधन की जीत सभी 40 सीटों पर सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के व्यक्तित्व व उनके विकास कार्यों की व्याख्या शब्दों से परे है। वे जो कहते हैं वो करते हैं, लेकिन केंद्र में बैठी भाजपा की मोदी सरकार ने बीते 9 वर्षों में सिर्फ और सिर्फ देश की जनता को ठगने और छलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने यह तय कर लिया है कि 2024 में भाजपा को देश से खदेड़ देना है।

नवादा में अवैध अभ्रख लदा ऑटो पलटा, छात्र की मौत

नवादा। बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित नवादा जिले के रजौली थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती इलाका सवैयाटांड़ पंचायत के झलकडीहा गांव के समीप रविवार को अवैध अभ्रख लदा ऑटो पलटने से एक किशोर की मौत हो गयी। घटना कि सूचना आग कि तरह पूरे सवैयाटांड़ में फैल गयी। लोगों ने दौड़ कर ऑटो में फसें किशोर को निकालने के लिए प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत घटनास्थल पर हो गयी। मृतक की पहचान कोडरमा जिला के डोमचांच थाना क्षेत्र के पारहो पंचायत के चौधरीडीह निवासी राजेंद्र प्रसाद के 13 वर्षीय पुत्र विक्की कुमार के रूप में हुई है। मौत की सूचना मिलते ही घर परिवार में कोहराम मच गया।

इस्लामिक क्विज प्रतियोगिता आयोजित

जासमीन व फुरकान प्रथम, हासिर अनायत व हुमैरा द्वितीय

खबर मन्त्र संवाददाता

चक्रधरपुर। सफ वेलफेयर सोसाईटी का इस्लामिक क्वीज प्रतियोगिता रविवार को उर्दू स्कूल प्रांगण में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता के कार्यक्रम दो चरणों में आयोजित हुआ। प्रथम चरण में लिखित क्वीज प्रतियोगिता हुई। वरीय समूह में वर्ग 9 एव 10 तथा कनीय समूह में वर्ग वर्ग 6,7 एवं 8 के बच्चे शामिल हुए। दोनों समूह में कुल 198 बच्चे प्रतिभागी बने। दोनों समूह में 40-40 अंकों के प्रश्न पूछे गये थे। कनीय समूह में दंदासाई उर्दू मिडिल स्कूल की छात्रा जासमीन प्रथम स्थान प्राप्त की, चाईबासा के हासिर अनायत द्वितीय, तृतीय अयान हसनैन रहे। वरीय समूह में रेलवे इंगलिश मीडियम स्कूल के फुरकान अनवर प्रथम, द्वितीय हुमैरा आजमी तथा तृतीय जिकरा एकबाल रहे। दोनों समूह से टाप-18 को पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कार दिये गये। द्वितीय पाली में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि अंजुमन इस्लामिया चाईबासा के महासचिव फैयाज खान, विशिष्ट अतिथि में अंजुमन इस्लामिया के उपाध्यक्ष अखतर रूमानी, मुस्लिम पंचायत बंगलाटांड के उपाध्यक्ष शहजाद मंजर सज्जू एवं सृजन महिला विकास मंच की सचिव नरगिस खातून शामिल थी।

कृषि मंत्री ने किया योजनाओं का शिलान्यास

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। जरमुंडी विधानसभा में रविवार को मानसूनी वर्षा के साथ जमकर कर शिलान्यास की बारिश हुई। जिससे शिलान्यास की गंगा बहने लगी। इस बहती गंगा को देख आम जनों को जरमुंडी का चहुमुखी विकास हकीकत में परिणत होते नजर आने लगा। लेकिन विपक्षी दलों ने शिलान्यास कार्यक्रम को विकास के नाम पर फकत 2024 के लोकसभा चुनाव की कवायद बताया। मालूम हो कि जरमुंडी के विकास को लेकर कृषि मंत्री बादल ने विभिन्न प्रकार की योजनाओं का शिलान्यास किया। इसके तहत बजरंगबली मोड़ पर यात्री विश्राम गृह का निर्माण एवं जरमुंडी बाजार में हाई मास्ट लाइट लगाने के कार्यों का शिलान्यास किया गया। एक अन्य कार्यक्रम में मंत्री बादल ने नंदी चौक से दुर्गा मंदिर तक पैबर ब्लॉक और नाला निर्माण के साथ टाइल्स मरम्मती के कार्यों की आधारशिला रखी। इस दौरान कृषि मंत्री ने जरमुंडी लैंप्स जाकर 50% अनुदानित कीमत पर किसानों के बीच धान के बीज का वितरण किया। मौके पर श्यामल किशोर सिंह सत्यनारायण यादव रोहित रंजन मुकेश यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी समर्थक मौजूद थे।

शहीद अमरजीत बलिहार को दी गयी श्रद्धांजलि, मनाया गया शहादत दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

पाकुड़। तेजतर्रार पाकुड़ के तत्कालीन एसपी शहीद अमरजीत बलिहार को रविवार को सहरणालाय के समीप बने स्मृति पार्क स्थित उनकी प्रतिमा पर जिले के उपायुक्त बरुन रंजन, एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, मुख्यालय डीएसपी बैजनाथ प्रसाद सहित पुलिस संघ के अधिकारियों ने 2 मिनट का मौन रखा तथा शहीद अमरजीत बलिहार के प्रतिमा पर माल्यार्पण किया तथा श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

मौके पर पुलिस लाइन के जवानों ने बलिहार को शस्त्र सलामी दी। शहीद एसपी के परिवार को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त वरुण रंजन ने कहा कि शहीद अमरजीत बलिहार बहुत ही काबिल और तेजतर्रार एसपी थे। 2 जुलाई 2013 को तत्कालीन पुलिस उपमहानिरीक्षक दुमका प्रिया दुबे के बैठक से भाग लेकर पाकुड़ लौटने के दौरान दोपहर करीब 1:30 काठी कुंड के जमुनी जंगल के पास नक्सलियों ने मुख्य सड़क अचानक वाहन को रोककर उन पर हमला कर दिया। ताबड़तोड़ गोलियां चलाई ।नक्सली मुठभेड़ में दोनों तरफ से फायरिंग हुई जिसमें एसपी अमरजीत बलिहार और उनके अंगरक्षक चालक सहित 7 लोग शहीद हुए थे। ऐसे वीर बहादुर एसपी को मैं नमन करता हूं। इनकी शहादत कभी बेकार नहीं जाएगी। उनकी स्मरण में बनी स्मृति पार्क को और वृहद रूप दिया जाएगा।

कौन थे एसपी अमरजीत बलिहार : 14 अक्टूबर 1960 में जन्मे अमरजीत बलिहार बिहार रोहतास जिले के मूलनिवासी थे। 1983 में उन्होंने एम ए किया। 1986 मैं उन्होंने बीपीएससी परीक्षा पास की। बतौर डीएसपी पहली पोस्टिंग जहानाबाद में हुई इसके बाद मुंगेर कुटी जहानाबाद पटना राजगीर हवेली खड़कपुर लातेहार चक्रधरपुर फिर रांची पोस्टिंग हुई। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से 2003 में वे आईपीएस बने। मई 2013 में उनकी पाकुड पोस्टिंग हुई।

दुमका में भी बलिदानी बलिहार को दी गयी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। पाकुड़ के तत्कालीन एसपी अमरजीत बलिहार की दसवीं शहादत दिवस मनाई गई। एसपी अंबर लकड़ा समेत पुलिस पदाधिकारियों ने रविवार को पुलिस लाइन मैदान में शहीद बेदी और एसपी अमरजीत बलिहार के चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया।

इस अवसर पर एसपी लकड़ा ने कहा कि वीर शहीद अमरजीत बलिहार को आज के दिन ही शहादत मिला था एवं वीरगति को प्राप्त हुए थे। जब यह हादसा हुआ था वह पाकुड़ एसपी के पद पर पदस्थापित थे एवं यात्रा के दौरान काठीकुंड थाना क्षेत्र के सड़क मार्ग पर उनके साथ घटना घटित हुई थी। उनके अपराध और नक्सलवाद के खिलाफ कार्य सराहनीय रहा।

गौरतलब हो कि बीते 2 जुलाई 2013 को पाकुड़ के एसपी अमरजीत बलिहार नक्सलियों से लोहा लेते शहादत दी थी। घटना उस वक्त घटी जब दुमका में डीआईजी की बैठक में भाग लेकर एसपी अमरजीत बलिहार वापस पाकुड़ लौट रहे थे। जहां घात लगाए नक्सलियों ने दुमका जिला के काठीकुंड थाना क्षेत्र के जमनी मोड़ के समीप एसपी अमरजीत बलिहार के काफिले पर हमला कर दिया। जब तक एसपी अमरजीत बलिहार संभलते तब तक नक्सलियों ने एसपी और उनके 5 अंगरक्षकों को मौत की नींद सुला दिया। पूरी घटनाक्रम में प्रशासनिक चूक भी सामने आयी। अपनों द्वारा दिया गया धोखा की भी बात सामने आयी। घटना को अंजाम देने वाले तालादा को दुमका पुलिस ने वर्ष 2019 में शिकारीपाड़ा के जंगल मे मार गिराया तो कई नक्सली गिरफ्तार भी किए गए। कांड में शामिल दो नक्सलियों को निचली अदालत ने फांसी की सजा भी सुनाई।

यहां बता दें कि 15 नवंबर 2000 को बिहार से अलग झारखंड राज्य बना। नवोदित राज्य को विरासत में मिला उग्रवाद और नक्सलवाद। समय समय पर राज्य की धरती नक्सलियों की करतूत से लाल होती रही। अब राज्य बने लगभग 23 वर्ष होने को है। इन वर्षों में कई सरकारें आयी और गयी। लेकिन नक्सलवाद की समस्या आज भी सरकार के समक्ष एक गंभीर चुनौती बनी है।

पेज 1 का शेष

जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी...

उनके सपने पूरे करूंगी : स्वर्गीय जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी ने कहा कि वो सरकार के साथ मिलकर अपने पति के सपने को पूरा करेंगी। उन्होंने कहा कि गुरुजी शिबू सोरेन और सीएम हेमंत सोरेन का जो भी आदेश होगा वह उनका पालन करेंगी। साथ ही क्षेत्र की जनता की सेवा अपने पति के प्रतिनिधि के रूप में करेंगी। उनके अधूरे सपनों को पूरा करने के लिए लगातार काम करेंगी।

शिंदे सरकार में...

इसके साथ ही अजित पवार ने अपना ट्विटर बायो बदल लिया है। अब उनके ट्वीटर हैंडल में उप मुख्यमंत्री दिया है। **पवार ने बुलायी थी बैठक :** इससे पहले अजीत पवार ने रविवार सुबह तीन दर्जन से अधिक अपने समर्थक विधायकों की बैठक की। राजनीतिक भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा की। इसके बाद 30 विधायकों के साथ शिंदे सरकार को समर्थन देने के लिया। साथ ही वह सीएम एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को समर्थन पत्र सौंपने के लिए राज्यपाल रमेश बैस से मिलने राजभवन पहुंचे। कुछ ही देर बाद उन्होंने मौजूदा विधानसभा के कार्यकाल में तीसरी बार उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। अजित पवार और छगन भुजबल ने दावा किया है कि एनसीपी पार्टी पूरी तरह से उनके साथ है। पवार ने कहा कि वह चुनाव में एनसीपी के रूप में ही जायेंगे। **डबल नहीं अब ट्रिपल इंजन सरकार :** शिंदे-अजित पवार के सरकार में शामिल होने के बाद मुख्यमत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अब हमारे पास 1 मुख्यमंत्री और 2 उपमुख्यमंत्री हैं। डबल इंजन सरकार अब ट्रिपल इंजन बन गयी है।

जेल में ही दिनेश गोप...

22 मई को एनआईए की स्पेशल कोर्ट में पेश किया था। गिरफ्तारी के बाद दिनेश गोप को पूछताछ के लिए पहली बार 22 मई को रिमांड पर लिया था।इस दौरान दिनेश गोप की निशानदेही पर एनआईए ने भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बदामद किया था। **मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही है ईडी की टीम :** टेरर फंडिंग के मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच कर रही प्रवर्तन निदेशालय की टीम ने पीएलएफआई सुप्रीमो दिनेश गोप पर शिकंजा कसा है। अब ईडी की टीम होटवार जेल में बंद दिनेश गोप से पूछताछ करेगी। इसके साथ ही दिनेश गोप से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी के मामले में बरामद कैश और अन्य लग्जरी गाड़ियों को लेकर धुर्वा थाने की पुलिस भी पीएलएफआई चीफ से पूछताछ करेगी। **शेल कंपनियों में भी किया है निवेश :** जानकारी के अनुसार, दिनेश गोप ने आतंक दिखाकर वसूले गए पैसे का निवेश शेल कंपनियों में भी किया है। इन कंपनियों का संचालन उसकी दोनों पत्नियां करती थीं। शेल कंपनियों के नाम का भी खुलासा हो चुका है. नोटबंदी के बाद दिनेश गोप का एक सहयोगी भी गिरफ्तार किया गया था। उसने स्वीकार किया था कि वह दिनेश गोप के पुराने नोट को बदलने आया था।

तीन राज्यों में चार ठिकानों...

बाद में 22 जुलाई, 2022 को एनआइए ने फिर से मामला दर्ज किया। दानिश एक पाकिस्तानी नागरिक द्वारा बनाये गये व्हाट्सएप ग्रुप गजवा ए हिंद का एडमिन था। उसने भारत के साथ-साथ पाकिस्तान और यमन समेत अन्य देशों के कई लोगों को कट्टरपंथी बनाने और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए स्लीपर सेल बनाने के इरादे से अपने साथ जोड़ा था। दानिश ने व्हाट्सएप, टेलीग्राम और बीआईपी मैसेंजर समेत विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गजवा ए हिंद ग्रुप बनाया था। उसने बीडीगजवा ए हिंदबीडी नाम से एक और व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाया था और इसमें बांग्लादेशी नागरिकों को जोड़ा था। एनआईए अधिकारी ने कहा कि छापेमारी पूरी होने के बाद विवरण प्रदान किया जायेगा।

भाजपा ने एक तीर से किये तीन शिकार

अजित पवार की सरकार में एंट्री से मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की मुश्किलें बढ़ीं

▸▸ शरद पवार ने बागियों पर अभी तक नहीं की कार्रवाई
▸▸ पार्टी के सभी विधायकों का समर्थन है : अजित

एजेंसी

मुंबई। भाजपा ने इस बार महाराष्ट्र में एक तीर से तीन शिकार किये हैं। पहला अजित पवार को अपने पाले में लाकर उन्होंने अपनी सरकार को अगले विधानसभा चुनाव तक के लिए सुरक्षित कर लिया है। अगर कल को एकनाथ शिंदे और उनके विधायक अपात्र भी हो जाते हैं तो अजित पवार के रूप में उनके पास दूसरा साथी तैयार है। दूसरा एनसीपी में टूट के बाद महाविकास अघाड़ी को काफी हद तक कमजोर कर दिया है। इसके अलावा एकनाथ शिंदे की महत्वकांक्षा को भी बढ़ने से रोक दिया है। अजित पवार भले ही सीनियर पवार की अनुमति के बिना पार्टी के विधायकों के साथ शिंदे-फडणवीस सरकार में शामिल हो गए हों। बावजूद इसके शरद पवार के अगले कदम पर सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। महाराष्ट्र में शरद पवार को लेकर एक बात प्रचलित है। कहा जाता है कि शरद पवार के मन में क्या चल रहा है। इसे आज तक कोई समझ नहीं पाया है। शरद पवार जो कहते हैं अक्सर उल्टा होता है। यानी जो वह कहते हैं वह करते नहीं हैं।

ऐसे में शरद पवार का यह कहना कि इस बगावत को उनका समर्थन नहीं है। इस बात को उनकी ही पार्टी के नेता नहीं पचा पा रहे हैं। वहीं शरद पवार का कहना कि वह महाविकास अघाड़ी के साथ खड़े हैं। दूसरी तरफ अजित पवार का दावा कि उन्हें उनकी पार्टी के सभी नेताओं का समर्थन हासिल है। ऐसे में पार्टी के नेताओं को लगता है कि यह सब शरद पवार का ही एक गेम भी हो सकता है। हालांकि, राजनीति के जानकर मानते हैं कि अब अजित पवार के लिए लौटना काफी मुश्किल है।महाराष्ट्र में छत्रपति शिवाजी महाराज और उनकी टीम को गोरिल्ला युद्ध नीति में पारंगत माना जाता था। राजनीति में शरद पवार भी अपनी के जवानी के दिनों से लेकर 36 साल की उम्र में सीएम बनने, फिर सोनिया गांधी का विरोध करना फिर एनसीपी पार्टी बनाकर

उसी कांग्रेस के साथ सरकार में शामिल हो जानना, उसके बाद बीजेपी के सपनों को तोड़ते हुए महाविकास अघाड़ी की सरकार बनाना। यह सब उनकी राजनीतिक गोरिल्ला युद्धनीति का हिस्सा माना जाता है और शरद पवार इस खेल के पुराने और पक्के खिलाड़ी माने जाते हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठता है कि क्या यह सियासी युद्ध भी शरद पवार की एक चाल तो नहीं?

फडणवीस व अजित पवार की दोस्ती दो दशक पुरानी

महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस सरकार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भले ही अजित पवार का स्वागत कर रहे हों लेकिन इसका सबसे बड़ा नुकसान उन्हीं को हुआ है। फडणवीस और अजित पवार की दोस्ती दो दशक पुरानी है। सदन में अजित पवार ने विरोधी पक्ष नेता रहते हुए देवेंद्र फडणवीस को तो कुछ नहीं कहा लेकिन उन्होंने एकनाथ शिंदे पर हमेशा निशाना साधा था। फिलहाल अजित पवार देवेंद्र फडणवीस की सबसे बड़ी ताकत बने हुए हैं। रविवार के शपथ समारोह में भी अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस एकदूसरे से खुलकर बातचीत करते हुए नजर आये। शिंदे अलग-थलग नजर आये। इस दोस्ती के बीच में एकनाथ शिंदे के लिए कितनी जगह है यह शिंदे अच्छे से जानते हैं। अगर सब कुछ ठीक होता तो आज उनके विधायक मंत्री पद की शपथ लेते लेकिन हो कुछ और ही गया। एकनाथ शिंदे अपने विधायकों को मंत्रिमंडल विस्तार का लॉलीपॉप देते आये थे लेकिन अब उनके मंत्री पद का क्या होगा इसका कोई भरोसा नहीं है। सरकार के लिए यह मुसीबत है कि किस किस को मंत्री बनाया जाए। यह शिंदे के लिए सबसे बड़ी मुसीबत है।

स्पीड न्यूज

फ्रांस में हिंसा जारी कई शहरों में कर्फ्यू

पेरिस। फ्रांस में अल्जीरियाई मूल के सत्रह वर्षीय नाहेल की पुलिस गोली से हुई मौत के विरोध में समूचा फ्रांस सुलग रहा है। धरना, आगजनी और प्रदर्शन जारी रहा है। कई शहरों में कर्फ्यू लगाया गया है।हिंसा से घिरे फ्रांस में पांचवीं रात सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। इस बीच शनिवार (फ्रांस के समयानुसार) को नाहेल को पेरिस के उपनगर नान्टेरे में दफना दिया गया। अंतिम संस्कार में उसकी मां और दादी के साथ सैकड़ों लोग शांतिपूर्वक शामिल हुए। दोपहर के समय नान्टेरे की मस्जिद में एक समारोह हुआ और क्षेत्र के विशाल मोंट वेलेरियन कब्रिस्तान में अंत्येष्टि हुई। हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने रविवार से प्रस्तावित अपनी जर्मनी यात्रा स्थगित कर दी है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों शुक्रवार को ब्रसेल्स में यूरोपीय नेताओं की बैठक छोड़कर स्वदेश लौटे।अब तक फ्रांस में 3000 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए 45,000 से ज्यादा पुलिसकर्मी सड़कों पर हैं।

मणिपुर हिंसा में तीन की मौत, पांच घायल

इंफाल। मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में अज्ञात बंदूकधारियों के साथ गोलीबारी में कम से कम तीन ग्राम स्वयंसेवक मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि खोइजुमंताबी गांव में शनिवार देर रात को यह घटना हुई, जब ग्राम स्वयंसेवक अस्थायी बंकर से इलाके की रखवाली कर रहे थे। शुरूआत में दो शव बरामद किए गए और बाद में एक और शव मिला। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी कई घंटे चली, जिसमें पांच लोग घायल भी हुए। पुलिस ने बताया कि इनमें से गंभीर रूप से घायल कुछ लोगों को इंफाल के अस्पताल ले जाया गया। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पहुंचे और स्थानीय लोगों से बात की।

नेपाल में प्रचंड करेंगे वामदलों को एकजुट

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' देश के सभी वामपंथी दलों को एकजुट करेंगे। सभी को समाजवादी मोर्चा के बैनर तले लाया जाएगा। सीपीएन माओवादी सेंटर के अध्यक्ष प्रचंड ने रविवार को खुलासा किया कि उनका इरादा पहले की तरह सीपीएन कम्युनिस्ट पार्टी में लौटने का है। उन्होंने कहा कि अब हमने एक मोर्चा बनाया है और आगे बढ़े हैं। हमें पार्टी को फिर से एकजुट करना चाहिए और सीपीएन में लौटना चाहिए।

पाक में आतंकी हमला चार सुरक्षाकर्मी मरे

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में रविवार को सुरक्षाकर्मियों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ में कम से कम चार सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि एक आतंकवादी को मार गिराया गया।

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आज

मंत्रिपरिषद में फेरबदल और विस्तार की अटकलें

एजेंसी

नयी दिल्ली। सत्तारूढ़ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की कई दौर की बैठकों के बाद केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावना को लेकर जारी चर्चाओं के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को केंद्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यह बैठक सोमवार को यहां के प्रगति मैदान में नवनिर्मित सम्मेलन कक्ष में होने की उम्मीद है, जो सितंबर में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

राकांपा के नेता अजित पवार के अपनी पार्टी के कई विधायकों के साथ भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल होने और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तथा पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित भाजपा के रणनीतिकारों से जुड़ी बंद कमरे में हुई कई बैठकों के बाद मंत्रिपरिषद में फेरबदल की संभावनाओं को बल मिला है। राकांपा के वरिष्ठ सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल को एक संभावित दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। पटेल, राकांपा प्रमुख शरद पवार के बेहद करीबियों में गिने जाते थे लेकिन उन्होंने उनका साथ छोड़कर अजित पवार से हाथ मिला लिया। अजित

पवार, शरद पवार के भतीजे हैं। अजित पवार के महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही देवेंद्र फडणवीस को केंद्र सरकार में लाए जाने की भी अटकलें तेज हो गई हैं। भाजपा सूत्रों ने संकेत दिया है कि जब भी मोदी अपने मंत्रिपरिषद में फेरबदल का फैसला करेंगे तो सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। 20 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मॉनसून सत्र से पहले की अवधि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में फेरबदल या बदलाव का आखिरी मौका हो सकता है। इसलिए मंत्रिपरिषद में फेरबदल या विस्तार की संभावनाओं को और बल मिला है।

सूत्रों ने कहा कि कुछ राज्यों सहित भाजपा के केंद्रीय संगठन में भी

▸▸ अजित पवार के महाराष्ट्र सरकार में शामिल होने के बाद शाह और नड्डा सहित भाजपा के रणनीतिकारों ने बंद कमरे में की बैठक मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाओं को बल मिला

कुछ बदलाव देखने को मिल सकते हैं क्योंकि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार तेज करने में जुटा है। मोदी ने 28 जून को शाह और नड्डा के साथ बैठक की थी। इससे पहले, संगठनात्मक और राजनीतिक मामलों का जायजा लेने के लिए शाह और नड्डा सहित अन्य शीर्ष नेता बंद कमरे में कई दौर की बैठक कर चुके हैं। सूत्रों का कहना है कि मंत्रिपरिषद में किसी भी तरह का फेरबदल आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर भी किया जाएगा। भाजपा इस साल होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए तैयारियों में जुटी है। । इस साल के अंत में राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, तेलंगाना और मिजोरम में चुनाव होने हैं। राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में भाजपा का सीधा मुकाबला कांग्रेस से है।

केसीआर का रिमोट कंट्रोल मोदी के पास : राहुल गांधी

खम्मम (तेलंगाना)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव पर तीखा हमला करते हुए रविवार को कहा कि उनका रिमोट कंट्रोल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास है। कांग्रेस नेता ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को भाजपा की बी-टीम बताते हुए इसका नया नामकरण बीजेपी रिश्तेदार पार्टी किया। गांधी ने आरोप लगाया कि राव और उनकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों ने उन्हें (बीआरएस) भाजपा के सामने झुकने को मजबूर कर दिया है। गांधी ने कहा कि उन्होंने अन्य सभी विपक्षी दलों के नेताओं से कहा है कि कांग्रेस ऐसे किसी भी समूह में शामिल नहीं होगी, जहां बीआरएस होगी। गांधी ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बीआरएस बीजेपी रिश्तेदार समिति की तरह है। केसीआर सोचते हैं कि वह राजा हैं और तेलंगाना उनकी रियासत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा संसद में भाजपा के खिलाफ खड़ी

रही है, लेकिन राव की पार्टी भाजपा की बी-टीम रही है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, ह्यह्यप्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास तेलंगाना के मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव का रिमोट कंट्रोल है। गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हाल में कर्नाटक में भ्रष्ट और गरीब विरोधी सरकार के खिलाफ चुनाव लड़ा और हमने राज्य में गरीबों, ओबीसी, अल्पसंख्यकों और वंचितों के समर्थन से उन्हें हराया। उन्होंने कहा, ह्यह्यऐसा ही कुछ तेलंगाना में होने जा रहा है। एक तरफ राज्य के अमीर और शक्तिशाली लोग होंगे और दूसरी तरफ हमारे साथ गरीब, आदिवासी, अल्पसंख्यक, किसान और छोटे दुकानदार होंगे। कर्नाटक में जो हुआ, वही तेलंगाना में भी दोहराया जाएगा।

विकास के लिए सरकार में शामिल हुए : अजीत

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के कुछ घंटे बाद राकांपा के नेता अजित पवार ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी ने देश के विकास के लिए एकनाथ शिंदे नीत सरकार का हिस्सा बनने का फैसला किया। अजित पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की भी सराहना की। उन्होंने राकांपा में किसी भी तरह के विभाजन से इनकार करते हुए कहा कि वह भविष्य के सभी चुनाव राकांपा के चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे।अजित पवार ने कहा कि (पार्टी के) सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों ने शिंदे सरकार में शामिल होने के फैसले का समर्थन किया है। भाजपा के साथ सत्ता साझा करने के अपने फैसले का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि अगर हम शिवसेना के साथ जा सकते हैं, तो हम भाजपा के साथ भी जा सकते हैं। नगालैंड में भी यही हुआ। अजित पवार ने कहा कि सभी (राकांपा) विधायक हमारे साथ हैं और उन्होंने शीर्ष नेतृत्व को भी सूचित कर दिया है। लोकतंत्र में बहुमत की राय का सम्मान किया जाना चाहिए। शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल होने के कदम परशरद पवार की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि नये नेतृत्व को आगे आना चाहिए। मोदी को लेकर उन्होंने कहा कि 1984 के बाद ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी नेता को इतनी लोकप्रियता मिली है और उसके नेतृत्व को व्यापक तौर पर स्वीकार किया गया है।

दो उप मुख्यमंत्रियों के साथ विकास की दौड़ में तेजी से आगे बढ़ेगा महाराष्ट्र : शिंदे

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता अजित पवार के उपमुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने के बाद कहा कि राज्य अब एक मुख्यमंत्री और दो उप मुख्यमंत्रियों के साथ विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ेगा। राकांपा अध्यक्ष शरद पवार के भतीजे अजित पवार के बारे में शिंदे ने कहा कि विकास की राजनीति का विकास पुरुष द्वारा समर्थन किया जा रहा है। जब एक काबिल पार्टी कार्यकर्ता को दोयम दर्जे की भूमिका मिलती है, तो ऐसी चीजें होती हैं।शिंदे ने संवाददाताओं से कहा कि अब डबल इंजन की सरकार ट्रिपल इंजन की हो गई है। अब राज्य (विकास की राह पर) तेजी से आगे बढ़ेगा। अब हमारे पास एक मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्री हैं। इससे राज्य का तेजी से विकास करने में मदद मिलेगी।

10 कंपनियों का मार्केट कैप 1.88 लाख करोड़ बढ़ा

एजेंसी

नयी दिल्ली। शेयर बाजार में सूचीबद्ध देश की शीर्ष 10 कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन पिछले सप्ताह 1.88 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में सबसे अधिक तेजी हुई। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स 1,739.19 अंक या 2.76 फीसदी उछला। सेंसेक्स शुक्रवार को 803.14 अंक या 1.26 प्रतिशत उछलकर अपने उच्चतम स्तर 64,718.56 पर बंद हुआ। बाजार में आई इस तेजी के चलते शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 1,88,050.82 करोड़ रुपये बढ़ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 32,600.19 करोड़ रुपये बढ़कर 9,51,584.36 करोड़ रुपये हो गया। टीसीएस के मूल्यांकन में 30,388.43 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई और इसका बाजार मूल्यांकन 12,07,669.91 करोड़ रुपये हो गया।

इंफोसिस का मूल्यांकन 28,862.38 करोड़ रुपये बढ़कर 5,54,091.27 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 23,984.28 करोड़ रुपये बढ़कर 17,25,704.60 करोड़ रुपये हो गया।शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन सबसे अधिक रहा। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, इंफोसिस, एचडीएफसी, एसबीआई और भारती एयरटेल रहे।

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक तेजी

जून में एफपीआइ निवेश 47148 करोड़

नयी दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने जून में भारतीय इक्विटी में 47,148 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

यह राशि पिछले 10 महीने में सबसे अधिक है। वित्तीय परामर्श कंपनी क्रेविंग अल्फा के प्रिंसिपल पार्टनर मयंक मेहरा ने हालांकि कहा कि जुलाई में निवेश कम हो सकता है, क्योंकि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की हालिया टिप्पणियों से एफपीआई सतर्क रुख अपना सकते हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई आगे चलकर थोड़ा सतर्क हो सकते हैं, क्योंकि देश में मूल्यांकन अल्पकालिक नजरिए से थोड़ा अधिक है।

राकांपा के 40 विधायक सरकार के साथ : भाजपा

मुंबई। भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने रविवार को दावा किया कि राकांपा के 53 में से 40 विधायक राज्य सरकार का समर्थन कर रहे हैं। बावनकुले राकांपा नेता अजित पवार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे। शरद पवार नीत पार्टी के आठ विधायकों ने शिवसेना और भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री पद की शपथ ली है।

शरद पवार विचलित नहीं हैं : संजय राउत

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि राकांपा के प्रमुख शरद पवार अपनी पार्टी में टूट से विचलित नहीं हैं और नये सिरे से शुरूआत कर सकते हैं। राउत ने एक ट्वीट में कहा कि मैंने अभी शरद पवार से बात की। उन्होंने कहा कि वह दृढ़ हैं और लोगों का समर्थन हमारे साथ है। हम उद्धव ठाकरे के साथ एक नई शुरूआत कर सकते हैं।

अंतरा के घर आया नन्हा मेहमान

मुंबई। अभिनेता मोहित मारवाह और उनकी पत्नी अंतरा मोतीवाला के घर एक नन्हा मेहमान आया है। उनकी एक बेटी भी है। दंपति ने शनिवार को अपने घर नवजात बेटे का स्वागत किया। दादा-दादी रीना और संदीप मारवाह तथा नाना-नानी भावना और तुषार मोतीवाला के हस्ताक्षर वाले एक नोट में कहा गया कि अंतरा और मोहित को एक जुलाई को अपने बेटे के जन्म की घोषणा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर यह नोट पोस्ट किया है।अंतरा फैशन की दुनिया में जाना-पहचाना चेहरा हैं। मोहित और अंतरा ने संयुक्त अरब अमीरात में 2018 में शादी की थी। अंतरा ने अक्टूबर 2021 को बेटी थिया को जन्म दिया था।

भोजपुरी गीत छाती छेद कर दिही... रिलीज

मुंबई। भोजपुरी सिंगर अनुपमा यादव और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का धमाकेदार गीत 'छाती छेद कर दिही... वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस गाने की शुरूआत बुलेट पर सवार दिलफेंक आशिक माही श्रीवास्तव के पास आता है और प्रपोज करता है। ब्यूटीफुल लुक में हाथ में तमंचा लिए पूरे एटिट्यूड में माही श्रीवास्तव कहती हैं कि हमके पटावे के देखा जनि सपना, तोहसे लेबल नाही मैच करे अपना, माथा सनकी त सफे मतभेद कर दिही, तोहर वाइट वाइट शर्ट पूरा रेड कर दिही, गोली मार के इयार छाती छेद कर दिही...।

ऐसे बड़े बच्चों की समीक्षा करें जिन्हें गोद दिया जाये : ईरानी

नयी दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने रविवार को बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) से बाल-देखभाल गृहों का दौरा करने और ऐसे बड़े बच्चों के मामलों की समीक्षा करने को कहा कि जिन्हें जल्द से जल्द गोद दिया जा सकता है। बाल-देखभाल गृहों में रहने वाले कई ऐसे बच्चे हैं, जिन्हें कानूनी रूप से गोद नहीं लिया जा सकता। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश भर में बाल-देखभाल गृहों में लगभग 66,000 बच्चे हैं और उनमें से 3,000 से भी कम बच्चों को कानूनी रूप से गोद लिया जा सकता है। बाल संरक्षण, सुरक्षा और शिशु कल्याण विषय पर एक परिचर्चा को संबोधित करते हुए

ईरानी ने सीडब्ल्यूसी से बाल-देखभाल गृहों का दौरा करने और ऐसे बड़े बच्चों के मामलों की समीक्षा करने के लिए कहा, जिन्हें कानूनी रूप से गोद दिया जा सकता है। ईरानी ने कहा कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पहले ही दो राज्यों की समीक्षा की है, जहां बड़े बच्चों के 9,000 मामलों पर गौर किया गया तथा 164 ऐसे बच्चों की पहचान की गई, जिन्हें कानूनी रूप से गोद दिया जा सकता है।

वर्मा प्रेस प्रा० लि० राँची
VERMA PRESS
Verma's® Today®
शृंखला की निम्न पुस्तकें सर्वत्र उपलब्ध हैं—

Class - X		Class - IX	
• Hindi	₹ 140	• Hindi	₹ 140
• English	₹ 140	• English	₹ 140
• Mathematics	₹ 140	• Mathematics	₹ 140
• Science	₹ 140	• Science	₹ 140
• Social Science	₹ 140	• Social Science	₹ 140
• Sanskrit	₹ 120	• Sanskrit	₹ 120
• Hindi – B	₹ 140	• Hindi – B	₹ 80
• Hindi Vyakaran– II	₹ 120	• Hindi Vyakaran– II	₹ 120
• English Grammar– II	₹ 120	• English Grammar– II	₹ 120
• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100	• Sanskrit Vyakaran–II	₹ 100
• Hindi Practical	₹ 55	• Hindi Practical	₹ 55
• English Practical	₹ 55	• English Practical	₹ 55
• Maths. Practical	₹ 65	• Maths. Practical	₹ 55
• Science Practical	₹ 65	• Science Practical	₹ 70
• S. Science Practical	₹ 65	• S. Science Practical	₹ 65
• Sanskrit Practical	₹ 55	• Sanskrit Practical	₹ 55
• Maths. Practical (Combined)	₹ 90	• Maths. Practical (Combined)	₹ 75
• Science Practical (Combined)	₹ 90	• Science Practical (Combined)	₹ 75
English Medium		English Medium	
• Mathematics	₹ 200	• Mathematics	₹ 130
• Science	₹ 200	• Science	₹ 200
• Social Science	₹ 200	• Social Science	₹ 130
• Maths. Practical	₹ 80	• Maths. Practical	₹ 80
• Science Practical	₹ 80	• Science Practical	₹ 80
• S. Science Practical	₹ 80	• S. Science Practical	₹ 80

मिलते-जुलते नाम वाली नकली पुस्तकों से सावधान !

भारत एक ऐसा देश है जिसकी धरती पर लंबे समय से अध्यात्म का बोल-बाला रहा है. समय-समय पर हमारे देश में कई ऋषि-मुनियों के अवतार हुए जिन्होंने लोगों को आंतरिक शांति, ध्यान, करुणा और त्याग आदि के पथ पर बढ़ने को प्रेरित किया है. इन धार्मिक और अध्यात्मिक गुरुओं ने न केवल देश बल्कि विदेश में भी योग और ध्यान के माध्यम से स्वस्थ और सुखी जीवन जीने का मार्ग दिखाया. भारत में आध्यात्मिक गुरु को अधिकांश लोग भगवान का दर्जा दे देते हैं।

लोगों का भारत में आध्यात्मिक गुरु में पूरी श्रद्धा है और यह विश्वास भी कि अगर भगवान के बाद कोई है जो आपकी समस्याओं को हल कर सकता है तो ये गुरु हीं हैं. लोग बाग अपनी हर तरह की परेशानियाँ, अपने कष्टों के उपाय की तलाश में इन गुरुओं की शरण में पूरी आस्था के साथ जाते हैं कि उनके कष्टों का निवारण हो जाएगा।

जहां एक तरफ भारत में आध्यात्मिक गुरु में लोगों की आस्था दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, वही दूसरी तरफ कुछ लोगों ने इसे व्यवसाय बना लिया है. आजकल समाज में नकली संतों की भरमार है, मानो धर्म-अधर्म की राह पर चल पड़ा हो. आए दिन हमें इस तरह की कोई न कोई खबर मिल ही जाती है जिसमें किसी न किसी बाबा के ढोंग का खुलासा होता है।

ऐसी खबरें थोड़ी देर के लिए लोगों का विश्वास तो जरूर हिला देती हैं लेकिन उनकी आस्था तब भी बरकरार रहती है, शायद यही कारण है कि सामान्य लोगों की भावनाओं से खेलना इन बाबाओं के लिए आसान हो गया है. साथ ही ये धार्मिक गुरु आसानी से अपनी कुकृत्य के बाद भी बच जाते हैं क्यूंकि इनके भगतों में न केवल अज्ञानी आते हैं बल्कि वो लोग भी होते हैं जो काफी पढ़े लिखे होते हैं और इनकी गलतियों का इन्साफ कर सकते हैं. वहीँ अगर इसके दूसरे पहलू को देखें तो कुछ समाज में ऐसे भी गुरु हैं जो लोगों को ध्यान और अच्छे कार्यों में लिप्त रहने की सलाह देते हैं. भारत में आध्यात्मिक गुरु के शिष्य लाखों-हजारों की संख्या में हैं जो इन्हें ईश्वर के दूत की तरह मानते हैं हालांकि समय-समय पर इनके द्वारा किए गये कार्यो को आस्था और अंधविश्वास से जोड़ा जाता है।

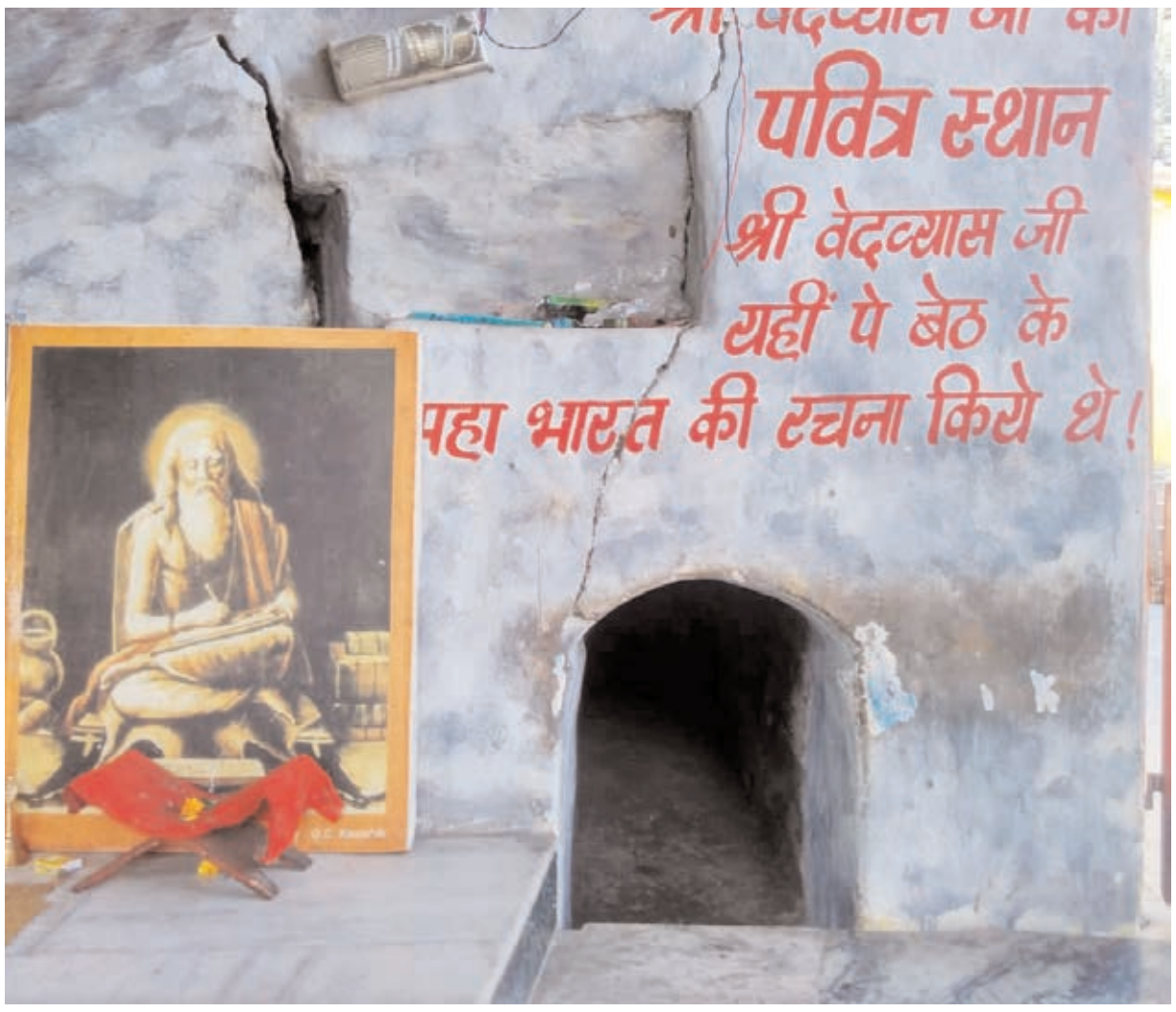

गुरुब्रह्मः गुरुर्विष्णु गुरुर्देवो महेश्वर

सदगुरुभ्यों नमः

मुरलीधर

दुनिया में सबसे ऊंचा स्थान अगर किसी का होता है तो वो है आपके गुरु का। गुरु के प्रति इस आदर सम्मान को व्यक्त करने के लिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा मनाई जाती है। इस बार यह 27 जुलाई 2018 को मनाई जाएगी। भारतवर्ष में कई विद्वान गुरु हुए हैं, किन्तु महर्षि वेद व्यास प्रथम विद्वान थे, जिन्होंने सनातन धर्म (हिन्दू धर्म) के चारों वेदों की व्याख्या की थी। गुरु पूर्णिमा के दिन महाभारत के रचयिता कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्म हुआ था। वह संस्कृत के बहुत बड़े विद्वान थे जिन्होंने चारों वेदों की रचना की थी। यही वजह है कि उनका एक नाम वेद व्यास रखा गया। इतना ही नहीं उन्हें आदिगुरु के नाम से भी पहचाना जाता है। खास बात यह है कि उनके सम्मान में गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है।

जानिए किस वजह से मनाई जाती है गुरु पूर्णिमा और क्या है महत्त्व

गुरु के समक्ष नतमस्तक होकर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सर्वोत्तम दिन है गुरु पूर्णिमा। इस दिन गुरु पूजा करने का नियम है। प्राचीन गुरुकुल व्यवस्था के तहत शिष्य इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपनी सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर गुरु के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते थे। इस दिन चारों वेदों के व्याख्याता वेद व्यास जी की प्रमुख रूप से पूजा की जाती है।

वैसे तो गुरु के मौजूद रहने पर किसी भी दिन उनकी पूजा की जानी चाहिए। किंतु पूरे विश्व में आषाढ.मास की पूर्णिमा के दिन विधिवत गुरु की पूजा करने का विधान है। उस दिन हर शिष्य को अपने गुरु की पूजा कर अपने जीवन को सार्थक करना चाहिए। वर्ष की अन्य सभी पूर्णिमाओं में इस पूर्णिमा का महत्त्व सर्वाधिक है। इस पूर्णिमा को इतनी श्रेष्ठता प्राप्त है कि इस एकमात्र पूर्णिमा का पालन करने से ही वर्ष भर की पूर्णिमाओं का फल प्राप्त होता है। गुरु पूर्णिमा एक ऐसा पर्व है, जिसमें हम अपने गुरुजनों, महापुरुषों, माता-पिता एवं श्रेष्ठजनों के लिए कृतज्ञता और आभार व्यक्त करते हैं। गुरु वास्तव में कोई व्यक्ति नहीं, वरन् उसके अंदर निहित आत्मा है। इस प्रकार गुरु की पूजा व्यक्ति विशेष की पूजा न होकर गुरु की देह में समाहित परब्रह्म परमात्मा और परब्रह्म ज्ञान की पूजा है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा विशेष रूप से गुरु पूजन का पर्व है। इस पर्व को 'व्यास पूर्णिमा' भी कहते हैं।

आषाढ़ मास में वर्षा ऋतु के बादल कभी चांद की ओर हों, तो उसकी रोशनी भी ढक सकते हैं और जब अंधकार हो जायेगा तब गुरु पूर्णिमा का प्रकाश बेहद शीतलता देगा। उसी प्रकार सच्चे शिष्य कितने भी अंधकार में हों, गुरुदेव उन्हें ढूंढ ही लेते हैं। चन्द्रमा केवल निमित्त मात्र है। वह केवल दर्पण है जो आत्मसाक्षात्कार कराता है।

चूंकि सूर्य आत्मा है इसलिये सीधे आत्मा का साक्षात्कार संभव नहीं होता। अर्जुन जैसा महान योद्धा भी श्री कृष्ण के विराट रूप को देखकर बोल उठा था- प्रभु, आपका तेज सहस्त्र सूर्यों के समान है। मैं इसे सह नहीं पा रहा हूं, कृपया अपने सौम्य चतुर्भुज रूप में आयें। अध्यात्म में सूर्य रूपी ज्ञान के प्रकाश से सीधा साक्षात्कार न करके गुरु रूपी चन्द्रमा के माध्यम से लाभ उठाने का नियम है। सूर्य परम तेजस्वी है और चन्द्रमा परम शीतल। चन्द्रमा माध्यम है सूर्य की रोशनी का। उसी प्रकार गुरु भी माध्यम है परमात्मा के उस दिव्य विराट तेज का।

प्रेम/भक्ति योग में भी प्रभु से मिलन की अपेक्षा गुरु का सान्निध्य शिष्यत्व के सहज ही प्रभु के दर्शनों में सहायक है, मुक्ति दाता है।

चांद जब पूरा हो जाता है तो उसमें शीतलता आ जाती है। इस शीतलता के कारण ही चांद को गुरु के लिये चुना गया होगा। चांद में मां जैसी शीतलता एवं वात्सल्य है। इसलिये हमारे ऋषियों व महापुरुषों ने चांद की शीतलता को ध्यान में रखकर आषाढ.पूर्णिमा को गुरु को सर्मिपत किया है। अतः शिष्य, गृहस्थ, संन्यासी सभी गुरु पूर्णिमा को गुरु पूजन कर आशीर्वाद ग्रहण करते हैं। गुरु महिमा को इस स्तुति से वंदित किया गया है-

गुरुब्रह्मः गुरुर्विष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः
गुरुः साक्षात परमब्रह्मः तस्मै श्री गुरवे नमः।।

उन्होंने वेदों का विस्तार किया और कृष्ण द्वैपायन से वेदव्यास कहलाये। इसी कारण इस गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। 16 शास्त्रों एवं 18 पुराणों के रचयिता वेदव्यास जी ने गुरु के सम्मान में विशेष पर्व मनाने के लिये आषाढ़ मास की पूर्णिमा को चुना। कहा जाता है कि इसी दिन व्यास जी ने शिष्यों एवं मुनियों को पहले-पहल श्री भागवत पुराण का ज्ञान दिया था। अतः यह शुभ दिन व्यास पूर्णिमा कहलाया।

इसी आषाढ़ मास की पूर्णिमा को छह शास्त्र तथा अठारह पुराणों के रचयिता वेदव्यास के अनेक शिष्यों में से पांच शिष्यों ने गुरु पूजा की परम्परा डाली। पुष्पमंडप में उच्चासन पर गुरु यानी व्यास जी को बिठाकर पुष्प मालाएं अर्पित कीं, आरती की तथा अपने ग्रंथ अर्पित किए। तब से शताब्दियां बीत गईं। गुरु को अर्पित इस पर्व की संज्ञा गुरु पूर्णिमा ही हो गई।गुरु की ध्यान में निद्रा

रात को, सोने से पहले

ध्यान कैप्सूल

दिन की समीक्षा, जिसमें दिन की घटनाओं पर प्रतिबिंब शामिल है, यह देखने के लिए कि आपने अपना दिन कैसे जिया है और आप कल चीजों को कैसे बेहतर बना सकते हैं। अजपा जपा, सो हैम की जागरूकता के साथ सामने पर सहानुभूति के मार्ग में, 5 मिनट। दिन के दौरान

कर्मयोग और सेवायोग के इन सरल सिद्धांतों को दिन भर अपनी गतिविधियों में लागू करें:

अपने दैनिक कार्यों और कार्यों को इस दृष्टिकोण को विकसित करके करने की कोशिश करें जैसे कि आप उन्हें अपने जीवन में पहली और आखिरी बार कर रहे हैं। दिन में कम से कम एक नेक काम करने की कोशिश करें।

भक्ति योग के सिद्धांत को पूरे दिन अपने जोड़ों पर लागू करें, नकारात्मक और विनाशकारी के बजाय सकारात्मक और रचनात्मक से जुड़ने का प्रयास करें।

प्रसन्नता का उपहार मनहप्रसाद का यामा अभ्यास करें, और दिन भर आनंद, सकारात्मकता, सद्भाव और आशा की धारा बनाए रखने का प्रयास करें। हर दिन खुशियों के पलों को बढ़ाने की कोशिश करें। बस दूसरों को खुश रखने के लिए खुश रहो

अपने मन को किसी भी नकारात्मकता से साफ करने के लिए सामंजस्यपूर्ण, असंतुष्ट अवस्था में नियामा (भव शुद्धि) लागू करें। अपने विचारों, भावनाओं, और इरादों को शुद्ध रहने दो। किसी के खिलाफ द्वेष या द्वेष न धारण करें। इसके बजाय, एक और सभी के प्रति सद्भावना पैदा करें।

यह अनुशंसा की जाती है कि सभी ईमानदार योग व्यवसायी एक वर्ष के लिए इन में से कई तत्वों को अपनी जीवन शैली में शामिल करें और फिर जीवन की गुणवत्ता में अनुभव किए गए परिवर्तनों पर प्रतिबिंबित करें। हम आशा करते हैं और प्रार्थना करते हैं कि योग की प्रेरणा आपके साथ रहे और बदले में आप योग और योग जीवन पथ पर दूसरों की मदद करने में सक्षम हैं।

श्री रामकृष्ण परमहंस

भारत के एक महान संत एवं विचारकों में श्री रामकृष्ण परमहंस का भी नाम आता है जिनकी आध्यात्मिकता की कई कहानियां हैं. इन्होंने सभी धर्म के लोगों के बीच एकता और उनके बीच प्यार पर जोर दिया. स्वामी रामकृष्ण भगवती काली के भक्त और मानवता के पुजारी थे. इतना हीं नहीं, स्वामी विवेकानंद के आध्यात्मिक आरोहण की वजह भी रामकृष्ण हीं थे. गुरु परमहंस को बचपन से हीं विश्वास था कि कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताने से ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं इसीलिए वह ईश्वर की प्राप्ति के लिए लंबी समाधियों में लीन रहा करते थे।

साधना के अंत में वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें किसी तरह कि कोई भिन्नता नहीं है. वह ईश्वर तक पहुँचने के अलग-अलग साधन मात्र हैं. स्वामी रामकृष्ण के प्रशंसक न केवल देश बल्कि विदेश में भी थे।

गुरु निहाल करता है गुरु उच्च स्थान देता है

अनुष्का चौधरी

ज्योतिषीय कारण

हम जानते हैं कि तिथियों का बनना सूर्य व चन्द्रमा पर आधारित है।

सूर्य आत्मा का कारण है और चन्द्रमा मन का कारण है। सूर्य तेज है तो चन्द्रमा शीतलता है। भगवान शिव जी ने भी द्वितीया का चन्द्रमा मस्तक पर धारण किया है। हलाहल पान की गर्मी को शांत करता चन्द्रमा उनके मस्तक पर सदैव विराजमान रहता है। सूर्य पिता है तो चन्द्रमा माता है। चन्द्रमा शब्द को कैसे भी कहें चाहे चन्द्र अ मा, पूर्णि अ मा, अमा अ वस्या।

आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा को चन्द्रमा देव गुरु बृहस्पति की धनु राशि में होता है और शुक्राचार्य के नक्षत्र पू. आषाढ़ में होता है अर्थात मन दोनों ही गुरुओं से संबंध कर पूर्ण ज्ञान का अभिलाषी बन जाता है। चन्द्रमा की रोशनी ही वनस्पतियों में रस उत्पन्न करती है। इसी चन्द्रमा से मानव में ज्ञान रस की वृद्धि होती है और यह मन ही है जो मनुष्य को ज्ञान-विज्ञान दोनों में प्रवीण कर सकता है। मन की शांति व समय के लिये चन्द्रमा की उपासना करना जरूरी है। मन शान्त हो, तो ही जीवन यात्रा सफल होती है।

महागुरु, परमगुरु, सदगुरु सब माफ करता है

स्वामी विवेकानंद

सन 1863 में कोलकाता में जन्में स्वामी विवेकानंद ने अपने गुरु रामकृष्ण परमहंस के निर्देशन में ईश्वर की खोज के लिए अपनी आध्यात्मिक यात्रा की शुरूआत की थी. भारत में आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानंद वेदान्त के समर्थक थे. उन्होंने लोगों को यह बताया कि मानवता की सेवा ईश्वर की सच्ची सेवा का राह है. विवेकानंद ने शिकागो विश्व धर्म संसद जाकर वेदान्त और हिन्दुत्व के सिद्धान्तों को पूरी दुनिया से परिचित कराया था।

गुरु पूर्णिमा विशेष

गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर कोई और तिथि हो ही नहीं सकती, क्योंकि गुरु और पूर्णत्व दोनों एक दूसरे के पर्याय हैं। जिस प्रकार चंद्रमा पूर्णिमा की रात सर्वकलाओं से परिपूर्ण हो जाता है और वह अपनी शीतल रश्मियां समभाव से सभी को वितरित करता है। उसी प्रकार सम्पूर्ण ज्ञान से ओत-प्रोत गुरु अपने सभी शिष्यों को अपने ज्ञान प्रकाश से आप्लावित करता है। पूर्णिमा गुरु है। आषाढ़ शिष्य है। बादलों का घनघोर अंधकार। आषाढ़ का मौसम जन्म-जन्मान्तर के लिये कर्मों की परत दर परत। इसमें गुरु चांद की तरह चमकता है और अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाता है।

गुरु पूर्णिमा को गुरु का ध्यान करते हुए गुरु की पूजा, अर्चना व अभ्यर्थना करनी चाहिए। भक्ति और निष्ठा के साथ उनके रचे ग्रंथों का पाठ करते हुए उनकी पावन वाणी का रसास्वादन करना चाहिए। उनके उपदेशों पर आचरण करने की निष्ठा का वर मांगना चाहिए। अतः इस गुरु पूर्णिमा से हमें कुछ विशेष करने का संकल्प लेना चाहिए। तभी हमारे सदगुरु हमारे जीवन में अवतरित होंगे और जीवन धन्य बन सकेगा।

सबमें 'मां' शब्द है। मां सब माफ करती है जैसे महागुरु, परमगुरु, सदगुरु सब माफ करता है, सब भूलों को क्षमा करता है क्योंकि वह जानता है कि गुण गुण में वर्तने के कारण सब दोष स्वाभाविक हैं इसलिए दूसरों को क्या दोष देना? चन्द्रमा जब सूर्य के सामने 180 डिग्री पर आता है तो पूर्णिमा होती है। सूर्य के प्रकाश की गर्मी चन्द्रमा पर से परावर्तित होती है, तो उसमें शीतलता होती है और आषाढ़. मास वर्षा ऋतु का भी मास है लेकिन सूर्य की तपिश के साथ-साथ इसी मास में सूर्य आर्द्रा नामक नक्षत्र में प्रवेश करता है और यह आर्द्रा प्रवेश की कुण्डली ही वर्षा के ज्योतिषीय आयामों पर प्रकाश डालती है कि इस वर्ष वर्षा ऋतु कैसी रहेगी कहां-कहां वर्षा का प्रभाव रहेगा। कहां दुर्भिक्ष पड़ेगा।

गुरु पूर्णिमा

हमारे पहले गुरु वेद व्यास

संजय आजाद

(विश्व संवाद केन्द्र रांची)

उन्हें विश्व के इतिहास में पहले संपादक के रूप में स्वीकार किया। गुरु पूर्णिमा जगत'गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।[1]वेदों का विस्तारः वेदों का विस्तार करने के कारण ये वेदव्यास तथा बदरीवन में निवास करने के कारण बादरायण के नाम से भी जाने जाते हैं। वेद व्यास ने चारो वेदों के विस्तार के साथ-साथ अठारह महापुराणों तथा ब्रह्मसूत्र का भी प्रणयन किया। हिन्दू पुराणों के अनुसार भगवान विष्णु ने ही व्यास के रूप में अवतार लेकर वेदों का विस्तार किया था। वेद सबसे प्राचीन ग्रंथो में एक है।महर्षि वेदव्यास न केवल महाभारत के रचयिता हैं, बल्कि वह उन घटनाओ के भी साक्षी रहे हैं जो क्रमानुशार घटित हुई हैं। असल में इस महान धार्मिक ग्रंथ में व्यासजी की भी एक अदद भूमिका है। महर्षि व्यास ने न केवल अपने आसपास हो रही घटनाओं को लिपिबद्ध किया, बल्कि वह उन घटनाओं पर बराबर परामर्श भी देते थे। हिन्दू धर्म में मान्यता है कि महाभारत में उल्लखित घटनाएं सत्य और प्रमाणिक वृत्तांत है। भगवान शिव और देवी पार्वती के पुत्र भगवान गणेश ने वेदव्यास के मुख से निकली वाणी और वैदिक ज्ञान को लिपिबद्ध करने का काम किया था। आम जनों को समझने में आसानी हो, इसलिए महिंष व्यास ने अपने वैदिक ज्ञानन को चार हिस्सों में विभाजित कर दिया। वेदों को आसान बनाने के लिए समय-समय पर इसमें संशोधन किए जाते रहे हैं। कहा जाता है कि वेदव्यास ने इसे 28 बार संशोधित किया था।

महर्षि व्यास का जन्म त्रेता युग के अन्त में हुआ था। वह पूरे द्वापर युग तक जीवित रहे। कहा जाता है कि महिंष व्यास ने कलियुग के शुरू होने पर यहां से प्रयाण किया। 4. महिंष व्यास को भगवान विष्णु का 18वां अवतार माना जाता है। भगवान राम विष्णु के 17वें अवतार थे। बलराम और कृष्ण 19वें और 20वें।

इसके बारे में श्रीमद् भागवत में विस्तार से लिखा गया है, जिसकी रचना मुनि व्यास ने द्वापर युग के अन्त में किया था। श्रीमद् भागवतम की रचना महाभारत की रचना के बाद की गई थी। महर्षि व्यास का जन्म नेपाल में स्थित तानहु जिले के दमौली में हुआ था। महर्षि व्यास ने जिस गुफा में बैठक महाभारत की रचना की थी, वह नेपाल में अब भी मौजूद है। इस मानचित्र के माध्यम से आप नेपाल में तानहू के बारे में जान सकते हैं। महर्षि वेदव्यास के पिता ऋषि पराशर थे। उनकी माता का नाम सत्यवती था। पराशर यायावर ऋषि थे। एक नदी को पार करने के दौरान उन्हें नाव खेने वाली सुन्दर कन्या सत्यवती से प्रेम हो गया। बाद में सत्यवती ने ऋषि व्यास को जन्म दिया। व्यास पितमाह भीष्म के सौतेले भाई थे। बाद में सत्यवती ने हस्तिनापुर के राजा शान्तनु से विवाह कर लिया। शान्तनु भीष्म के पिता थे। इस विवाह के लिए सत्यवती के पिता ने राजा शान्तनु के समक्ष यह शर्त रखी थी कि सत्यवती के गर्भ से जन्म लेने वाला बालक ही हस्तिनापुर का उत्तराधिकारी होगा। हालांकि इससे पहले ही शान्तनु ने अपने पुत्र देवव्रत को हस्तिनापुर का युवराज घोषित कर दिया था। इसी प्रतिज्ञा की वजह से उनका नाम भीष्म पड़ा। बाद में उनके पिता शान्तनु ने उन्हें ईच्छा-मृत्यु का वरदान दिया। वेदव्यास धृतराष्ट्र, पांडु और विदुर के जैवीय या आध्यात्मिक पिता थे। वेदव्यास के जन्मदिन के अवसर पर गुरू पुर्णिमा का पर्व मनाया जाता है। व्यासजी के बारे में कहा जाता है कि द्वापर युग के दौरान उन्होंने पुराण, उपनिषद, महाभारत सहित वैदिक ज्ञान के तमाम ग्रन्थों की रचना की थी। कलियुग के शुरू होने के बाद वेदव्यास के बारे में कोई ठोस जानकारी या दस्तावेज उपलब्ध नहीं हैं। माना जाता है कि वह तप और ध्यान के लिए पर्वत श्रृंखलाओं में लौट गए थे। दो बौद्ध जातक कथाओं 'कान्हा दीपायना' और 'घाटा' में महिंष वेदव्यास का जिक्र किया गया है। प्रथम जातक कथा में उन्हें बोधिसत्व कहा गया है। हालांकि इसमें उनके वैदिक ज्ञान की चर्चा नहीं की गई है। दूसरी जातक कथा में उन्हें महाभारत का रचयिता और इससे जुड़ा हुआ व्यक्ति बताया गया है। अपनी मां के कहने पर वेद व्यास ने विचित्रवीर्य की रानियों के साथ नियोग किया, जिसके बाद पांडु और धृतराष्ट्र का जन्म हुआ। तीन पुत्रः वेद व्यास ने विचित्रवीर्य की रानियों, अंबिका और अंबालिका के अलावा एक दासी के साथ भी नियोग की प्रथा का पालन किया, जिसके बाद विदुर का जन्म हुआ।

तीनों पुत्रों में से विदुर वेद-वेदान्त में पारंगत और नीतिवान पुत्र थे। वेद व्यास का नामः द्वैपायन द्वीप पर जाकर तपस्या करने और काले रंग की वजह से उन्हें कृष्ण द्वैपायन नाम दिया गया, जो आगे चल कर वेदों का भाष्य करने के कारण वेद व्यास के नाम से प्रसिद्ध हुए।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए।गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है।गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए।

इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है।

इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है-

'गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णुः गुरुदेव महेश्वरः।'
गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नमः।।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिनमानसी गंगा पर स्नान करते श्रद्धालु, गोवर्धन, मथुराप्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं।घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए।फिर हमें 'गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये' मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए।तत्पश्चात् दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए।

फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए।

अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।